अधिकतम : 17° C
न्यूनतम : 09° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

हल्द्वानी, सोमवार 2 फरवरी 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 158 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com माघ शुक्ल पक्ष 14 विक्रमी सम्वत् 2082 13 शाबान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

आम बजट 2026-27: वित्त मंत्री ने नहीं किया आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान

ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा बजट 15 % बढ़ा

इनकम टैक्स में बदलाव नहीं, 17 कैंसर की दवाएं ड्यूटी फ्री, 3 आयुर्वेदिक एम्स व 7 हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को बजट पेश कर दिया। वे संसद में 85 मिनट बोलीं, लेकिन आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया। हालांकि टैक्स फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और 3 नए आयुर्वेदिक एम्स जैसी नई बातें कही हैं। बजट भाषण में कोई सीधा चुनावी ऐलान भी नहीं हुआ।

सीतारमण लोकसभा में तमिलनाडु की प्रसिद्ध कांजीवरम साड़ी पहनकर पहुंचीं जरूर, लेकिन इसी साल होने वाले पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुड्डुचेरी चुनाव पर सीधा असर डालने वाली घोषणाएं नहीं कीं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में वित्त मंत्री ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। डिफेंस बजट की खास बात यह है कि हथियार खरीदी और सेना के आधुनिकीकरण पर पिछले साल के 1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस बार 2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह पूंजीगत खर्च में सीधे 22 फीसदी की बढ़ोतरी है।

आम बजट की सबसे बड़ी घोषणाएं- इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय दिया। यानी अब 31 दिसम्बर के बदले 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं। कैंसर की 17 दवाओं पर से आयात शुल्क हटाया। अभी 5 फीसदी शुल्क लगता था। हीमोफीलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्राफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री। हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा। इनमें मुंबई -पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलिगुड़ी।

आयुर्वेदिक एम्स खोले जाने की घोषणा

मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए 5 मेडिकल हब भी बनेंगे। -लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए 12.2 लाख करोड़ खर्च करने का ऐलान।

इनकम टैक्स- स्लैब में बदलाव नहीं, रिटर्न फाइलिंग के लिए तीन महीने एक्स्ट्रा

इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय दिया। यानी अब 31 दिसम्बर के बदले 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं। न्यू इनकम टैक्स एक्ट एक अप्रैल 2026 से लागू होगा। फार्म रीडिजाइन किए गए हैं, ताकि आम लोग उसे आसानी से भर सकें।

रक्षा बजट- 15 फीसदी बढ़ा, फोर्सेस के आधुनिकीकरण पर 22 फीसदी ज्यादा खर्च

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में निर्मला सीतारमण ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। डिफेंस बजट की खास बात यह है कि इसमें हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के 1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल 2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह पूंजीगत खर्च में सीधी 22 फीसदी की बढ़ोतरी है। विमान और एयरो इंजन डेवलपमेंट के लिए 64 हजार करोड़ और नौसेना बेड़े के लिए 25 हजार करोड़ रुपये दिए गए हैं। पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ अलग रखे गए हैं।

स्वास्थ्य- कैंसर की दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटेगी, इलाज सस्ता होगा

कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी गई है। ये एडवांस कैंसर की इंपोर्ट होने वाली दवाएं हैं। अभी 5 फीसदी कस्टम ड्यूटी लगती थी। हीमोफिलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्राफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री कर दी गई हैं।

आयुर्वेद- भारत को ग्लोबल बायो फार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की तैयारी

बजट में 3 आयुर्वेदिक एम्स बनाने का ऐलान किया गया है। आयुर्वेदिक दवाइयों की टेस्टिंग के लिए नेशनल लैब्स बनाई जाएंगी। भारत को ग्लोबल लेवल पर बायोफार्मा प्रोडक्ट के उत्पादन का हब बनाया जाएगा। अगले पांच साल में एक लाख स्पेशलिस्ट हेल्थकेयर प्रोफेशनल तैयार होंगे। इसके लिए 10,000 करोड़ के निवेश करने की बात कही गई है।

गर्ल्स एजुकेशन- 789 जिलों में गर्ल्स हॉस्टल, हर जिले में एक हॉस्टल

देश में 789 जिले हैं। हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने का ऐलान किया गया है। गर्ल स्टूडेंट्स के लिए स्टीएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा को विशेष प्राथमिकता देने की बात कही गई है। -15 हजार सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स बनाई जाएंगी। करीब 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनेंगे। हर जिले में एक हॉस्टल बनाया जाएगा।

महिलाएं- लखपति दीदी मॉडल पर रोजगार और आय बढ़ाने की स्कीम

लखपति दीदी की तर्ज पर महिला स्वयं सहायता समूह की उद्यमी महिलाओं के लिए शी-मार्ट बनाए जाएंगे। इन दुकानों को महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के समुदाय ही चलाएंगे। यहां महिलाओं के बनाए खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प, कपड़े और स्थानीय उत्पाद सीधे बेचे जाएंगे। इससे बिचौलियों की भूमिका कम होगी और महिलाओं को अपने कारोबार पर मालिकाना हक मिलेगा।

रेल-जलमार्ग और ग्रीन ट्रांसपोर्ट सेक्टर: सात नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे

शहरों के बीच 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे। ये मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद- चेन्नई, हैदराबाद- बेंगलुरु, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली- वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी के बीच बनेंगे। अगले 5 साल में 20 नए राष्ट्रीय जलमार्ग बनेंगे। बनारस और पटना में जहाज मरम्मत सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

ग्रीन एनर्जी: बैटरी बनाने की मशीनों पर टैक्स छूट बढ़ी

सरकार ने लिथियम-आयन बैटरी बनाने वाली मशीनों पर टैक्स छूट का दायरा बढ़ा दिया है। अब बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए इस्तेमाल होने वाले सामान पर भी ड्यूटी नहीं लगेगी। इससे इलेक्ट्रिक व्हीकल सस्ते होंगे। वहीं, सोलर ग्लास बनाने में इस्तेमाल होने वाले सोडियम एंटीमोनेट पर भी ड्यूटी हटा दी गई है, जिससे देश में सोलर पैनल बनाना सस्ता होगा। खनिज- रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाया जाएगा- केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में दुर्लभ खनिजों के लिए विशेष कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इसमें आंध्र प्रदेश को भी जोड़ा जाएगा ताकि खनिज संपन्न राज्यों को फायदा मिले। रेयर अर्थ मटेरियल का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मोटर बनाने में इस्तेमाल किया जाता है।

खेती और पशु-मछली पालन- आय और रोजगार के मौके बढ़ाने पर फोकस

नारियल प्रोत्साहन योजना से करीब 3 करोड़ लोगों को जोड़ा जाएगा। मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए 500 तालाबों और अमृत सरोवरों का -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी बोले: ये युवा शक्ति का बजट, राहुल ने कहा: युवाओं को कुछ नहीं मिला

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने आम बजट को युवाओं का बजट बताया है। कहा कि देश में रिफॉर्म एक्सप्रेस चल पड़ी है। ये स्किल, स्केल और सस्टेनेबिलिटी को मजबूत करने का प्रयास है। सबसे बड़ी पूंजी नागरिक, इसी में निवेश किया। उधर विपक्ष ने बजट को निराशाजनक बताया। राहुल गांधी ने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार वाला बजट नहीं है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर गिर रहा है। निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं। घरेलू बचत में भारी गिरावट आ रही है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि यह बेहद ही बिखरा बजट है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने आम जनता को कुछ नहीं दिया। मोदी ने कहा कि हम तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर ही संतुष्ट नहीं है। बल्कि जल्द से जल्द तीसरी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है। भारत जिस रिफॉर्म्स पर सवार है, बजट से उसे नई गति मिलेगी। सनराइज सेक्टर को जिस मजबूती के साथ महत्व दिया है वह अहम है। रेयर अर्थ कारिडोर, क्रिटिकल मिनिरल्स पर बल, टैक्सटाइल, हाईटेक टूल मैनुफैक्चरिंग जैसी चीजें भविष्य और वर्तमान की जरूरतों का ध्यान रखती हैं।

संक्षिप्त समाचार

कमर्शियल रसोई गैस सिलेंडर महंगा

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी की है, जबकि घरेलू सिलेंडर के दाम में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में रविवार से 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर 1,740.50 रुपये का हो गया है। यह मई 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। जनवरी में इसकी कीमत 111 रुपये बढ़ाकर 1,691.50 रुपये की गई थी।

यूपी और हरियाणा में ओले गिरे, खड़ी फसलों को नुकसान

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने बताया कि फरवरी में रातें कम ठंडी और दिन ज्यादा गर्म हो सकते हैं। इसका कारण लॉ-नीना का कमजोर होना बताया जा रहा है। हालांकि उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय है। इससे अगले 2 दिन उत्तर-पश्चिम और हिमालई क्षेत्रों में बारिश- बर्फबारी होगी। रविवार को राजस्थान, एमपी, यूपी, हिमाचल और हरियाणा में बारिश, ओलावृष्टि और घना कोहरा रहा, जिससे फसलों को नुकसान हुआ। रविवार सुबह देश के 5 राज्यों यूपी, पंजाब, मेघालय, मध्य प्रदेश और हरियाणा के कुल 11 जिलों में तापमान 5 से 8 डिग्री के बीच रहा।

बजट में कृषि क्षेत्र को मिले 1,62,671 करोड़

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए कृषि तथा संबद्ध क्षेत्र के लिए 1,62,671 करोड़ का प्रस्ताव और किसानों की आमदनी में इजाफा करने के लिए कई उपायों की घोषणा की। यह धनराशि साल 2025-26 के संशोधित अनुमान 1,51,853 से सात प्रतिशत ज्यादा है।

श्रीमती सीतारमण ने तटीय क्षेत्रों में नारियल, चंदन, कोको और काजू जैसी महंगी फसलों में मदद देने की बात कही है। इन महंगी फसलों में इत्र बनाने में इस्तेमाल होने वाले अगर के पेड़ों और पहाड़ी इलाकों में बादाम, काजू और खुबानी जैसे गिरीदार फलों की बागवानी में सहायता देने का भी ऐलान किया गया। बजट में कहा गया है कि पुराने, कम उपज वाले बागों में दोबारा जान डालने के लिए सरकार आगे आएगी। इनमें अखरोट, बादाम और पाइन नट्स के बागों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चंदन के पेड़ों की खेती से किसानों की आमदनी बढ़ाने की बात भी बजट में कही गई है।

बजट में क्या सस्ता-क्या महंगा

ईवी की कीमत घटेंगी, शराब महंगी होगी, कैंसर की दवाओं के दाम घटेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल बजट में कई बड़े ऐलान किए हैं। खासकर भारतीय अर्थव्यवस्था को अमेरिकी टैरिफ से बचाने के लिए सरकार ने कई नए प्रावधान किए हैं। इनमें निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कुछ आयात शुल्क घटाने की घोषणा की गई है, जिससे व्यापारियों को मुख्य तौर पर राहत मिलेगी। इसके अलावा घरेलू खपत बढ़ाने के लिए भी कई चीजों के शुल्क को घटाया गया है।

समुद्री खाद्य उत्पादों की प्रोसेसिंग के लिए शुल्क मुक्त आयात की सीमा बढ़ाई गई है। इसके जरिये मछलीपालन उद्योग से जुड़े लोगों को राहत मिलेगी। जूतों के ऊपरी हिस्सों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इनके शुल्क

मुक्त आयात की अनुमति दी गई है। यानी विदेश भेजे जाने वाले जूतों की निर्माण लागत कम होगी। इससे देश में बिकने वाले जूते भी सस्ते होंगे। चमड़े और वस्त्र परिधानों के निर्यात में व्यापारियों की सहायता करने के लिए इनके कच्चे माल के आयात पर छूट की समयसीमा एक साल बढ़ाई गई है। भारत में इनकी कीमत जस-की-तस बनी रहेगी। लिथियम आयन सेल विनिर्माण में प्रयोग होने वाली वस्तुओं पर सीमा शुल्क में छूट दी जाएगी। इससे लिथियम आयन तकनीक से संचालित होने वाली बैटरी देश में सस्ती होंगी। इससे इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) के क्षेत्र को मदद मिलेगी और यह सस्ते हो सकते हैं। सोडियम एंटीमोनेट के आयात शुल्क पर मूल सीमा शुल्क में छूट। इसका इस्तेमाल टेलीविजन ट्यूब्स के फाइनिंग और ऑप्टिकल ग्लास में किया जाता है। साथ ही दमकल उपकरणों में इनका प्रयोग होता है। यानी टीवी-शीशे की बनी चीजें और दमकल उपकरण सस्ते हो सकते हैं। न्यूक्लियर परियोजनाओं के लिए जरूरी वस्तुओं के आयात पर छूट जारी रहेगी। अहम खनिजों की प्रोसेसिंग के लिए जरूरी वस्तुओं के आयात पर छूट मिलेगी।

दो दिन में चांदी 1.36 लाख और सोना 31 हजार सस्ता

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। गोल्ड और सिल्वर मार्केट में लगातार दूसरे दिन गिरावट है। 1 फरवरी को वायदा बाजार में चांदी करीब 25 हजार रुपये (9 फीसदी) गिर गई। 1 किलो चांदी का भाव 2.65 लाख रुपये पर आ गया। सोने में भी करीब 12 हजार रुपये (8 फीसदी) की गिरावट है। 10 ग्राम सोना 1.38 लाख रुपये पर आ गया है।

वायदा बाजार यानी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के दाम में दो दिन में 31 हजार रुपये की गिरावट हुई है। 29 जनवरी को ये 1.69 लाख रुपये पर पहुंच गया था, जो आज 1.38 लाख रुपये पर

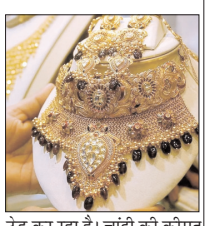

ट्रेड कर रहा है। चांदी की कीमत में 1.36 लाख रुपये की गिरावट हुई है। 29 जनवरी को ये 4.01 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई थी, जो आज 2.65 लाख रुपये पर ट्रेड कर रही है। सोना और चांदी की कीमतों में एमसीएक्स पर आई इस गिरावट का सीधा असर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) पर भी पड़ा।

भारत ने पाकिस्तान के दावों को किया खारिज

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत ने बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को हुई हिंसा में अपनी किसी भी तरह की संलिप्तता के पाकिस्तान के आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें 'निराधार' बताया और कहा कि ऐसा कहकर पाकिस्तान अपने आंतरिक मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाता है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान को 'बेतुके दावे' करने की बजाय अपने लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों और जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान द्वारा

- बलूचिस्तान हिंसा पर इसे 'ध्यान भटकाने की रणनीति' बताया
- पाक अपने लोगों की मांगों पर ध्यान दे

लगाए गए निराधार आरोपों को सिरे से खारिज करते हैं, जो उसकी अपनी आंतरिक विफलताओं से ध्यान भटकाने की उसकी सामान्य रणनीति के अलावा और कुछ नहीं है। हर बार जब कोई हिंसक घटना होती है, तो ऐसे दावों को दोहराने की बजाय पाकिस्तान को अपने लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। दमन, क्रूरता और मानवाधिकारों के उल्लंघन का उसका रिकॉर्ड जगजाहिर है। यह बयान पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी द्वारा हमलों में भारत पर शामिल होने का आरोप लगाने के बाद आया है। भारत ने पाकिस्तान के खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड और क्षेत्र में लंबे समय से चले आ रहे दमन को उजागर करके पलटवार किया। गौरतलब है कि शनिवार को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कम से कम 16 जगहों पर हमले हुए। क्वेटा, ग्वादर, कल्लात, खारान, मस्तुंग, पसनी, दलबांदिन, नोशकी, बुलाइदा, टंप, मच और आसपास के इलाकों में विस्फोट और सशस्त्र हमलों की सूचना मिली। बलूचिस्तान में हुई हिंसा की जिम्मेदारी शनिवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 'ऑपरेशन हेरोफ फेज दो' के हिस्से के रूप में ली।

टी-20 वर्ल्डकप में भारत के खिलाफ नहीं खेलेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने घोषणा की है कि उसकी क्रिकेट टीम टी-20 वर्ल्ड कप में 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करेगी। भारत और श्रीलंका में 7 फरवरी से आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप शुरू होने जा रहा है।

पाकिस्तान सरकार ने एक्स पर लिखा है कि इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान की सरकार ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप

2026 में हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी है, हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को भारत के खिलाफ निर्धारित मैच में मैदान पर नहीं उतरेगी।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने केंद्रीय बजट का स्वागत किया

बजट सर्वसमावेशी दृष्टि व आत्मनिर्भर भारत का सशक्त घोषणापत्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए इसे सर्वसमावेशी दृष्टि, दूरदर्शी सोच और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का मजबूत दस्तावेज बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट भारतीय आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है और समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की स्पष्ट प्रतिबद्धता दर्शाता है।

राज्यपाल ने कहा कि करीब 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर आना, राजकोषीय अनुशासन, नियंत्रित घाटा और संतुलित कर्ज-जीडीपी अनुपात इस बात का प्रमाण है कि भारत की विकास यात्रा सुदृढ़ आधार पर आगे बढ़ रही है। उनके अनुसार यह बजट किसान, युवा, महिला, श्रमिक, छात्र, उद्यमी और उद्योग सभी को समान संवेदनशीलता के साथ संबल प्रदान करता है। उन्होंने कृषि क्षेत्र में 'भारत विस्तार' जैसे एआई आधारित नवाचार, शिक्षा में छात्राओं के लिए हॉस्टल, खेलो इंडिया के माध्यम से कौशल एवं रोजगार, आयुष और एवीजीसी सेक्टर के विस्तार, एमएसएमई व मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहन तथा हरित उद्योगों के लिए कार्बन कैप्चर जैसे प्रावधानों को विकसित भारत की दिशा में ठोस कदम बताया। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि इंफ्रास्ट्रक्चर पर रिकॉर्ड निवेश, रेल व जलमार्गों का विस्तार, ग्रामीण स्वराज और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की पहल भारत को आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से सशक्त बनाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 सुधारों की गति, आत्मनिर्भरता की शक्ति और समृद्ध भारत के उज्जवल भविष्य का पाथेय सिद्ध होगा।

भाजपा का बजट सिर्फ पांच प्रतिशत लोगों के लिएः अखिलेश यादव

लखनऊ। केंद्रीय बजट पेश होने के बाद शेयर मार्केट में आई गिरावट को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही कहा था, सवाल यह नहीं है कि बाजार कब खुलेगा, सवाल यह है कि और कितना गिरेगा।

अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने बयान जारी कर कहा कि जब भारतीय जनता पार्टी सरकार से जनता को कोई उम्मीद नहीं है, तो उसके बजट से भी क्या अपेक्षा की जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का हर बजट '1/20 का बजट' होता है, क्योंकि यह केवल 5 प्रतिशत लोगों के हित में तैयार किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह बजट अपने कमीशन और अपने लोगों को सेट करने का दस्तावेज है तथा इसे 'भाजपाई भ्रष्टाचार की अदृश्य खाता-बही' बताया। सपा अध्यक्ष का कहना है कि इस बजट में न आम जनता का जिक्र है और न ही उनकी फिक्र। महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि बेतहाशा बढ़ती कीमतों के बावजूद आम लोगों को टैक्स में कोई राहत नहीं दी गई, जो सीधे तौर पर 'टैक्स-शोषण' है। वहीं दूसरी ओर अमीरों के कारोबार और घूमने-फिरने पर कई तरह की छूटें दी गईं, जबकि बेकारी और बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं व आम नागरिकों की उम्मीदों की थाली खाली रह गई। उन्होंने बजट को निराशाजनक और निंदनीय बताते हुए कहा कि यह आम आदमी की जरूरतों से पूरी तरह कटा हुआ है।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला बजटः कपिल देव अग्रवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने केंद्रीय बजट को विकसित भारत की दिशा में निर्णायक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को सशक्त आधार देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना नौवां बजट प्रस्तुत किया है, जो 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की भावना को मजबूती देता है।

मंत्री ने कहा कि यह बजट युवाओं, किसानों, श्रमिकों और उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने की ठोस रूपरेखा प्रस्तुत करता है। एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती देने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के प्रावधान से औद्योगिक क्षमता को नई गति मिलेगी। 5 लाख तक की आबादी वाले शहरों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की पहल से उत्तर प्रदेश के अनेक नगरों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह 'युवा शक्ति-संचालित बजट' है, जिसमें कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता को केंद्र में रखा गया है। शिक्षा से रोजगार तक की यात्रा को मजबूत करने हेतु उच्च-शक्ति स्थाई समिति के गठन का प्रस्ताव किया गया है।

स्वास्थ्य, पशुपालन, शिक्षा, पर्यटन, डिजाइन और खेल जैसे क्षेत्रों में पेशेवर मानव संसाधन के निर्माण पर विशेष बल दिया गया है। किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने, महिला नेतृत्व वाले उद्यमों, एआई आधारित पहलों और दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सशक्त विजन है। उन्होंने वित्त मंत्री को इस जनहितकारी बजट के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह बजट भारत की प्रगति, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखेगा।

केंद्रीय बजट जमीन पर उतरता दिखे तभी होगा सार्थकः मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संसद में पेश किए गए बजट में योजनाओं, परियोजनाओं और वादों के नाम भले ही बड़े हों, लेकिन असली कसौटी यह है कि उनका लाभ जमीन स्तर पर आम लोगों तक कितना पहुंचता है। उन्होंने कहा कि सर्वसमाज के हित में केवल बातें करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें सही नीयत के साथ अमल में लाना भी उतना ही जरूरी है। रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए मायावती ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार का बजट सत्ताधारी बहुजन समाज पार्टी के नजरिए से नहीं, बल्कि पूंजीवादी सोच से प्रभावित प्रतीत होता है, जिसमें बड़े उद्योगपतियों और धनाढ्य वर्ग को प्राथमिकता मिलती दिखती है, जबकि गरीब, दलित और बहुजन समाज की अपेक्षाएं पीछे छूट जाती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति और नीयत का आकलन इस बात से होना चाहिए कि वास्तव में गरीबों और वंचितों के जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की बात तभी सार्थक होगी, जब सरकारी क्षेत्र को पर्याप्त महत्व देते हुए संविधान निर्माता डा. भीमराव आंबेडकर के कल्याणकारी संविधान की भावना के अनुरूप ठोस कदम उठाए जाएं। मायावती ने यह सवाल भी उठाया कि पिछले वर्ष के बजट में किए गए दावे और वादे कितने पूरे हुए तथा क्या लोगों के जीवन स्तर में वास्तविक सुधार देखने को मिला है।

बजट 2026-27 पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया जयराम ने बताया निराशाजनक

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया करते हुए इसे पूरी तरह निराशाजनक और फीका करार दिया है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बजट पर प्रतिक्रिया करते हुए सोशल मीडिया पर रविवार को लिखा कि भले ही बजट दस्तावेजों का विस्तृत अध्ययन अभी किया जाना बाकी है, लेकिन बजट भाषण के 90 मिनट बाद ही यह साफ हो गया है कि बजट को लेकर जो माहौल और प्रचार बनाया गया था, उस पर यह पूरी तरह खरा नहीं उतरता। उन्होंने कहा कि यह बजट न तो नई दिशा दिखाता है और न ही किसी बड़े बदलाव का संकेत देता है। रमेश ने बजट भाषण को अस्पष्ट और गैर-पारदर्शी बताते हुए कहा कि इसमें प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बजटीय आवंटन की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। उनके अनुसार सरकार ने वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश की है और आम जनता को निराशा हाथ लगी है।

बजट 2026 पावर सेक्टर और कर्मचारियों के लिए निराशाजनकः शैलेन्द्र दुबे

लखनऊ। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026 को पावर सेक्टर और बिजली कर्मचारियों के लिए अत्यंत निराशाजनक बताया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के बढ़ते वित्तीय घाटे को कम करने और उन्हें सुदृढ़ बनाने के लिए बजट में कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया। दुबे ने कहा कि ट्रांसमिशन सेक्टर में टैरिफ बेस्ड कॉम्पिटेटिव बिडिंग (टीबीसीबी) के नाम पर हो रहे निजीकरण को रोकने की अपेक्षा थी, क्योंकि यह विषय राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है, लेकिन बजट इस पर मौन रहा। साथ ही देश में सस्ती बिजली उत्पादन के लिए नए सार्वजनिक क्षेत्र के बिजली घरों की स्थापना पर भी कोई स्पष्ट नीति या दिशा नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि उत्पादन, ट्रांसमिशन और डिस्कॉम-तीनों क्षेत्रों को लेकर बजट में स्पष्ट दृष्टिकोण का अभाव है।

नया भारत-विकसित भारत का रोडमैप है केंद्रीय बजटः योगी

लखनऊ, वार्ता

केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे नए भारत और विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने वाला दूरदर्शी बजट बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बजट प्रस्तुत करने पर हार्दिक बधाई दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 145 करोड़ देशवासियों की आशा और आकांक्षाओं का प्रतीक यह बजट है, जिसमें मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, कैपिटल एक्सपेंडिचर में वृद्धि, रेल कॉरिडोर, आयुष और हेल्थ सेक्टर को सशक्त करने जैसे ठोस प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कामकाजी महिलाओं पर विशेष ध्यान, हर जनपद में छात्रावास निर्माण, विज्ञान-गणित-आंकड़ा विज्ञान और उभरती तकनीकों से जुड़े हॉस्टलों की पहल युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगी। उन्होंने कहा कि व्यापक सुधारों के साथ अलग-अलग सेक्टरों में किए गए प्रावधान आम नागरिक का जीवन सरल बनाएंगे और अर्थव्यवस्था को तेज गति देंगे। युवाओं, महिलाओं, अन्नदाता किसानों, उद्यमियों और मध्यम वर्ग-सभी के लिए नए अवसर सृजित करने वाला यह बजट है। जीएसटी रिफंड की प्रक्रिया, आयकर रिटर्न को सरल बनाने की दिशा में उठाए गए कदम तथा अप्रैल से नए इनकम टैक्स एक्ट को लागू करने की घोषणा को उन्होंने स्वागतयोग्य बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने का दस्तावेज है और तेजी से आगे बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने बजट में शामिल प्रावधानों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि यह विकसित भारत की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

लोककल्याण की प्रेरणा देती है संत रविदास की वाणी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को संत रविदास की 649वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने बाराबिरवा, कानपुर रोड स्थित संत रविदास मठ में संत रविदास की प्रतिमा एवं सभागार का लोकार्पण किया। संत रविदास की साधना और कर्मयोग समाज को जोड़ने तथा लोक कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध बनाते हैं। उनकी वाणी आज भी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के निर्माण की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संत रविदास के कथन 'मन चंगा तो कठौती में चंगा' का उल्लेख करते हुए कहा कि कर्म की शुद्धता ही जीवन की दिशा तय करती है। उन्होंने बताया कि संतों ने मध्यकाल में भी सामाजिक समरसता का मार्ग प्रशस्त किया, उसी नींव पर आज का भारत खड़ा है। संत रविदास की प्रेरणा से ही शासन की योजनाएं अंतिम पंक्ति तक पहुंच रही हैं। गरीबों के बैंक खाते, आवास, शौचालय, गैस कनेक्शन, राशन और स्वास्थ्य सुविधाएं इसी सोच का परिणाम हैं, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ-सबका विकास' विजन से गति मिली है।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

सेंसेक्स 81537.70
निफ्टी 25048.65

रु. 150430
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार देश

चांदी रु. 291770
प्रति किलो

शेयर बाजार को रास नहीं आया आम बजट, सेंसेक्स 1,547 अंक तक लुढ़का

मुंबई, वार्ता

वित्त वर्ष 2026-27 का बजट निवेशकों को लुभाने में विफल रहा और घरेलू शेयर बाजारों में रविवार को विशेष सत्र के दौरान शुरुआती तेजी के बाद भारी गिरावट देखी गई।

बीएसई का सेंसेक्स 2,826 अंक के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में 1,546.84 अंक (1.88 प्रतिशत) टूटकर चार महीने के निचले स्तर 80,722.94 अंक पर बंद हुआ। बाजार बजट से पहले तेजी में था और एक समय 456 अंक चढ़कर 82,726.65 अंक पर पहुंच गया, लेकिन वित्त मंत्री का बजट भाषण समाप्त होते. होते बाजार अचानक तेजी से गिर गया। कुछ ही देर में यह 2,370 अंक गिरकर 79,899 अंक तक उतर गया था, जो बीच कारोबार में पांच महीने का निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 495.20 अंक यानी 1.96 प्रतिशत की गिरावट में 24,825.45 अंक पर बंद हुआ। यह

इसका भी चार महीने का निचला स्तर है। सूचकांक ऊपर 25,440.90 अंक और नीचे 24,571.75 अंक तक गया। चौतरफा बिकवाली के बीच मझौली और छोटी कंपनियों को भी नुकसान उठाना पड़ा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.06 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.73 प्रतिशत गिर गया। एनएसई में आईटी सूचकांक की 0.57 प्रतिशत की तेजी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टर गिरावट में रहे। सार्वजनिक बैंकों का सूचकांक 5.57 प्रतिशत, धातु का 4.05 प्रतिशत, तेल एवं गैस का 2.86 प्रतिशत, एफएमसीजी का 2.29 प्रतिशत, रियलिटी का 2.22 प्रतिशत, ऑटो का 2.09 प्रतिशत और निजी बैंकों का 1.22 प्रतिशत की गिरावट में बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक और अडानी पोर्ट्स के शेयर साढ़े पांच प्रतिशत से ज्यादा टूट गए। बीईएल में भी सवा पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही। आईटीसी, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट और एलएंडटी के शेयर तीन से चार प्रतिशत के बीच टूटे। बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, मारुति सुजुकी, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड और महिंद्रा एंड महिंद्रा में दो से तीन प्रतिशत की गिरावट रही। इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, ट्रेंट और भारती एयरटेल के शेयर एक से दो प्रतिशत फिसल गए। एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनीलिवर में भी करीब एक फीसदी की गिरावट देखी गई। टीसीएस का शेयर करीब दो प्रतिशत और इंफोसिस का एक प्रतिशत से अधिक चढ़ा।

भारत के विकास का अगला चरण पूंजी-समर्थित, एमएसएमई प्रेरित

नई दिल्ली, वार्ता

पीबी फिनटेक के जॉइंट ग्रुप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सरबवीर सिंह ने रविवार को कहा कि केंद्रीय बजट राजकोषीय अनुशासन पर आधारित है और यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत के विकास का अगला चरण पूंजी-समर्थित तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई)-प्रेरित होगा।

केंद्रीय बजट राजकोषीय अनुशासन पर आधारित है : सिंह

उन्होंने कहा कि बजट में मजबूत संरचनात्मक सुधारों के साथ-साथ जन-केंद्रित दृष्टिकोण भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। सिंह के अनुसार सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को वित्त वर्ष 2026-27 में 12.2 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने का निरंतर प्रयास बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए मजबूत तथा पूर्वानुमेय मांग की पाइपलाइन तैयार करेगा। वहीं 10,000 करोड़ रुपये के एमएसएमई ग्रोथ फंड की घोषणा से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को आवश्यक फंडिंग और तरलता सहायता मिलेगी, जिससे विस्तार और रोजगार सृजन को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि विदेशी निवासियों के लिए निवेश सीमा को बढ़ाकर 24 प्रतिशत किए जाने से भारतीय पूंजी बाजारों में निवेशकों की भागीदारी बढ़ेगी और दीर्घकालिक पूंजी प्रवाह को मजबूती मिलेगी। 'विकसित भारत' के लक्ष्य के तहत बैंकिंग क्षेत्र पर प्रस्तावित उच्च स्तरीय समिति को उन्होंने अधिक निवेश-आधारित और वैश्विक रूप से एकीकृत अर्थव्यवस्था की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। सिंह ने मोटर दुर्घटना मुआवजे को कर-मुक्त करने के फैसले को बीमा व्यवस्था को अधिक मानवीय और उपभोक्ता-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम करार दिया। उन्होंने कहा कि सरल किए गए कर-फाइलिंग मानदंड अनुपालन को आसान बनाएंगे और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को और सुदृढ़ करेंगे। साथ ही स्वयं सहायता आधारित उद्यमियों पर विशेष फोकस से महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों और जमीनी स्तर की उद्यमिता को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

ऑपरेशन सिंदूर

विकास किया जाएगा। पशुपालन के क्षेत्र में नए व्यवसायों को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि ज्यादा लोगों के लिए नौकरी और रोजगार के अवसर बनें। राज्यों के साथ मिलकर भारतीय चंदन उद्योग तंत्र को फिर से स्थापित किया जाएगा। काजू-कोको को 2030 तक दुनिया में पहचान दिलाने का टारगेट है।

हैंडलूमः नेशनल फाइबर स्कीम, खादी को प्रोत्साहन

नेशनल हैंडलूम पॉलिसी से कारीगरों को प्रोत्साहन और मदद देने की तैयारी है। मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाए जाएंगे। मैन मेड फाइबर का उत्पादन बढ़ेगा। एडवांस्ड फाइबर के लिए टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन का सिस्टम तैयार किया जाएगा। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज मिशन के तहत खादी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोडक्शन, ट्रेनिंग और मार्केटिंग पर जोर होगा। वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट को बढ़ावा दिया जाएगा।

पर्यटनः 20 टूरिस्ट प्लेस पर 10 हजार गाइड्स ट्रेंड किए जाएंगे

20 प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर 10, हजार गाइड्स को ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए पायलट योजना शुरू की जाएगी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू- कश्मीर में पर्यावरणीय रूप से ऐसे रास्ते बनाए जाएंगे जो ट्रेकिंग और हाइकिंग के लिए आसान हों। विदेश में पढ़ाई-इलाज- 2026-27 में विदेश पैसा भेजने (एलआरएस) पर लगने वाले टीसीएस (टैक्स कलेक्टेड एड सोर्स) को कम करने का ऐलान किया है। अब विदेश में पढ़ाई या इलाज के लिए साल में 10 लाख रुपये से ज्यादा भेजे तो टीसीएस 5 फीसदी से घटाकर 2 फीसदी कर दिया गया है। सरकार की कमाई, कर्ज और घाटे का पूरा हिसाब- सरकार ने लक्ष्य रखा है कि 2030-31 तक देश का कुल कर्ज, जीडीपी के 50 फीसदी (1) के बराबर लाया जाए। 2025-26 में यह कर्ज 56.1 फीसदी था, जो अब 2026-27 में घटकर 55.6 फीसदी रहने का अनुमान है। यह कर्ज कम होगा तो सरकार को ब्याज कम देना पड़ेगा, जिससे वो पैसा स्कूल, अस्पताल और सड़कों पर खर्च हो सकेगा।

राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.5 फीसदी से नीचे आया

राजकोषीय घाटा मतलब सरकार की कमाई और खर्च के बीच का अंतर। सरकार ने कहा है कि वह घाटे को जीडीपी के 4.5 फीसदी से नीचे ले आई है। 2025-26 में यह घाटा 4.4 फीसदी रहा, और अगले साल (2026-27) के लिए इसे और घटाकर 4.3 फीसदी करने का लक्ष्य है। सरकार की कुल कमाई 34 लाख करोड़ रही। इसमें से 26.7 लाख करोड़ टैक्स से आए। वहीं कुल खर्च 49.6 लाख करोड़ रहा। पूंजीगत खर्च यानी लगभग 11 लाख करोड़ नए ब्रिज, हाईवे और इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में खर्च हुआ। सरकार ने 36.5 लाख करोड़ कुल कमाई का अनुमान है। जिसमें टैक्स से 28.7 लाख करोड़ आएंगे। वहीं लगभग 53.5 लाख करोड़ कुल खर्च रहने का अनुमान है। खर्च कमाई से ज्यादा है, इसलिए सरकार बाजार से 11.7 लाख करोड़ का उधार लेगी। बाकी पैसा छोटी बचत योजनाओं से आएगा।

सारनाथ व हस्तिनापुर को 'एक्सपीरिएंशियल कल्चरल डेस्टिनेशन' के रूप में किया जाएगा विकसित

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि देश के 15 प्रमुख पुरातात्विक स्थलों को 'एक्सपीरिएंशियल कल्चरल डेस्टिनेशन' के रूप में विकसित करने की योजना में सारनाथ और हस्तिनापुर को शामिल किया जाना केंद्र सरकार की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह निर्णय 'विकसित भारत' के विजन में उत्तर प्रदेश की केंद्रीय भूमिका को और सुदृढ़ करेगा।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि बजट में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को विशेष प्राथमिकता दी गई है, जिससे प्रदेश की पहचान देश के प्रमुख सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन गंतव्य के रूप में और मजबूत होगी। उन्होंने इसे प्रदेश के पर्यटन विकास के लिए मील का पत्थर बताया।

जयवीर सिंह ने कहा कि भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश स्थल सारनाथ का विकास इस तरह किया जाएगा कि उसकी पवित्रता और ऐतिहासिक गरिमा बनी रहे। यहां विश्वस्तरीय विजटिर सुविधाएं, क्यूरेटेड वॉकवे, इंटरप्रिटेशन सेंटर और तकनीक आधारित स्टोरीटेलिंग की व्यवस्था की जाएगी। इससे पर्यटक सारनाथ के आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व को और गहराई से समझ सकेंगे तथा बौद्ध पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि हस्तिनापुर, जो महाभारत काल का प्रमुख नगर रहा है, को एक समग्र हेरिटेज डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। कौरव वंश की राजधानी रहे इस ऐतिहासिक स्थल का पुरातात्विक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत विशाल है। वैज्ञानिक संरक्षण, बेहतर पर्यटक सुविधाओं और संरचित व्याख्या व्यवस्था के माध्यम से पर्यटक महाभारत से जुड़े गौरवशाली इतिहास से भावनात्मक रूप से जुड़ सकेंगे। बजट के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे से जुड़े प्रावधान प्रदेश में पर्यटन को नई गति देंगे। धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को जोड़ने वाली बेहतर रेल और सड़क व्यवस्था से सुगम पर्यटन सर्किट विकसित होंगे।

फार्म-7 भेज कर विपक्षी मतदाताओं के नाम कटवाने की साजिश रच रही भाजपा : सपा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एसआईआर प्रक्रिया के तहत गांवों में पहले से छपे फार्म-7 भेजे जाने को लेकर बड़ा आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि इन फार्मों के जरिए फर्जी आपत्तियां दर्ज कर विपक्षी मतदाताओं के नाम कटवाने की साजशि रची जा रही है। रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि कई मामलों में शिकायतकर्ता का कोई अता-पता नहीं है और फर्जी हस्ताक्षर करवाकर नाम हटवाए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में खासतौर से पीडीए समाज और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। कई मतदाताओं को तो यह भी जानकारी नहीं है कि उनके सभी दस्तावेज सही होने के बावजूद उनके नाम पर आपत्ति लगा दी गई है। सपा अध्यक्ष ने माननीय न्यायालय, निर्वाचन आयोग और समस्त पत्रकारों से इस 'महाघोटाले' का संज्ञान लेने की अपील की है। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय व स्थानीय मीडिया, यूट्यूबर और लोकल न्यूज कर्मियों से लोकतंत्र के हित में इस कथित साजशि का पर्दाफाश करने का आग्रह किया। अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी ऐसे मामलों को देश-प्रदेश के सामने लाएगी और ईमानदार पत्रकारिता करने वालों का समर्थन करेगी।

फर्जी हस्ताक्षर करवाकर नाम हटवाए जा रहे हैं: यादव

बजट 2026-27 से भारत के विकास को मिलेगी नई दिशा : सीएम

■ मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को शानदार बजट के लिए दी बधाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट देश और राज्यों के विकास को नई दिशा देने के साथ ही सभी वर्गों के लिए अवसरों को बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि बजट में आर्थिक विकास तेज करने, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और सबका साथ सबका विकास सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को विकासोन्मुखी और समावेशी बजट के लिए बधाई देते हुए कहा कि किसानों, महिलाओं, वंचितों, युवाओं, छोटे उद्यमियों और पिछड़े वर्ग पर विशेष ध्यान दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, उद्योग और अवसं. रचना के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। ये पूरे देश के साथ उत्तराखंड के लिए भी लाभकारी साबित होंगे और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएंगे। बजट में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के लिए पर्यावरण-अनुकूल माउंटेन ट्रेल्स विकसित करने की योजना है। उत्तराखंड के परिपेक्ष में बजट ने पर्यटन और बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया है, जो विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों, पशुपालन, उच्च मूल्य कृषि, पर्यटन और एमएसएमई के लिए किए गए बजट प्रावधान राज्य की ग्रामीण और पर्वतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में पर्यावरण और ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल टेक्नोलॉजी और बायोफार्मा क्षेत्र में किए गए निवेश से राज्य और देश दोनों का दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह बजट सबका साथ, सबका विकास और आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार बजट में घोषित योजनाओं और प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए केंद्र सरकार के साथ पूरी तरह सहयोग करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बजट न केवल देश की आर्थिक ताकत को बढ़ाएगा, बल्कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों को भी समान रूप से विकास के अवसर देगा।

चकराता के लोखंडी में साल का तीसरा हिमपात

चकराता। चकराता के लोखंडी में इस वर्ष का तीसरा हिमपात होने से पूरे क्षेत्र में ठंड के साथ-साथ खुशी का माहौल बन गया है। हिमपात की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पर्यटक लोखंडी पहुंचने लगे हैं। अपनी आंखों के सामने बर्फ गिरते देख पर्यटकों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। पर्यटक बर्फबारी का भरपूर आनंद लेते हुए फोटो और वीडियो बनाते नजर आए।स्थानीय निवासी रोहन चौहान ने बताया कि यह इस साल का तीसरा हिमपात है, जिसका पर्यटक लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हिमपात शुरू होते ही क्षेत्र की खूबसूरती और भी बढ़ गई है, जिससे लोखंडी एक बार फिर पर्यटकों का पसंदीदा स्थल बन गया है। हिमपात से स्थानीय लोगों में भी खुशी की लहर है। खासतौर पर बागवानी से जुड़े लोग, किसान और होटल व्यवसाय से जुड़े लोग इसे लाभकारी मान रहे हैं। बर्फबारी से सेब सहित अन्य फसलों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

केन्द्रीय बजट में शिक्षा, शोध, स्वास्थ्य व कौशल विकास पर फोकसः डॉ. रावत

■ देशभर कर 15,000 स्कूलों व 500 कॉलेजों में स्थापित होंगी एवीजीसी कंटेंट लैब, डिजिटल नॉलेज ग्रिड के माध्यम से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनेंगे युवा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सूबे के शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीता. रमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट 2026ख27 का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट शिक्षा, शोध, स्वास्थ्य और कौशल विकास को सशक्त बनाने वाला दूरदर्शी व सर्वसमावेशी बजट है। यह बजट युवाओं को भविष्य के लिये तैयार करने के साथ-साथ भारत को वैश्विक ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

डॉ. रावत ने बताया कि केन्द्रीय बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिये 1,39,289 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो गत वर्ष की तुलना में 8.27 प्रतिशत अधिक है। बजट में पाँच यूनिवर्सिटी टाउनशिप स्थापित करने का प्रावधान किया गया है, जहाँ शोध, स्टार्ट-अप, नवाचार और इंडस्ट्री-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। ये संस्थान विद्यार्थियों को इंडस्ट्री-रेडी बनाने पर विशेष फोकस करेंगे।

उन्होंने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी के सहयोग से देशभर के 15,000 विद्यालयों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट लैब स्थापित की जाएँगी। इसके साथ ही डिजिटल नॉलेज ग्रिड की स्थापना से छात्रों को उच्च गुणवत्ता की डिजिटल शिक्षा सामग्री उपलब्ध होगी, जिससे वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक जनपद में एक-एक महिला छात्रावास (गर्ल्स हॉस्टल) की स्थापना से बालिका शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने इस जन-कल्याणकारी बजट के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि केन्द्रीय बजट के अनुरूप राज्य स्तर पर ठोस प्रस्ताव तैयार किये जाएँ, ताकि प्रदेशवासियों को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।

भोजनमाताओं ने सीएम को प्रेषित किया ज्ञापन

विकासनगर। उत्तराखंड भोजनमाता संगठन ने प्रधानमंत्री पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत भोजनमाताओं की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के जनसंपर्क अधिकारी राजेश सेठी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने बताया कि प्रदेश में लगभग 29 हजार भोजनमाताएँ वर्षों से अल्प मानदेय पर कार्य कर रही हैं।ज्ञापन में मानदेय 5000 प्रतिमाह करने, 60-65 वर्ष की आयु पर सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्ति, प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना से जोड़ने, तथा सेवा अवधि के अनुरूप सामाजिक सुरक्षा लाभ देने की मांग की गई। संगठन ने आरोप लगाया कि कई विद्यालयों में भोजनमाताओं से भोजन पकाने के अलावा सफाई, गेट खोलने-बंद करने, कमरों में ताले लगाने और अन्य अतिरिक्त कार्य कराए जा रहे हैं। मना करने पर सेवा से हटाने की धमकियाँ भी दी जाती हैं।

कोटद्वार घटना: जमीअत ने दीपक कुमार को सुरक्षा देने की मांग उठाई

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड के जनपद पौडी गढ़वाल के कोटद्वार में 26 जनवरी को एक मुस्लिम दुकानदार पर हुए हमले के दौरान बीच-बचाव कर उसकी जान बचाने वाले दीपक कुमार को सुरक्षा देने की मांग उठी है। जमीअत उलेमा-ए-हिंद, उत्तराखंड प्रदेश ने इस संबंध में पुलिस महानिद. शक (डीजीपी) को पत्र लिखकर दीपक कुमार को तत्काल और स्थायी पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मौहम्मद शाह नजर ने जानकारी दी कि जमीअत के प्रदेश महासचिव मौलाना शराफत अली कासमी द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि दीपक कुमार ने मानवीय और संवैधानिक दायित्व निभाते हुए हिंसा का विरोध किया, लेकिन इसके बाद से उन्हें लगातार धमकियों का सामना करना पड़ रहा है।पत्र में उल्लेख किया गया है कि 31 जनवरी को देहरादून और हरिद्वार से बड़ी संख्या में कथित बजरंग दल से जुड़े लोग कोटद्वार पहुंचे और दीपक कुमार के जिम पर तोड़फोड़ का प्रयास किया। इस दौरान नारेबाजी और हंगामे के कारण इलाके में भय का माहौल बन गया, जिससे स्थानीय व्यापारियों को अपनी दुकानें बंद करनी पड़ीं और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ।जमीअत का कहना है कि एक ऐसे नागरिक को निशाना बनाया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसने हिंसा के खिलाफ खड़े होकर सामाजिक सौहार्द और इंसानियत का परिचय दिया। संगठन ने इसे कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि इससे समाज में गलत संदेश जा रहा है।

पत्र में हाल के अन्य मामलों का भी हवाला दिया गया है। कश्मीरी युवकों पर हमले और एंगल चकमा नामक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि प्रदेश में असामाजिक और उग्र तत्वों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं, जिससे देवभूमि उत्तराखंड की शांत और सहिष्णु छवि धूमिल हो रही है।जमीअत उलेमा-ए-हिंद के उपाध्यक्ष मुफ्ती रईस अहमद कासमी ने डीजीपी से मांग की है कि दीपक कुमार को तत्काल पुलिस सुरक्षा दी जाए, कोटद्वार में उत्पात और तोड़फोड़ का प्रयास करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा प्रदेश में बढ़ती भीड़-हिंसा और धमकी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सख्त निर्देश जारी किए जाएं। पत्र पर प्रदेश उपाध्यक्ष मुफ्ती रईस अहमद कासमी, जिला अध्यक्ष, देहरादून मौलाना अब्दुल मन्नान कासमी, नगर अध्यक्ष मुफ्ती अयाज अहमद जामई, जिला कोषाध्यक्ष मास्टर अब्दुल सत्तार, मुफ्ती रियाज हसन, जिला सचिव कारी मुन्तजिर, सदस्य मौहम्मद हसन व प्रदेश मीडिया प्रभारी मौहम्मद शाह नजर सहित अन्य पदाधिकारियों के हस्ताक्षर हैं।

केंद्रीय बजट 2026 विकसित भारत की दिशा में एक सर्वसमावेशी और विकासोन्मुखी बजट : जोशी

■ कृषि मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री का जताया आभार

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को कैंप कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों के साथ केंद्रीय बजट 2026ख27 का लाइव प्रसारण देखा एवं सुना। इस अवसर पर उन्होंने केंद्रीय बजट 2026 को विकसित भारत की दिशा में एक "सर्वसमावेशी और विकासोन्मुखी बजट" बताया।

कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026ख27 समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जो देश की विकास गति को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बजट नागरिकों को सशक्त बनाएगा और भारत के उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय करेगा। उन्होंने कहा कि मजबूत आर्थिक आधार, समावेशी विकास और दीर्घकालिक दृष्टि पर केंद्रित यह बजट "विकसित भारत" के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि बजट में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी इन चारों वर्गों के उत्थान और सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने, युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने तथा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं।

पर्यटन क्षेत्र को लेकर किए गए प्रावधानोंकी सराहना

पर्यटन क्षेत्र को लेकर बजट में किए गए प्रावधानों की भी मंत्री जोशी ने सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर टूरिस्ट गाइड्स को वर्ल्ड-क्लास ट्रेनिंग देने और प्रमुख पुरातात्विक स्थलों को सांस्कृतिक एवं पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित करने का निर्णय पर्यटन को नई दिशा देगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा। कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि यह बजट ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, कृषि उन्नयन और पर्यटन संवर्धन के माध्यम से "विकसित भारत" के लक्ष्य को साकार करने वाला है।

उत्तराखंड के विकास की रफ्तार बढ़ाने में मददगार होगा केंद्रीय बजट : भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने केंद्रीय बजट को विकसित भारत निर्माण में युवा शक्ति की बड़ी भूमिका निर्धारित करने वाला बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने जनकल्याणकारी बजट प्रस्तुत करने के लिए पीएम श्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का प्रदेशवासियों की तरफ से आभार व्यक्त किया है। वहीं इस बजट को उन्होंने उत्तराखंड के परिप्रेक्ष्य में पर्यटन, महिला सशक्तिकरण, बाग. वानी और सेमी कंडक्टर इकाइयों समेत कई क्षेत्रों में मजबूत करने वाला बताया।

उन्होंने रविवार को प्रस्तुत केंद्रीय आम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे विकसित भारत निर्माण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बताया। पीएम मोदी के निर्देशानुसार युवा भारत के युवाओं को अधिक सशक्त करने के उपाय, बजट में रेखांकित

किए गए हैं। युवा शक्ति पर फोकस ये बजट देश के विकास, रोजगार सृजन और नवाचार तकनीक आधारित उद्योगों की मजबूत करने वाला है। केंद्र सरकार ने पुन: स्पष्ट किया कि इस वर्ष भी हम सबका साथ सबका विकास के संकल्प पर काम करने का होगा। साथ ही आर्थिक तरक्की, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए उनकी क्षमता वृद्धि करना और प्रत्येक परिवार, समाज, क्षेत्र की भागेदारी विकास में सुनिश्चित करने के कर्तव्यों पर आधारित होगा। महिलाओं के लिए प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल की घोषणा, एआई की नवीन तकनीक के युवा एक्सपर्ट देश के 15 हजार स्कूलों और 500 काले. जों में लैब स्थापित कर तैयार करना, 500 अमृत सरोवर निर्माण जैसी नवीन योजनाओं के साथ किसान, मातृ शक्ति, व्यवसाई, उद्योग, पर्यटन और रोजगार सृजन को लेकर विस्तृत रूपरेखा बजट में प्रस्तुत की गई है।

उन्होंने कहा, उत्तराखंड के परिप्रेक्ष्य में ये बजट प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से विकास के नए सोपानों को पार करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। पर्यटन की प्रदेश में आर्थिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है ऐसे में इको टूरिज्म के तहत पर्वतीय ट्रेल की घोषणा गेम चेंजर साबित हो सकती है। ज्ञान, तकनीक और नवाचार के जरिए बजट में हेल्थकेयर डिजिटल इकोसिस्टम मजबूत करने का एलान हुआ है जो निसंदेह हमारे लिए बहुत लाभकारी होगा।

बजट में उत्तराखंड और आम आदमी की घोर उपेक्षा: गोदियाल

■ देश की वित्त मंत्री ने बजट में एकबार फिर किया निराश

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने केन्द्र की मोदी सरकार के आम बजट को दिशाहीन, प्रतिगामी, विकास अवरोधी, अपने उद्योगपति मित्रों का पोषक तथा आम आदमी के हितों के खिलाफ मंहगाई और बेरोजगारी बढ़ाने वाला बजट बताया है।

गोदियाल ने वित्त मंत्री निर्मला सीता. रमण द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय आम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केन्द्रीय वित्त मंत्री ने एकबार फिर से दिशाहीन, प्रतिगामी, विकास विरोधी, मंहगाई व बेरोजगारी बढ़ाने वाला तथा देश की आर्थिक वृद्धि पर चोट पहुंचाने वाला बजट है। केन्द्रीय बजट में उत्तराखंड जैसे छोटे राज्यों और आम आदमी की घोर उपेक्षा की गई है। देश के वित्त मंत्री ने बजट में एकबार फिर से आंकडों की बाजीगरी ही दिखाई है। वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा आम बजट में तीन कर्तव्यों आर्थिक वृद्धि मे तेजी, जन आकांक्षाओं को पूरा करना तथा सबका साथ सबका विकास जैसी कोरी बातें ही की गई हैं। केन्द्रीय बजट में सात उच्चगति रेल कॉरिडोर विकसित किये जाने की बात 100 स्मार्ट सिटी विकसित किये जाने जैसे जुमले छोडे गये हैं।

गोदियाल ने स्मार्ट सिटी मिशन, प्रदूषण, स्वास्थ्य और किसानों की आय जैसे मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि पूर्व के बजट की भाँति किसानों और आम आदमी की आय में वृद्धि जैसी कोरी घोषणायें कर उन्हें बरगलाने की को. शिश की गई है। इस बार मोदी सरकार ने ''तीन कर्तव्य'' के रूप में नया जुमला छोड़ा गया है। केन्द्रीय बजट न तो नई दिशा दिखाता है और न ही किसी बड़े बदलाव का संकेत देता है। बजट में प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बजटीय आवंटन की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। केवल मोदी सरकार ने वास्तविक और ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश मात्र की है। कुल मिलाकर केन्द्रीय बजट से आम जनता को निराशा हाथ लगी है। केंद्रीय बजट में महंगाई कम करने की कहीं बात नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से केन्द्रीय आम बजट में लगातार की जा रही कोरी घोषणाओं व जुमलेबाजी तथा अपने चहेते उद्योग पतियों को लाभ पहुंचाने वाले बजट में वित्तीय प्रबन्धन का नितांत अभाव है। जहां एक ओर महंगाई से जनता के सिर का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है वहीं देश का आम आमी विदेशी कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बजट में योजनाओं और कार्यक्रमों के बजटीय आवंटन में पारदर्शिता का नितांत अभाव है। बजट के प्रावधानों से देश की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था में विकास दर दहाई का आंकडा भी नहीं छू पायेगी और न ही रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सात उच्चगति रेल कॉरिडोर विकसित किये जाने की घोषणा की गई है परन्तु जो हवाई अड्डे वर्तमान में स्थापित हैं उनकी हालत खस्ता हो चली है उसके लिए बजट मे कोई प्रावधान नहीं किया गया है। केन्द्र सरकार द्वारा कृषकों की आय बढ़ाने तथा आम आदमी बढ़ाने की बात बार-बार की जाती है परन्तु इन वर्गों की आय में वृद्धि करने का कोई प्रावधान बजट में नहीं किया गया है।

श्री गणेश गोदियाल ने कहा कि वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट में तीन कर्तव्य नाम से नया जुमला छोड़ते हुए कोरी घोषणाओं का अंबार लगाया गया है परन्तु उन्हें पूरा करने के लिए पैसा कहां से आएगा इसका कोई उल्लेख नहीं है। बजट में गरीब, किसान तथा युवा वर्ग की पूरी तरह उपेक्षा की गई आम जनता को मंहगाई से निजात दिलाने के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इस बजट से देश में रोजगार के अवसर घटेंगे, किसान, गरीब व आम आदमी के लिए इस बजट में कुछ भी नहीं है तथा केन्द्रीय बजट मात्र कुछ पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने वाला बजट है। मध्यम वर्ग के हितों पर बजट में सबसे अधिक चोट की गई है। नौकरी पेशा व्यक्ति को सबसे अधिक नुकसान हुआ है, 4 से 8 लाख में 5 प्रतिशत टैक्स लगाकर मध्यम वर्ग के नौकरी पेशा वर्ग के गाल पर टैक्स का तमाचा मारा गया है। महिला सुरक्षा, किसानों, बेरोजगार नौजवानों के लिए इस बजट में कोई विषेष प्रावधान नजर नही आता है।

शिक्षा व्यवस्था का सशक्त माध्यम बना विद्या समीक्षा केन्द्र

■ तकनीक व डेटा विश्लेषण के जरिये शिक्षा प्रणाली में हो रहा व्यापक सुधार ,छात्रों व शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहे चौटबॉट व ई-सृजन प्लेटफार्म

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड सरकार द्वारा स्थापित विद्या समीक्षा केन्द्र प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में नवाचार, पारदर्शिता और डिजिटल निगरानी का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। इस अभिनव पहल के माध्यम से छात्रों की अधिगम प्रगति, शिक्षकों के प्रशिक्षण तथा विभागीय योजनाओं की निगरानी को डेटा-आधारित किया गया है, जिससे शिक्षण गुणवत्ता, उपस्थिति, प्रशिक्षण एवं संसाधन प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है।

विद्यालयी शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के मार्गदर्शन में प्रदेश की शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। इन्हीं सुधारों के क्रम में नई शिक्षा नीतिख2020 के प्रावधानों के तहत विद्या समीक्षा केन्द्र की स्थापना की गई है। इस केन्द्र के माध्यम से प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं परिणामोन्मुख बनाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि विद्या समीक्षा केन्द्र के माध्यम से छात्रों की साप्ताहिक अधिगम प्रगति की सतत निगरानी की जा रही है। इसके लिए सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत विषयवार क्विज एवं उपचारात्मक शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं 'मेरी उपस्थिति' चौटबॉट के माध्यम से विद्यार्थियों की रीयल-टाइम उपस्थिति दर्ज की जा रही है। इसके जरिए लगातार अनुपस्थित छात्रों की पहचान कर

डॉ. धन सिंह रावत, विद्यालयी शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड

समय पर हस्तक्षेप किया जा रहा है, जिससे ड्रॉपआउट दर में कमी लाने में मदद मिल रही है शिक्षकों के लिए 'शिक्षक सहायक' चौटबॉट उपयोगी सिद्ध हो रहा है, जिसके माध्यम से पाठ योजनाएं, वर्कशीट और शिक्षण वीडियो उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही ई-सृजन प्लेटफार्म पर शिक्षकों को तकनीकी एवं विषयगत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अब तक 92 प्रतिशत शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण पूर्ण किया गया, जो राज्य में "विद्या समीक्षा केन्द्र प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को भविष्य के अनुरूप ढालने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। तकनीक और डेटा के माध्यम से अब न केवल छात्रों की सीखने की प्रक्रिया पर सतत निगरानी संभव हो रही है, बल्कि शिक्षकों को भी आवश्यक संसाधन और प्रशिक्षण समय पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे शिक्षा व्यवस्था अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बन रही है।"

क्षमता निर्माण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। इसके अतिरिक्त सीआरपी/बीआरपी द्वारा ऑन-साइट मेंटरिंग की निगरानी भी विद्या समीक्षा केन्द्र से की जा रही है।अधिकारियों ने बताया कि अभिभावकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्या समीक्षा केन्द्र के अंतर्गत 'जिज्ञासा' चौटबॉट प्रारंभ किया गया है। इसके साथ ही आईएफए एवं एनडीडी टैबलेट वितरण, एप्टीट्यूड टेस्ट अंकों का डिजिटलीकरण तथा यू-डाइस प्लस आधारित विश्लेषण जैसी पहलें भी शुरू की गई हैं, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में डेटा-आधारित निर्णय संभव हो पा रहे हैं। इसके अलावा निजी एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों को भी इस प्लेटफार्म से जोड़ा जा रहा है, ताकि प्रदेश के प्रत्येक नौनिहालों का सर्वांगीण विकास हो सके।

विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से मूल्यांकन प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए भी नई पहल की गई है। इसके तहत फरवरी 2026 से ग्रेड 4 से 9 के लिए पहल डायग्नोस्टिक असेसमेंट तथा ग्रेड 1 एवं 2 के लिए निपुण एंडलाइन असेसमेंट में ओसीआर तकनीक के माध्यम से उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग की जाएगी और शिक्षक ऑनलाइन मूल्यांकन कर सकेंगे, जिससे समय की बचत होगी और 2 से 3 दिनों के भीतर मूल्यांकन रिपोर्ट उपलब्ध हो सकेगी।

सीएम धामी ने की राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से रविवार को लोक भवन में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्यपाल की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन की कामना की। वहीं दूसरी ओरराज्यपाल से रविवार को लोक भवन में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शिष्टाचार भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

सीएम वडीजी सूचना ने पत्रकार अनुपम त्रिवेदी की माताजी के निधन पर जताया शोक

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पत्रकार अनुपम त्रिवेदी की माताजी गीता त्रिवेदी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों को यह दु:ख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

महानिदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क बंशीधर तिवारी ने भी वरिष्ठ पत्रकार अनुपम त्रिवेदी की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत की शांति तथा शोकाकुल परि. जनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

यूजीसी बिल पर सवर्ण नाराज

विरोध में बुलाई बैठक, प्रस्तावित नियमों को समाज तोड़ने वाला बताया

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। यूजीसी द्वारा प्रस्तावित 2026 के नए प्रावधानों के विरोध में काशीपुर में सवर्ण समाज की एक बड़ी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शहर के विभिन्न सामाजिक, व्यावसायिक, शैक्षणिक और विधिक संगठनों से जुड़े सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और प्रस्तावित नियमों को समाज को बांटने वाला तथा युवाओं के भविष्य के लिए घातक बताया। बैठक में अखिल ब्राह्मण उत्थान महासभा काशीपुर महानगर, ब्राह्मण सभा समिति, देवभूमि पर्वतीय महासभा, गढ़वाल सभा, खत्री सभा, बिश्नोई सभा, अग्रवाल सभा, कुमाऊं वैश्य सभा, चौहान सभा, गौड़ ब्राह्मण सभा, क्षत्रिय सभा, पंजाबी सभा, व्यापार मंडल, सीनियर सिटीजन संगठन एवं काशीपुर बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि यूजीसी के नए नियमों से विशेष रूप से युवा वर्ग और विद्यार्थी सबसे अधिक प्रभावित होंगे। अधिवक्ताओं और शिक्षाविदों ने आशंका जताई कि इन प्रावधानों के तहत छोटी-छोटी बातों पर गैर-जमानती धाराओं में मुकदमे दर्ज होने की संभावना बढ़ जाएगी, जिससे शिक्षा संस्थानों में भय और भेदभाव का माहौल बनेगा। कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने इन प्रावधानों पर फिलहाल रोक लगाई है, लेकिन यदि संसद के माध्यम से इन्हें लागू किया गया तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इसलिए वक्ताओं ने सरकार से मांग की कि इस कानून को पूरी तरह वापस लिया जाए। सभा में मंच पर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, केडीएफ के अध्यक्ष राजीव घई, बीजेपी वरिष्ठ नेता आशीष गुप्ता, छात्र संघ के उपाध्यक्ष अमन रस्तोगी, राघवेंद्र नागर, सुशील गुड़िया, अधिवक्ता मनोज जोशी के अलावा ब्राह्मण सभा से सुभाष चंद्र शर्मा, कायस्थ सभा से अभिताभ सक्सेना, योगेश विश्नोई, डॉ. रजनीश कुमार शर्मा, बृजकिशोर सिंह, सौरभ चतुर्वेदी, संदीप चतुर्वेदी, गीता चौहान, हौसला मिश्रा, अभिषेक गोयल, विमल गुड़िया, हरीश कुमार सिंह एडवोकेट, शैलेन्द्र मिश्रा एडवोकेट, उमेश जोशी एडवोकेट, सर्वेश शर्मा शशि, सर्वेश शर्मा पूर्व पार्षद मयंक शर्मा गौरव गर्ग समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं की परेशानियों को लेकर बार की आम सभा

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। बार एसोसिएशन द्वारा एक आम सभा की गई जिसकी अध्यक्षता बार अध्यक्ष गिरिजेश खुलवे व संचालन सचिव यशवंत सिंह चौहान ने किया। आम सभा का मुख्य उद्देश्य अधिवक्ताओं के सम्मुख आने वाली विभिन्न परेशानियों व चुनौतियों का निराकरण किस प्रकार हो तथा विधि व्यवसाय में नए अधिवक्ताओं के समक्ष आने वाली परेशानियां पर चर्चा करना था। इस मौके पर बोलते हुए अध्यक्ष गिरिजेश खुलवे ने कहा कि हमारी कार्यकारिणी सदैव अधिवक्ता हित के लिए प्रयासरत है सचिव यशवंत सिंह चौहान ने कहा कि हमारी कार्यकारिणी का मुख्य उद्देश्य नए अधिवक्ताओं के सामने आने वाली चुनौतियों को दूर करना है तथा बार एसोसिएशन काशीपुर की ऐतिहासिकता को बनाए रखना है। इस मौके पर कई अधिवक्ताओं ने अपने विचार रखे। आमसभा में उपाध्यक्ष विद्युशेखर शर्मा, उपसचिव अंकित चौधरी, कोषाध्यक्ष बीसी नौटियाल, आय व्यय निरीक्षक गौरव मेहरोत्रा, पुस्तकालय अध्यक्ष राकेश प्रजापति, संदीप सहगल, शैलेंद्र कुमार मिश्रा, आनंद रस्तोगी, गोपाल कृष्ण, धर्मेंद्र तुली, मुजीब अहमद, भास्कर त्यागी, देवांग मिश्रा, जितेंद्र कुमार, अब्दुल रशीद नस्तर, वीरेंद्र कुमार चौहान, कश्मीर सिंह, इंदर सिंह समेत तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

एक नजर

जीवित को मृत दिखा संपत्ति हड़पने का आरोप

अल्मोड़ा। जीवित को मृत घोषित कर लाखों रुपये की संपत्ति हड़पने का एक मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार लाल सिंह, निवासी शिवलालपुर लामाचौड़, हल्द्वानी निवासी ने सोमेश्वर थाने में एक तहरीर सौंपी। तहरीर में कहा कि उनका भाई किशन सिंह बोरा 1994 से मुंबई में रहता था। वर्ष 2005 में वह संदिग्ध परिस्थिति में लापता हो गया था। इस संबंध उनकी ओर से थाना बीपी रोड मुंबई में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। जिसकी जांच अब भी जारी है। कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि उनका भाई जिंदा है और दुर्गम स्थल के मंदिर में साधु बनकर रह रहा है। आरोप लगाया कि गांव के ही महेश बोरा ने वर्ष 2022 में भाई का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बना लिया। फर्जी दस्तावेज तैयार कर कैनरा बैंक चनौदा से लाखों रुपये और भाई संपत्ति को हड़प लिया। उन्होंने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इधर, कोतवाल मदन मोहन जोशी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमे की कार्रवाई कर जांच शुरू कर दी है।

डंपर की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में शनिवार का दिन हादसों भरा रहा। बाड़ेछीना मोटर मार्ग पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। डंपर की चपेट में आने से स्कूटी सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी अनुसार अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ हाइवे के बाड़ेछीना के बद बैंड के पास स्कूटी सवार युवक डंपर को ओवर टेक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान युवक डंपर के पिछले पहिए के चपेट में आ गया। जिससे स्कूटी चालक कमलेश सिंह भंडारी पुत्र मोहन सिंह भंडारी निवासी खोल्टा की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची धौलछीना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष सुनील सिंह बिष्ट ने बताया कि डंपर चालक को हिरासत में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है। इधर, घटना के बाद मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

काशीपुर के मेन मार्केट से बाइक चोरी

काशीपुर। मुख्य बाजार से अज्ञात चोर एक युवक की बाइक चोरी कर ले गये। चोरी की उक्त वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरें में कैद हो गई। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर सौंपकर बाइक बरामद करने की गुहार लगाई है। पुलिस फुटेज व तहरीर के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी है। मौहल्ला अल्ली खां निवासी अरमान पुत्र तलीफ ने बांसफोड़ान चौकी पुलिस को दी तहरीर में बताया कि अपनी बाइक संख्या यूके 18-1982 से बीती 30 जनवरी की सांय 5 बजे वह बूरा बताशा वाली गली में परफ्यूम लेने के लिए गया था जैसे ही वह दुकान से परफ्यूम लेकर आया तो बाइक वहां पर नही थी। जिसे अज्ञात चोर चोरी कर ले गये। पीड़ित ने बताया कि उसने पास लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किये तो उसकी बाइक को दो अज्ञात चोर चोरी कर ले जा रहे थे। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर व फुटेज देकर कार्यवाही की मांग की है। पुलिस तहरीर के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी है।

बजट पूरी तरह फेल: अलका पाल

काशीपुर। महानगर कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष अलका पाल ने कहा कि केंद्र

द्वारा प्रस्तुत 2027 बजट पूरी तरह से फेलियर है। इस बजट में पिछड़ों, दलितों, वंचितों, आदिवासियों-युवाओं और महिला सशक्तिकरण के लिए के लिए कोई भी विशेष पैकेज नहीं रखा गया है। उत्तराखंड के लिए किसी भी नई ट्रेन योजना को घोषित न कर उत्तराखंड विरोधी सोच को दर्शाया है। सिलेंडर और खाद्यान्न पदार्थों पर गुमराह कर आंकड़ों की बाजीगरी में बजट को प्रस्तुत किया गया। मुंगेरीलाल के हसीन सपने दिखाकर मोदी सरकार देश की जनता को एक बार फिर गुमराह करने की कोशिश कर रही है।

बजट आम जनता की अपेक्षाओं के विपरीत: भोज

अल्मोड़ा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने रविवार को पेश किए गए केंद्रीय बजट पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे आम जनता की

अपेक्षाओं के विपरीत बताया। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की बदहाली जैसे गंभीर मुद्दों पर सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है और केवल आंकड़ों के सहारे बजट को आकर्षक बनाने का प्रयास किया गया है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बजट में युवाओं के लिए रोजगार के स्पष्ट अवसर, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी तथा गरीब व मध्यम वर्ग को राहत देने वाले प्रावधानों का अभाव है। मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना की अनदेखी से ग्रामीण भारत की समस्याओं के प्रति सरकार की उदासीनता उजागर होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बजट बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने वाला है।

कांग्रेसी नेता रमेश सहगल के निधन पर शोक

काशीपुर। कांग्रेस नेता संदीप सहगल के पिता रमेश सहगल का आज यहाँ एक निजी अस्पताल में हृदय गति रूकने से निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से शहर में शोक की लहर दौड़ गई है। रमेश सहगल के निधन की सूचना मिलते ही कांग्रेस पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों ने गहरा दु:ख व्यक्त किया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि रमेश सहगल एक सरल, मिलनसार और सामाजिक सरोकारों से जुड़े व्यक्तित्व थे, जिनका समाज में विशेष सम्मान था। उनके निधन को शहर के लिए अपूरणीय क्षति बताया गया है। उधर जनजीवन उत्थान समिति द्वारा शोकसभा कर रमेश चंद्र सहगल के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया गया और 2 मिनट का मौन रखकर परमपिता परमेश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। शोक सभा में समिति अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार मिश्रा एडवोकेट, विवेक कुमार मिश्रा एडवोकेट, भास्कर त्यागी एडवोकेट, देवांग मिश्रा एडवोकेट, राम शर्मा एडवोकेट, शालिनी मिश्रा एडवोकेट आदि लोग मौजूद थे।

कोर्ट के आदेश पर अज्ञात ट्रैक्टर चालक पर मुकदमा

काशीपुर। सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत के मामले में कुंडा पुलिस की सुस्ती उजागर हुई है। हादसे के करीब चार माह बाद अब जाकर कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जसपुर के कलियावाला निवासी सरजीत कौर पत्नी स्व. जसवंत सिंह ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बीती 20 सितंबर की रात करीब 8.30 बजे उसके पति हल्दुआ से पैदल अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वह गोविंदपुर स्थित अमृत होटल से कुछ आगे पहुंचे, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर के अज्ञात चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि जसवंत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। पीड़िता ने घटना की सूचना तत्काल कुंडा पुलिस को दी और तहरीर भी सौंपी, लेकिन पुलिस ने मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। न्याय न मिलने पर पीड़िता को कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। कोर्ट के आदेश के बाद कुंडा पुलिस ने अब अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। चार माह की देरी ने एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अफ्रीका से आए 10 वर्षीय बालक का सफल इलाज

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। 10 वर्षीय बच्चा, जो जन्मजात बीमारी आर्थ्रोग्रिपोसिस मल्टीप्लेक्स कंजनाइटल से पीड़ित था, अब अपने पैरों पर खड़ा हो सकेगा। यह बच्चा घाना से इलाज के लिए भारत आया था। चिकित्सकों ने बताया कि एडवांस्ड कंप्यूटर गाइडेड टेक्नोलॉजी से इस बच्चे का इलाज किया गया, जिससे उसकी विकृतियों को सुधारा गया। डा. बीएस मूर्ति की अगुवाई में विशेषज्ञों की टीम ने बाएं घुटने की 100 डिग्री की विकृति और क्लब फुट को ठीक किया। दिल्ली एनसीआर में यह पहला अवसर है जब इस तरह की बीमारी का इलाज इस तकनीक से किया गया। चिकित्सकों का कहना है कि अब घुटने की विकृति को 100 डिग्री से 5 डिग्री तक ठीक करने की योजना बनाई गई है। डा. गगन कपूर, डा. शालिनी, और अन्य विशेषज्ञों की मदद से बालक को उम्मीद है कि वह जल्द ही सामान्य बच्चों की तरह चल पाएगा।

लक्ष्मण सिंह ऐठानी ने जीता स्वर्ण पदक

अल्मोड़ा। 92 वर्षीय लक्ष्मण सिंह ऐठानी ने राष्ट्रीय सीनियर चौम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर विभिन्न संगठनों के सदस्यों और लोगों ने खुशी जताई है। डे-केयर संस्था अल्मोड़ा के संरक्षक और गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन के सलाहकार और मुख्य शिक्षा अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त लक्ष्मण सिंह ऐठानी ने अजमेर राजस्थान में हो रही सातवीं राष्ट्रीय सीनियर प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। चैम्पियनशिप के शॉट पुट थ्रो इवेंट में स्वर्ण पदक जीत लिया है। उन्होंने उत्तराखंड के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले भी उन्होंने देहरादून में राज्य स्तरीय खेल की विभिन्न प्रतियोगिताओं में एक स्वर्ण समेत तीन पदक जीते थे।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। आर्या सिस्टर्स द्वारा दिसंबर से आयोजित किया गया शीतकालीन (विंटर) कैंप का समापन समारोह रविवार को हर्षोल्लास संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डा. यशोदा कार्की, भूमिका पन्त एवं यशराज उपस्थित रहे। इससे पूर्व समारोह का शुभारंभ बच्चों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से किया गया जिसके माध्यम से अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात बच्चों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने अपने संबोधन में बच्चों के आत्मविश्वास, अनुशासन एवं रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए ऐसे आयोजनों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम का समापन प्रेरणादायी संदेश एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ सफलतापूर्वक किया गया।इस अवसर पर पूजा आर्या, मोनिका आर्या, दिया आर्या एवं उल्का परिदा की गरिमामयी उपस्थिति रही। आर्या सिस्टर्स की ओर से बताया गया कि इस सफल आयोजन में उनके माता हरकी देवी एवं पिता अवतारी राम का पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ जिसके लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया।

कीटों का प्रबंधन, कटाई के बाद की तकनीक बताई

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने पर्वतीय क्षेत्रों की खेती को लाभकारी बनाने के गुर सिखाए। संस्थान में 'कटाई-उपरांत प्रौद्योगिकी व कृषि उद्यम विकास' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। प्रशिक्षक के दौरान संस्थान के निदेशक डा. लक्ष्मी कांत के निर्देशन में हुए प्रशिक्षण में कृषि को उद्यमिता से जोड़कर आय बढ़ाने को प्रेरित किया गया। वैज्ञानिक भंडारण, कीट प्रबंधन, कटाई-उपरांत प्रौद्योगिकी, कठिन श्रम प्रबंधन के गुर सिखाए। मंडुआ थ्रेशिंग तकनीक, सोयाबीन व भट से टोफू और दूध बनाने, आटा चक्की के संचालन, मशीनों की सफाई व रख-रखाव का भी प्रशिक्षण दिया।

आगजनी से प्रभावित परिवारों की मदद

शाह टाइम्स संवाददाता

शांतिपुरी। कुछ दिन पूर्व आगजनी से 6 परिवारों के आशियाने जल गए थे जिसकी सूचना मिलने पर जिला पंचायत सदस्य प्रेम आर्या व समाजसेवी चंचल कोरंगा ने सेंचुरी पेपरमिल के माध्यम से बीते दिनों गडरिया ग्राम सभा के पीको में आगजनी से प्रभावित छः मजदूरों के आशियाने बनाने के लिये सेंचुरी मील के माध्यम से 42 टिन, आर्थिक सहायता राशि, राशन, कपड़े मदद रूप में दिए। इसके साथ ही शांतिपुरी नं. 4 के ग्रामीणों ने बच्चों के लिये कॉपी किताब व पेन भी दिये। जिला पंचायत सदस्य प्रेम आर्या ने बताया कि उन्होंने सेंचुरी पेपर मिल लालकुआं अधिकारी नरेश चंद्रा से सम्पर्क कर मजदूरों की झोपड़ी जलने व उनकी आर्थिक स्थिति से अवगत किया। जिस पर नरेश चंद्रा ने मजदूरों की झोपडी के लिये 42 टीन की व्यवस्था हेतु आर्थिक मदद की। इसके अलावा पूर्व जिलापंचायत सदस्य विनोद कोरंगा ने ग्रामीणों को अपनी युवा टीम के सहयोग से अग्नि पीड़ितों को राशन, कपड़े, रजाई, गद्दे एवं दैनिक जरूरत की चीजें बांटी।

केक काटकर मनाया किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ जन्मदिन

शाह टाइम्स संवाददाता

शांतिपुरी। शांतिपुरी एवं जवाहरनगर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने रविवार प्रात्त 10 बजे कामधेनु दुग्ध समिति शांतिपुरी नंबर दो में सामूहिक रूप से अपने प्रिय नेता विधायक तिलक राज बेहड़ का 69 वां जन्म दिवस केक काट कर मनाया। इस अवसर पर अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद शर्मा, युवा कांग्रेसी नेता बिशन सिंह कोरंगा तथा वरिष्ठ कांग्रेसी जय दत्त जोशी ने सामूहिक रूप से केक काटकर परस्पर एक दूसरे को खिलाया और अपने नेता तिलक राज बेहड़ की दीर्घायु एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। वक्ताओं ने विधायक बेहड़ को विकास पुरूष बताया और क्षेत्र के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सराहा। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य प्रेम आर्या, हेम सिंह नेगी, सैनिक संगठन अध्यक्ष लाल सिंह कोरंगा, देवेंद्र सिंह कोरंगा, कल्याण सिंह मटियानी, कविदत पांडे, बंसी मिश्रा, गांधी स्मारक निधि के प्रबंधक राज किरन तिवारी, मोहन प्रसाद, ओमप्रकाश आर्य, चंदन सिंह बिष्ट, नंदन सिंह दानू, मोहन सिंह कोरंगा, चंचल सिंह कोरंगा, हरीश पांडे, सोनू कार्की, मोहन सिंह कोरंगा, सुनीता राणा, संजय उपाध्याय, गुड्डू पाण्डे, गोविन्द प्रसाद मिश्रा, व विजय जोशी समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मैन्युफैक्चरिंग में हल्का 'पुश', पर आम आदमी को राहत नहीं

केन्द्रीय बजट पर एक्सपर्ट्स की प्रतिक्रिया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। देश में आज कई गंभीर आर्थिक चुनौतियाँ हैं। एक तरफ फिस्कल डेफिसिट बढ़ रहा है, दूसरी तरफ रुपये का अवमूल्यन केवल डॉलर के मुकाबले ऐतिहासिक गिरावट तक सीमित नहीं है, बल्कि एशिया के अन्य देशों की तुलना में भी हमारे रुपये का अवमूल्यन हुआ है। शेयर बाजार की स्थिति भी अनुकूल नहीं है और जीडीपी की चर्चा में अब गंभीरता नहीं रही। ऐसे में निर्यात बढ़ाना और अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मानकों तक पहुँचाना एक बड़ी चुनौती है। भारत में मेक इन इंडिया अब 'असेंबलिंग इन इंडिया' में तब्दील हो गया है। हमें चीन से सीख लेने की जरूरत है। यहाँ विकेंद्रीकरण की सख्त जरूरत है, न कि कुछ चुनिंदा कारपोरेट्स पर निर्भर रहने की।

इसके बजाय उस भारतीय दर्शन को व्यवहार में लागू करना होगा, जहाँ 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' वाला लोकतांत्रिक दृष्टिकोण निहित है। 'आउट ऑफ बॉक्स' सोच केवल मेक इन इंडिया या विकसित भारत जैसे सैद्धांतिक मंत्रों तक सीमित न रहे, बल्कि विकास को धरातल तक पहुँचाया जाए। सरकार के इस बजट में निर्माण क्षेत्र के लिए कुछ घोषणाएं की गई हैं, जिन पर नजर रखने की आवश्यकता है। बजट भाषण में कहा गया कि 'इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स विनिर्माण योजना (22,919 करोड़) में लक्षित से दोगुना निवेश प्राप्त हुआ है तथा परिव्यय बढ़ाकर 40,000 करोड़ किया जाएगा। अब देखने वाली बात यह है कि यह आवंटित धनराशि अनुसंधान, शोध और वास्तविक विनिर्माण को बढ़ाने में उपयोग होती है या केवल असेंबलिंग तक सीमित रह जाती है। इसी प्रकार, बायोफार्मा विनिर्माण केंद्र बनाने हेतु अगले पाँच वर्षों में 10,000 करोड़ के परिव्यय से बायोफार्मा शक्ति योजना प्रस्तावित है। प्रत्यक्ष कर के रूप में सबसे अधिक कर देने वाला वर्ग जो कुल बजट व्यय में लगभग 20 प्रतिशत तक योगदान देता है। खासकर वेतनभोगी वर्ग। इसके बदले शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा आज भी उसके लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य की सुरक्षा चिंताजनक है। आज वेतनभोगी वर्ग के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि अपनी बचत का निवेश कहाँ किया जाए। सरकार हर क्षेत्र में डी-रेगुलेशन की बात करती है, पर निजी क्षेत्र पर नियंत्रण की कोई प्रभावी नीति दिखाई नहीं देती। बजट में कुछ बीमारियों की दवाओं को सस्ता करने का प्रावधान किया गया है। बायोफार्मा क्षेत्र पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, यह भविष्य तय करेगा। पिछले वर्ष टैक्स स्लैब में 12 लाख तक की वृद्धि के बाद इस वर्ष स्लैब में बदलाव की उम्मीद कम ही थी, और इस वर्ग के लिए इस बजट में भी कुछ खास नहीं है। सरकार वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की बात करती रही है, पर बेस ईयर की आय का कोई स्पष्ट मापदंड और रोडमैप कहीं दिखाई नहीं देता। हालांकि किसान निधि से कुछ राहत अवश्य मिली होगी। अप्रत्यक्ष कर यानी जीएसटी के रूप में रिकॉर्ड तोड़ संग्रह में छोटे व्यापारियों की बड़ी भूमिका रही है। इसके बदले सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि व्यापारियों पर विभागीय दबाव न बढ़े, इंस्पेक्टर राज की पुनरावृत्ति न हो और छोटे-छोटे अनुपालनों पर कठोर दंड व पेनल्टी से राहत मिले। जीएसटी सरलीकरण की आवश्यकता आज भी बनी हुई है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता रिटेल सेक्टर में अत्यधिक डी-रेगुलेशन को हतोत्साहित करने और भारत के स्ट्रीट वेंडर्स को बचाने की है, क्योंकि यही देश का एक बड़ा रोजगार मॉडल है।

सरोज आनंद जोशी, सीए

उत्तराखंड के लिए संभावनाएं

जैविक दवाओं के क्षेत्र में 10,000 करोड़ का बजट आवंटन किया गया है। इससे उत्तराखंड के उद्यमियों, विशेषकर जड़ी-बूटी के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों को लाभ मिल सकता है। वस्त्र, हथकरघा और उद्योगों पर सरकार ने विशेष जोर देने की बात कही है, जिसकी संभावनाएं उत्तराखंड में विकसित की जा सकती हैं। भेड़-पालन से जुड़े लोगों को भी इसका लाभ मिल सकता है। पिछले वर्षों में उत्तराखंड में सोलर सिस्टम पर कार्य प्रारंभ हुआ है। इस बजट में सोलर सिस्टम में लगने वाले कल-पुर्जों को सस्ता करने की घोषणा की गई है, जिससे यह उद्योग और गति पकड़ेगा। उत्तराखंड, विशेषकर पिथौरागढ़ ने बॉक्सिंग और तीरंदाजी जैसे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस बजट में खेलो इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से खेल प्रतिभाओं के व्यवस्थित विकास को प्रोत्साहित किया गया है। केवल खिलाड़ियों को ही नहीं, बल्कि उत्तराखंड सरकार को भी इस योजना पर विशेष फोकस करना चाहिए।

दवाएं सस्ती होने से आम आदमी को मिलेगी राहत: जोशी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रदेश सह संयोजक देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल (चिकित्सा प्रकोष्ठ) के प्रदेश सह संयोजक यमुना दत्त जोशी ने केन्द्रीय बजट-2026 पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि बजट में दवाओं की कीमतों में कमी को एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा सकता है। विशेष रूप से तब, जब देश की बड़ी आबादी चिकित्सा सेवाओं और दवाओं की महंगाई से जूझ रही है। उन्होने कहा कि दवाएं सस्ती होने से आम आदमी को स्वास्थ्य सेवा तक बेहतर पहुंच मिल सकेगी, और यह सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की प्रभावशीलता को भी बढ़ा सकता है। हालांकि, यह राहत केवल तब ही वास्तविक प्रभाव डाल पाएगी जब दवाओं की सस्ती कीमतें व्यापक रूप से उन लोगों तक पहुँचें जो पहले भी इलाज की लागत वहन करने में सक्षम नहीं थे। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि यह निर्णय उन कंपनियों और खुदरा विक्रेताओं द्वारा लागू किया जाए जो दवाओं की वास्तविक कीमतों में कटौती करें, न कि सिर्फ नाममात्र की छूट दी जाए। इसके अतिरिक्त, दवाओं की सस्ती कीमतों के साथ-साथ, सरकार को सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में भी सुधार लाने की आवश्यकता है।

आम करदाताओं को नहीं मिली तात्कालिक राहत: मज़हर अली

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कर सलाहकार अधिवक्ता मज़हर अली ने केन्द्रीय बजट पर प्रतिक्रिया दी है। अपनी प्रतिक्रिया में मज़हर अली का कहना है कि केंद्रीय बजट 2026 में आयकर के टैक्स स्लैब में कोई परिवर्तन नहीं किया गया, जिससे आम करदाताओं को तात्कालिक राहत नहीं मिली। इसके बावजूद, 1 अप्रैल 2026 से नए आयकर कानून के लागू होने की घोषणा कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और करदाता-अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बजट में ईमानदार करदाताओं को सुविधा देने, अनावश्यक नोटिस, पेनल्टी और मुकदमों को कम करने पर विशेष ज़ोर दिया गया है। छोटे और तकनीकी मामलों में कठोर कार्रवाई से बचने की नीति करदाता विश्वास को मज़बूत करेगी। कुल मिलाकर, आयकर के क्षेत्र में यह बजट अल्पकालिक राहत की अपेक्षा दीर्घकालिक और संरचनात्मक सुधारों पर केंद्रित है।

उत्तराखंड के विकास को मिलेगी नई गति: राजीव घई

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किये गये बजट पर केडीएफ व उत्तरांचल पंजाबी महासभा के अध्यक्ष राजीव घई ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इस बजट को संतुलित, संवेदनशील एवं दूरदर्शी बजट बताया, जो देश के साथ-साथ उत्तराखंड राज्य के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस बजट में पर्यटन को प्राथमिकता देते हुए नई योजनाओं की शुरुआत की गई है, जिससे देवभूमि उत्तराखंड में पर्यटन गतिविधियों को व्यापक प्रोत्साहन मिलेगा।

विशेष रूप से मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने की घोषणाओं से उत्तराखंड को दीर्घकालीन लाभ अवश्य मिलेगा, क्योंकि राज्य में प्राकृतिक वातावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। बजट में मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेक्सटाइल सेक्टर को प्रोत्साहित करने की योजनाओं से उत्तराखंड के उद्योगपतियों एवं निवेशकों को बड़ा लाभ होगा। इससे राज्य में नए उद्योगों की स्थापना, रोजगार सृजन एवं आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। लगभग 5.68 लाख करोड़ के डिफेंस बजट से जहां राष्ट्रीय सुरक्षा सुदृढ़ होगी, वहीं इससे जुड़ी सहायक इकाइयों एवं रोजगार के अवसरों का लाभ भी राज्यों को मिलेगा। इसके साथ ही इनकम टैक्स प्रणाली को सरल बनाए जाने से मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी और उपभोग क्षमता में वृद्धि होगी। बजट में कैपेक्स के माध्यम से 12 लाख करोड़ से अधिक का निवेश इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में प्रस्तावित है। जिससे सड़क, रेल, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक ढांचे को मजबूती मिलेगी।

आम जनता के लिए निराशा लेकर आया बजट: उपाध्याय

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड कांग्रेस के प्रवक्ता डा. गणेश उपाध्याय ने देश के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रस्तुत बजट देश के विकास की बात तो करता है, लेकिन यह आम जनमानस की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा नहीं उतरता। जनता को उम्मीद थी कि इस बार का बजट उनके रोजमर्रा के संघर्षों को कम करेगा, महंगाई से राहत देगा, आय बढ़ाएगा और टैक्स का बोझ घटाएगा, लेकिन ऐसा कुछ भी स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता। डा. उपाध्याय ने कहा कि सबसे बड़ी कमी यह है कि मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को आयकर में कोई बड़ी राहत नहीं मिली। आज का आम आदमी महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और घर के खर्चों से पहले ही दबा हुआ है, और ऐसे समय में टैक्स राहत की आवश्यकता थी। इसके साथ ही उन्होंने बेरोजगारी को देश की सबसे बड़ी समस्या बताया और कहा कि बजट में रोजगार बढ़ाने की बातें तो की गई हैं, लेकिन इसका तुरंत असर डालने वाली कोई ठोस योजना नजर नहीं आती। युवा वर्ग को उम्मीद थी कि उनके भविष्य के लिए सरकार मजबूत कदम उठाएगी, लेकिन बजट में इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं दिखे। ग्रामीण भारत के संदर्भ में उन्होंने कहा कि किसानों और मजदूरों की आय बढ़ाने के लिए और साहसी निर्णयों की आवश्यकता थी। डा. उपाध्याय ने यह भी कहा कि ग्गाँव मजबूत होंगे, तभी देश मजबूत होगा।

केंद्रीय बजट को लेकर लोगों की आई मिली-जुली प्रतिक्रिया, कांग्रेस ने साधा निशाना तो भाजपा की तारीफ

किसी ने कहा बेहतर तो कोई बोला आम आदमी के लिए कुछ नहीं

हल्द्वानी (शाह टाइम्स ब्यूरो)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का आर्थिक बजट-2026 पेश कर दिया है। केंद्र सरकार की ओर से बजट को आम आदमी, महिलाओं, किसानों और युवाओं पर फोकस बताया जा रहा है। आम आदमी को उम्मीद थी कि बड़े ऐलान हो सकते है और उन्हें बड़ी राहत दी जा सकती है। पिछले बजट में नए इनकम टैक्स रिजीम के तहत आम टैक्सपेयर्स को 12 लाख रुपये तक की सालाना कमाई पर जीरो टैक्स का ऐलान किया गया था, जिसकी लिमिट बढ़ाकर इस बार 14 लाख रुपये तक किए जाने की उम्मीद थी, लेकिन सरकार ने इसमें कोई बदलाव नहीं किया। हालांकि विदेश यात्रा और शिक्षा पर लगने वाले टीसीएस की दरों में कटौती कर मध्यम वर्ग को खुश करने की कोशिश बजट में की गई है। वही चमड़े के उत्पाद, कपड़ा का निर्यात, माइक्रोवेव, सोलर एनर्जी से संबंधित चीजें और कैंसर की दवाएं, सीएनजी और बायोगैस सस्ती हुई हैं। वहीं, शराब, स्क्रैप और खनिज महंगे हो जाएंगे। बजट पर राजनीतिक दलों, व्यापारियों, किसानों और लोगों ने मिली जुली प्रतिक्रिया दी है। भाजपा ने जहां इसे आम आदमी का बजट करार दिया है तो वही कांग्रेस ने इसे निराशाजनक बजट बताया है।

विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम: भगत

हल्द्वानी। भाजपा विधायक बंशीधर भगत ने केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे विकसित भारत/2047 के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट युवा शक्ति से प्रेरित है और आर्थिक विकास को तेज करने, युवाओं की क्षमताओं के निर्माण तथा समावेशी विकास जैसे तीन प्रमुख कर्तव्यों पर आधारित है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए शी मार्ट्स, लखपति दीदी योजना का विस्तार और हर जिले में लड़कियों के लिए स्टेम हॉस्टल खोलने की योजना को उन्होंने सराहनीय बताया। दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांग कौशल और दिव्यांग सहारा योजनाओं से उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया गया है। युवाओं के लिए खेलो इंडिया, कंटेंट क्रिएटर लैब्स, गाइड्स अपस्किलिंग जैसी योजनाओं के साथ सेमीकंडक्टर, एआई जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। भगत ने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग तक विकास के लाभ पहुंचाने वाला है और विकसित भारत के संकल्प को मजबूती देता है।

स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जोर देता है बजट: मेयर

हल्द्वानी। रविवार को नगर निगम सभागार में संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बजट-2026 पेश करते हुए की गई घोषणाओं को सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर मेयर गजराज बिष्ट ने बताया कि वित्त मंत्री ने बजट में तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने की घोषणा की, साथ ही मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पांच मेडिकल हब बनाने की बात कही। इसके अलावा कैंसर की 17 दवाओं पर आयात शुल्क हटाने और हीमोफिलिया, सिकल सेल, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी सात दुर्लभ बीमारियों की दवाइयों को ड्यूटी फ्री करने का निर्णय लिया गया। 15,000 सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स स्थापित किए जाएंगे, और लगभग 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनाए जाएंगे। मेयर ने कहा कि यह बजट स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जोर देता है, और मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, विधायक डा. मोहन बिष्ट, राज्य मंत्री नवीन वर्मा, जिला महामंत्री विनीत अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री युवा मोर्चा दीपेन्द्र कोश्यारी, प्रदेश मंत्री विजयालक्ष्मी चौहान, जिला उपाध्यक्ष प्रतिभा जोशी, जिला मंत्री प्रताप रैकवाल, पंकज अधिकारी, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष नन्हे कश्यप, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कंचन उप्रेती, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष रविन्द्र बाली मौजूद रहे।

उत्तराखंड को मिली निराशा: सुमित

हल्द्वानी। आम बजट 2026 पर हल्द्वानी कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने कहा बजट कैसा है, इसका सबसे बड़ा मानक सेंसेक्स और निफ्टी जैसी मार्केट्स होती हैं। आज स्टॉक मार्केट, निफ्टी और सेंसेक्स में आई भारी गिरावट साफ दर्शाती है कि यह बजट पूरी तरह निराशाजनक है। यूचर ट्रेडिंग पर टैक्स लगाना सरकार की गंभीर भूल है। इसके ऐलान के साथ ही शेयर बाजार में गिरावट, सोना-चांदी के भावों में अचानक कमी ये सभी संकेत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय रुपये की वैल्यू पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाले हैं। उत्तराखंड जैसे आपदा-प्रभावित पहाड़ी राज्य के लिए किसी भी प्रकार का विशेष पैकेज न दिया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बेरोजगार युवाओं, महिलाओं और किसानों को इस बजट से कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। कुल मिलाकर यह बजट आम जनता की अपेक्षाओं के बिल्कुल विपरीत है और देश की अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता पैदा करता है।

उत्तराखंड आपदा ग्रस्त प्रदेश है यहां प्राकृतिक रूप से चुनौतियां से लोग जूझते है एक हिमालय व पर्वतीय प्रदेश होने के नाते उत्तराखंड को एक विशेष पैकेज की घोषणा की आवश्यकता थी जिस की यहां के पर्वतीय जिलों पर विकास हो सके जिस से पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिलता।

ललित कर्नाटक, अधिवक्ता

बजट सराहनीय: गुप्ता

हल्द्वानी। टैक्स बार एसोसिएशन हल्द्वानी के पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता सुमित गुप्ता ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट में डिफेंस बजट में बढ़ोतरी की है जो समय की आवश्यकता भी है। मोटर एक्सीडेंट क्लेम को आयकर में छूट का जो प्रावधान किया गया है वह सराहनीय है। आयकर में विभिन्न मामलों में सजा की बजाय पेनल्टी का प्रावधान किया गया है तथा लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने का प्रयास है।

टीसीएस में छूट राहत भरा कदम

हल्द्वानी। अधिवक्ता हृदयेश गुप्ता ने कहा कि बजट में स्वास्थ्य के साथ-साथ विदेशों में शिक्षा के लिए जो राहत दी गई है, वह प्रशंसनीय है। गंभीर बीमारियां कैंसर व शुगर की दवाई का सस्ता करना, विदेशों में शिक्षा के लिए टीसीएस को 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत करना व मान्यता प्राप्त संस्थान या बैंक से लोन लेकर पैसे को विदेश में भेजने पर टीसीएस से पूरी तरह से छूट देना सराहनीय है।

बजट ने प्रस्तुत किया स्पष्ट रोडमैप: कंचन

हल्द्वानी। महिला आयोग की सदस्य कंचन कश्यप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लगातार नौवां केंद्रीय बजट प्रस्तुत करने पर बधाई देते हुए कहा कि यह बजट देश को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि बजट में हाई स्पीड रेल कॉरिडोर, बायो-फार्मा सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये, कैंसर व शुगर जैसी गंभीर बीमारियों की दवाओं को सस्ता करने, बड़े टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना, महिलाओं के लिए प्रत्येक जिले में छात्रावास की व्यवस्था, स्वास्थ्य क्षेत्र में जिला अस्पतालों के सुधारीकरण, 20 नए जल मार्ग, केमिकल पार्क व खनिज कॉरिडोर, एसएमई के लिए 10 हजार करोड़ रुपये तथा महात्मा गांधी स्वरोजगार योजना जैसे प्रावधान भारत की आर्थिक मजबूती को नई गति देंगे। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत यह बजट युवा, किसान, बागवान, महिलाएं, व्यापारी, कर्मचारी, एसएमई और मध्यम वर्ग सहित समाज के हर वर्ग का संतुलित रूप से ख्याल रखने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार जनहितैषी फैसले ले रही है। बजट में मध्यम वर्ग के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को भी प्राथमिकता दी गई है। यह बजट देश के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने वाला है बजट: डा. प्रवीन्द्र

हल्द्वानी। सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य डा. प्रवींद्र रौतेला ने रविवार को प्रस्तुत केंद्रीय बजट में एनईपी 2020 की सोच और समग्र शिक्षा को आगे बढ़ावा देने वाला है देश भर के पंद्रह हजार स्कूलों में ए वी जी सी प्रयोगशाला बनाने का निर्णय, पूर्वी भारत में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान का निर्माण, शिक्षा से रोजगार व उद्यम का प्रस्ताव, छात्राओं के लिए नए छात्रावासों का निर्माण सकारात्मक कदम हैं। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान, स्टेम एजुकेशन, शिक्षा के लिए विदेश जाने पर टैक्स की कमी किया जाना सरकार की ओर से शिक्षा क्षेत्र के लिए अच्छा संकेत है

जनता पर बोझ बढ़ाने वाला है बजट: डा. पाण्डेय

हल्द्वानी। केंद्रीय बजट-2026 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाकपा माले के जिला सचिव डा. कैलाश पाण्डेय ने इसे नवउदारवादी दृष्टिकोण पर आधारित बताते हुए कहा कि यह बजट अमीरों और बड़े कॉरपोरेट्स को प्रोत्साहन देने वाला है, जबकि आम जनता पर बोझ बढ़ा रहा है। कहा कि पिछले एक दशक में कॉरपोरेट टैक्स में कटौती के बावजूद निजी निवेश और रोजगार सृजन में कोई सुधार नहीं हुआ है। बजट में सामाजिक क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के लिए पर्याप्त आवंटन नहीं किया गया, जबकि कृषि क्षेत्र के लिए भी कोई ठोस उपाय नहीं हैं। यह बजट गरीबी को समाप्त करने की बजाय उसे प्रबंधित करने की नीति अपनाता है और जनकल्याण के बजाय कॉरपोरेट मुनाफे को बढ़ावा देता है। इस बजट को असमानता को स्वीकार्य मानते हुए देश को जन-केंद्रित बजट की आवश्यकता पर जोर दिया।

बजट में उम्मीद थी कि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाएगा जिससे कि ट्रांसपोर्ट व्यवसाईयों को राहत मिल सके, इससे थोड़ी मायूसी हुई, इलेक्ट्रिक वाहनों के कलपुर्जे सस्ते किए गए इसका स्वागत करते है।

हरजीत सिंह चड्ढा (प्रवक्ता) ट्रांसपोर्ट महासंघ

झारखण्ड के मोबाइल चोर गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। दो दिन पूर्व मंगलपड़ाव सब्जी मंडी में खरीददारी करने पहुंची दो महिलाओं के मोबाइल फोन चोरी हो गए थे। शहर व सब्जी मंडी में लगे सीसीटीवी कैमरों में मोबाइल चोरी करने वाले झारखण्ड के दो शातिर चोरों कैद हो गए। पुलिस ने चोरी के मोबाइल सहित दो चोरों को भी दबोच लिया। दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार बीते दो दिन पूर्व बठौरिया, ऊंचापुल निवासी दीक्षा और सावित्री कालोनी कालाढूंगी रोड निवासी दुर्गा भोसले खरीददारी करने के बाजार आई हुई थी। मंगलपड़ाव सब्जी मंडी में शातिर चोरों ने दोनो महिलाओं के मोबाइल चुरा लिए थे। मोबाइल फोन चोरी की सूचना पीड़ित महिलाओं ने कोतवाली पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने तुरंत अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी। शहर व सब्जी मंडी में लगे सीसीटीवी कैमरों से शातिर चोर बच नहीं पाए और पुलिस की गिरफ्त में आ गए। पुलिस ने कैमरों से उनकी पहचान कर रविवार को मंडी बाईपास के पास से चोरी के मोबाइल सहित गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए शातिर चोरों ने अपना नाम सुजन मुखर्जी पुत्र रोहित मुखर्जी निवासी छोटा तितुलिया हाथीघर थाना तीन पहाड़ जिला साहिबगंज झारखण्ड, मन्नी नोनिया पुत्र भुवन नोनिया निवासी ग्राम बाओपुर थाना तीन पहाड़ जिला साहिबगंज झारखण्ड बताया। पुलिस ने दोनो शातिर चोरों के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया। टीम में एसआई गौरव जोशी, एसआई रविन्द्र राणा, कांस्टेबल संतोष बिष्ट, भूपाल मेहरा आदि मौजूद रहे।

स्मैक के बढ़ते कारोबार पर जताई चिंता

हल्द्वानी। चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर हल्द्वानी शहर में बढ़ते स्मैक और नशे के कारोबार पर गहरी चिंता व्यक्त की। ज्ञापन में कहा गया कि स्मैक का बढ़ता प्रचलन युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल रहा है, जिससे अभिभावक वर्ग अत्यधिक परेशान है। आंदोलनकारियों ने कहा कि नशे की लत के कारण सामाजिक वातावरण भी लगातार प्रभावित हो रहा है। राजेंद्र सिंह बिष्ट ने मांग की कि स्मैक और अन्य नशीले पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सरकार द्वारा विशेष फोर्स का गठन किया जाए, जिसका कार्य केवल नशे के तस्करों और कारोबारियों को पकड़ना हो।

ट्रांसपोर्ट कारोबारियों ने विधायक को सुनाया दुखड़ा

❐ प्राथमिकता से कराया जाएगा समस्याओं का समाधान: सुमित

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रविवार को शहर विधायक सुमित हृदयेश ट्रांसपोर्ट नगर पहुंचे, जहां उन्होंने ट्रांसपोर्ट नगर व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप सबरवाल के कार्यालय में ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्ट व्यापारी मौजूद रहे। साथ ही उन्होंने व्यापारियों के साथ टीपी नगर का निरीक्षण कर समस्याओं का जायजा लिया। इससे पहले बैठक के दौरान व्यापारियों ने ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं, दैनिक चुनौतियों और आवश्यकताओं को विधायक के सामने रखा। व्यापारियों ने वाहन पार्किंग की समस्या, संचालन में आ रही कठिनाइयों, बुनियादी सुविधाओं की कमी तथा ट्रांसपोर्ट नगर में लंबे समय से चली आ रही ड्रेनेज समस्या को प्रमुखता से उठाया। व्यापारियों का कहना था कि जलभराव और अव्यवस्थित नालियों के कारण आवागमन बाधित होता है जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। विधायक सुमित हृदयेश ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों से फोन पर वार्ता की और ड्रेनेज सहित अन्य समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने को कहा। विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि ट्रांसपोर्ट व्यवसाय क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनहित और व्यापार हित से जुड़े सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। कहा कि ट्रांसपोर्ट व्यापारियों के हितों की रक्षा एवं उनके साथ हर संभव सहयोग और समर्थन देना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। बैठक में खीमानंद शर्मा, इंदर भुटियानी, मंसूर खान, पंकज वोहरा, नफीस अहमद, चंद्रशेखर पांडेय, चंद्रशेखर भट्ट, शंकर भुटियानी, इमरान, संदीप महेश्वरी, लक्ष्मण नेगी, हरपाल सेठी, दया शर्मा आदि थे।

बिन्दुखत्ता: 18 फरवरी को महारैली और धरना का ऐलान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लालकुआं बिंदुखत्ता राजस्व गांव की अधिसूचना जारी करने की लंबित मांग को लेकर वन अधिकार समिति ने जोरदार तैयारी शुरू कर दी है। समिति ने हाटाग्राम बिंदुखत्ता क्षेत्र में सामाजिक कार्यकर्ता एवं छात्र नेता राजा धामी के आवास पर एक बड़ी बैठक आयोजित की, जिसमें सैकड़ों स्थानीय निवासियों, संगठनों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में आगामी 18 फरवरी 2026 को विशाल रैली और धरना प्रदर्शन करने का फैसला सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में उपस्थित लोगों ने इस कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग देने और जनसमर्थन जुटाने का वादा किया। यह रैली बिंदुखत्ता से लालकुआं तक निकाली जाएगी, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दल सहित जनसंगठन शामिल होंगे। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष अर्जुन नाथ गोस्वामी, पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष खिलाफ सिंह दानू, सचिव भुवन भट्ट, बसंत पांडे, भगवान सिंह धामी, श्याम सिंह रावत, राजा धामी, कुंदन सिंह चुफाल, भरत सिंह नेगी, कविराज धामी, गोविंद बल्लभ जोशी, प्रमोद कॉलोनी, कुंदन सिंह मेहता, नारायण सिंह कार्की, चन्दन सिंह राणा, सुनील यादव, भगवान सिंह गैढा, गोपाल सिंह, विनोद भट्ट, पूजा चिलवाल, विमला जोशी, मनीषा दानू आदि थे।

पुस्तक मेला 14 मार्च से

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। किताब कौतिक अभियान के तहत पंद्रहवां पुस्तक मेला द्वितीय हल्द्वानी किताब कौतिक आगामी 14 व 15 मार्च को पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच मैदान हीरानगर में आयोजित किया जाएगा। मेले में देशभर के 50 प्रकाशकों की करीब 80 हजार पुस्तकें पाठकों के अवलोकन और खरीद के लिए उपलब्ध रहेंगी। रविवार को मंच परिसर में इस आयोजन को लेकर एक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता रक्षा वैज्ञानिक एवं लेखक डा. संजीव जोशी ने की। कार्यक्रम संयोजक हेम पंत ने बताया कि अब तक उत्तराखंड में 14 किताब कौतिक आयोजित किए जा चुके है। इससे पहले मार्च 2024 में हल्द्वानी में इसका सफल आयोजन हुआ था। इस वर्ष आयोजन की थीम नशा मुक्त समाज और मानसिक स्वास्थ्य रखी गई है। मेले के दौरान साहित्यिक परिचर्चा, प्रसिद्ध लेखकों से संवाद, बच्चों के लिए विज्ञान कोना, नेचर वॉक, साहसिक खेल, सांस्कृतिक संध्या और हस्तशिल्प स्टॉल लगाए जाएंगे। स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रतियोगिताएं भी होंगी। 9 मार्च से 13 जून तक हल्द्वानी के विभिन्न विद्यालयों के बच्चे बाल प्रहरी बाल लेखन कार्यशाला में भाग लेंगे, जहां वे स्वयं हस्तलिखित पुस्तकें तैयार करेंगे। क्रिएटिव उत्तराखंड के अध्यक्ष दयाल पांडे ने बताया कि किताब कौतिक अभियान का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में पढ़ने-लिखने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। यह अभियान प्रदेश के नए पर्यटन स्थलों को भी पहचान दिला रहा है। पहला किताब कौतिक दिसंबर 2022 में टनकपुर में आयोजित किया गया था। इसके बाद बैजनाथ, चंपावत, पिथौरागढ़, द्वाराहाट, भीमताल, नानकमत्ता, रानीखेत, नई टिहरी, पंतनगर, गैरसैंण और डीडीहाट में आयोजन हो चुके है। बैठक में प्रो. प्रभात उप्रेती, पुष्कर भट्ट, अमिता पांडे, मंजू पांडे उदिता, भास्कर उप्रेती, मोहन जोशी, राजेंद्र ढेला, डीके पंत, अशोक उप्रेती, डा. ललित मोहन रखौलिया, अर्जुन बिष्ट, हरिहर लोहनी, राम लोहनी, नवनीत पाण्डेय, हिम्मत फर्स्वाण आदि थे।

हर्जाना देने के बाद खाता होल्ड कर पैसा फंसाया

हल्द्वानी। एक सड़क हादसे में दो कारों के बीच हुई भिड़ंत के बाद हर्जाने के रूप में 15 हजार रुपए का भुगतान करने वाले आरोपी ने बाद में बैंक में फोन कर खाते को होल्ड करा दिया। पीड़ित ने इस मामले की शिकायत एसएसपी से की दी। जानकारी के अनुसार पीड़ित राकेश गोस्वामी तल्ला कांडा, ढोलीगांव धारी नैनीताल निवासी ने एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी को शिकायती पत्र में कहा कि बीते 23 जनवरी को कोटला पट्टी पतलिया मुक्तेश्वर में एक कार ने गलत दिशा से आकर उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर मारने वाले व्यक्ति ने अपनी गलती मानते हुए राकेश के खाते में 15 हजार रुपए बतौर हर्जाना ट्रांसफर किए। लेकिन बाद में आरोपी ने बैंक में शिकायत की, कहकर कि गलती से भुगतान हो गया है, जिसके बाद बैंक ने राकेश के खाते को होल्ड कर दिया और सारा पैसा फंसा दिया। पीड़ित का आरोप है कि वह इस मामले को लेकर पुलिस के पास कई बार गया, लेकिन पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद परेशान होकर उन्होंने अब एसएसपी से इस मामले की शिकायत की है।

टैंकर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी। गोरापड़ाव क्षेत्र में एक व्यक्ति घर के बाहर बैठकर धूप सेंक रहा था तभी एक पानी के टैंकर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार गोरापड़ाव अर्जुनपुर निवासी बसंत कुमार ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा कि बीते 16 जनवरी को उनके पिता अम्बा राम घर के बाहर धूप सेंक रहे थे। इसी दौरान एक पानी का टैंकर वहां पहुंचा और उसने अम्बाराम को कुचल दिया। आनन फानन में उन्हें उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि पीड़ित परिवार की ओर से मिली तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चाकू से हमला करने वाला गिरफ्तार

हल्द्वानी। मंगलपड़ाव में मामूली बात पर चाकू से हमला करने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार पुलिस को सौंपी तहरीर में मंगलपड़ाव घास मंडी निवासी रोहन राजपूत ने कहा कि उनका भाई विनय राजपूत पुत्र स्व.गंगा राम सब्जी मंडी स्थित गौतम मोंगा की दुकान में काम करता है। बीती 30 जनवरी की सुबह करीब 11 बजे वह दुकान के सामने से अपनी स्कूटी हटा रहा था। तभी प्रमोद पुत्र रामदास निवासी राजपुर गाड़ी हटाने को लेकर बहस शुरू कर दी। प्रमोद के साथ दो से तीन लोग और थे। उक्त लोगों ने विनय के साथ मारपीट शुरू कर दी। विनय जान बचाकर दुकान के अंदर भागा तो आरोपी दुकान के अंदर घुस आए और दुकान से चाकू उठा कर विनय पर हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि घायल युवक के भाई की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया।

आत्मदर्शन से होगा सच्चा नारी सशक्तिकरण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा एमबी इंटर कालेज मैदान में आयोजित सात दिवसीय भगवान शिव कथा के चतुर्थ दिवस पर माता पार्वती का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालु भक्ति संगीत और जयकारों के बीच भाव-विभोर होकर झूमते हुए नजर आए। कथा के दौरान व्यास डा. सर्वेश्वर ने माता पार्वती के दिव्य जन्म की कथा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि महाराज हिमवान और महारानी मैना ने 27 वर्षों तक कठिन तपस्या कर आदिशक्ति जगदंबिका से पुत्री रूप में प्राप्त होने का वरदान मांगा था। उसी वरदान के फलस्वरूप माँ भवानी पार्वती के रूप में उनके घर कन्या के रूप में जन्मीं। डा. सर्वेश्वर ने भारतीय संस्कृति की महानता को उजागर करते हुए कहा कि प्राचीन काल में बेटी के जन्म के लिए वर्षों तक तपस्या की जाती थी, जो इस बात को दर्शाता है कि हमारे समाज में नारी का स्थान अत्यधिक सम्मानजनक था। उन्होंने वर्तमान समय में बेटी के जन्म पर चिंता और नारी के खिलाफ होने वाली शोषण की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। डा. सर्वेश्वर ने कहा नारी अबला नहीं, सबला है। उसे अपनी भीतर की दिव्य शक्ति को पहचानने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि बाहरी सौंदर्य सिर्फ क्षणिक होता है, असली सौंदर्य नारी की आत्मा में निहित है। ब्रह्मज्ञान के माध्यम से आत्मदर्शन प्राप्त कर नारी अपनी शक्ति को जाग्रत कर सकती है, जिससे समाज स्वयं उसकी पवित्रता और तेजस्विता के आगे नतमस्तक हो जाएगा। डा. सर्वेश्वर ने बताया कि दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान 'संतुलन' प्रकल्प के तहत नारी को आत्मदर्शन की ब्रह्मविद्या प्रदान कर उसे उसके वास्तविक स्थान पर प्रतिष्ठित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में नीरज शारदा, बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, शशि भूषण अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, जितेंद्र साहनी, राहुल, आनंद दरम्वाल, राजेश अग्रवाल, देवीलाल चौधरी, राहुल गुप्ता, ओमप्रकाश, पीयूष सिन्हा, राजेंद्र तुलस्यान, सौरभ सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

सीओ ने किया बनभूलपुरा कोतवाली का निरीक्षण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रविवर को सीओ अमित कुमार सैनी ने कोतवाली बनभूलपुरा का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी ने गार्द, थाना भवन, कार्यालय, बैरिकों एवं हवालात का निरीक्षण कर सफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके बाद भोजनालय का निरीक्षण किया और जवानों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। थाने के अभिलेखों एवं लंबित अभियोगों की समीक्षा करते हुए थाना कार्यालय में नियुक्त स्टाफ को अभिलेखों के उचित रखरखाव तथा विवेचना अधिकारियों को अभियोगों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण एवं कार्य प्रणाली में सुधार के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त सीसीटीएनएस सहित सभी ऑनलाइन पोर्टलों की समीक्षा की गई। प्रभारी निरीक्षक को संबंधित कार्यों को समय से अध्यावधिक करने के निर्देश दिए। माल मुकदमाती के पुलिंदों का मालखाना रजिस्टर से मिलान कर लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान असलहा, एम्युनेशन एवं म्यूनेशन की गिनती की गई तथा असलहा खोलने-जोड़ने का अभ्यास और साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही हेल्पडेस्क पर आने वाले आगंतुकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं शिकायतों पर की गई पुलिस कार्रवाई के संबंध में फीडबैक लेने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बनभूलपुरा थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह फर्त्याल, एसआई मनोज यादव सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

लालकुआं सीओ का एसपी विजिलेंस के पद पर तबादला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लालकुआं की पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) रहीं एसपी दीपशिखा अग्रवाल का तबादला पदोन्नति के बाद अब एसपी विजिलेंस के पद पर हो गया है। दीपशिखा ने अक्टूबर 2024 से जिले में अपनी सेवाएं शुरू की थीं, और इस दौरान उन्होंने क्षेत्राधिकारी लालकुआं और क्षेत्राधिकारी भवाली के रूप में कार्य किया। उनके विदाई समारोह में एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर एसपी डा. जगदीश चन्द्रा, एसपी मनोज कत्याल, एसपी दूरसंचार रेवाधर मठपाल, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, सीओ अमित कुमार सैनी, सीओ सुमित पांडे, सीएफओ गौरव किरार, प्रतिसार निरीक्षक हरकेश सिंह, एसएसआई मीना पांडे, थानाध्यक्ष काठगोदाम विमल मिश्रा सहित कई अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बजट से मध्यम वर्ग को मिलेगी बड़ी राहत

भाजपा जिला कार्यालय में 'बजट पर चर्चा' आयोजित, बजट की बारीकियों पर हुआ मंथन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 के प्रावधानों को आमजन तक पहुंचाने और इसकी बारीकियों को समझने के लिए रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में 'बजट पर चर्चा' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के इस ऐतिहासिक बजट का लाइव प्रसारण देखा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बजट को दूरदर्शी, समावेशी और मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देने वाला बताया।

इस अवसर पर विधायक शिव अरोरा ने कहा कि यह बजट केवल वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि जनकल्याण को समर्पित एक संकल्प पत्र है। उन्होंने बजट के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी जैसे 7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और 20 नए राष्ट्रीय जलमार्ग उत्तराखंड सहित पूरे देश के विकास को नई दिशा देंगे। विधायक ने विशेष रूप से हर जिले में गर्ल हॉस्टल और तीन नए एम्स की स्थापना के प्रस्ताव को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि 31 मार्च तक आईटीआर रिवाइज करने की सुविधा और टीसीएस दरों में कटौती से मध्यम वर्ग और व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है। भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में यह बजट किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 और टेक्सटाइल सेक्टर के लिए घोषित बूस्टर डोज आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करेगा।

महापौर विकास शर्मा ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि बायो-फार्मा शक्ति योजना के तहत 10 हजार करोड़ का प्रावधान कैंसर और शुगर जैसी बीमारियों के इलाज को सस्ता करेगा, जिससे गरीब परिवारों को संजीवनी मिलेगी। उन्होंने महिला उद्यमियों के लिए प्रस्तावित कम्युनिटी स्टोर को महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी कदम बताया। विकास शर्मा ने यह भी कहा कि बजट में पर्यावरण और पर्यटन का विशेष ध्यान रखा गया है, जिसके तहत उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में ईको-फ्रेंडली ट्रेल विकसित की जाएगी। यहां हिमांशु शुक्ला, तरुण दत्ता, उत्तम दत्ता, राजेश तिवारी, धीरेन्द्र मिश्रा, रश्मि रस्तोगी, रोशन अरोरा, प्रमोद मित्तल, विजय तोमर, मोर सिंह, सुरेंद्र चौधरी, अक्षय गहलोत, राजेश बजाज, बिट्टू चौहान, प्रीती धीर, स्वाति शर्मा, पिंकी चौवेंदी, गोविंद शर्मा, जितेंद्र संदू, रचित सिंह, रोहित भट्ट सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अवैध कच्ची शराब के साथ एक को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद ऊधम सिंह नगर द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक और सफलता मिली है।

पुलिस अधीक्षक काशीपुर एवं क्षेत्राधिकारी बाजपुर के निर्देशन तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बाजपुर व वरिष्ठ उप निरीक्षक के निकट पर्यवेक्षण में चौकी दोराहा पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई की गई। चौकी दोराहा पुलिस टीम ने हरलालपुर स्थित ट्यूबवेल के पास से एक अभियुक्त को अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान गुरमेल सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह, निवासी थारी कंदला, पोस्ट हल्दुवा, थाना रामनगर, जनपद नैनीताल के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक सफेद रंग के कट्टे में रखे 88 पाउच, जिनमें लगभग 40 लीटर अवैध कच्ची शराब (खाम) बरामद की है। अभियुक्त को मौके पर ही मय माल गिरफ्तार कर कोतवाली बाजपुर लाया गया। इस संबंध में आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत भी किया गया है। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम में उप निरीक्षक जगदीश तिवारी, अपर उप निरीक्षक सुनील कुमार, कांस्टेबल विजय पाल, कैलाश पांडे शामिल रहे।

एक नजर

भारतीय सेना से सेवानिवृत्त संजय मौर्य का नगर आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। नगर में उस समय हर्ष और गर्व का माहौल देखने को मिला जब भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होकर संजय मौर्य अपने गृह नगर पहुंचे। उनके नगर आगमन पर सभासद जॉनी मौर्य के नेतृत्व में नगरवासियों ने भव्य स्वागत किया।

स्वागत समारोह के दौरान संजय मौर्य के देशसेवा में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए उन्हें फूल-मालाओं से सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि संजय मौर्य जैसे सैनिक पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय हैं, जिन्होंने वर्षों तक देश की सेवा कर समाज और नगर का मान बढ़ाया है। सभी ने उनके स्वस्थ, सम्मानित और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। स्वागत करने वालों में हेमन्त मौर्य, उदल सिंह मौर्य, विजय प्रकाश, कपिल, मोनू, सचिन गुप्ता, कृष्ण कुमार, हेमन्त मौर्य, लक्ष्मण सिंह, कालू मौर्य, सौरभ मौर्य सहित कई लोग मौजूद रहे।

मंडी समिति कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। मंडी समिति कार्यालय बाजपुर के सभागार में सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के सम्मान में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडी समिति में कार्यरत महेश चंद्र गुणवंत (मंडी सहायक) एवं गोविंद राम (मंडी परिचयक) के सेवा. निवृत्त होने पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों कर्मियों के दीर्घ सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा एवं ईमानदार कार्यशैली की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि महेश चंद्र गुणवंत और गोविंद राम ने अपने कार्यकाल के दौरान मंडी समिति के कार्यों को जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ निभाया।जिसे सदैव याद रखा जाएगा। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजनों के साथ-साथ मंडी समिति के सचिव कैलाश चंद्र शर्मा, मंडी निरीक्षक रमेश चंद, लेखाकार सरिता, सहायक ममता गणेश, संजय कुमार, राकेश कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन स्मृति चिह्न भेंट कर एवं शुभकामनाओं के साथ किया गया।

सब का साथ सब का विकास की झलक है बजट 2026: मुफ्ती मन्नान रजा

शाह टाइम्स संवाददाता

दोराहा/बाजपुर। उत्तराखंड राज्य हज समिति के सदस्य मुफ्ती मन्नान रजा ने आज प्रेस को जारी एक बयान में वित्त मंत्री भारत सरकार निर्मला सीतारमन द्वारा संसद में प्रस्तुत किए गए केंद्रीय आम बजट 2026 को केंद्रीय सरकार का स्वागत योग्य बजट बताया है।

उन्होंने कहा कि ये बजट जहां एक तरफ व्यापार, उद्योग, बाजार, नौकरी पेशा, घरेलू, युवा, खेल, शिक्षा, अल्पसंख्यक आदि सभी क्षेत्रों मे उम्मीद की किरन साबित होगा, वहीं विशेषकर अल्पसंख्यक समुदाय के लिए बजट मे प्रधानमंत्री के नारे "सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास"की रेखाएं झलक रही है। रजा ने कहा कि केंद्रीय सरकार ने पिछले बजट की तुलना में इस बार अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के बजट में किसी तरह की कोई कटौती नहीं की, बल्कि उसमें इजाफा ही किया है। बजट में इस बार अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के लिए कुल 3400 करोड़ रुपये के आवंटन किए गए हैं। रजा ने बताया कि इस बजट में खास कर केंद्रीय सरकार का फोकस शिक्षा पर रहा। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत स्कूलों, छात्रावासों, स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक भवनों में सुधार किया गया है, जिससे समाज के कमजोर वर्गों को सीधा फायदा मिलेगा ,महिलाओं से जुड़े मंस. बों ने महिलाओं को आगे बढ़ने का हौसला दिया है।

वित्त मंत्री का बजट सराहनीय: बिट्टू चौहान

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। भाजपा जिला मंत्री बिट्टू चौहान ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट की सराहना करते हुए इसे विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ता हुआ एक मजबूत और दूरदर्शी बजट बताया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस बजट में बुनियादी ढांचे,रोजगार और मध्यम वर्ग की जरूरतों का विशेष ध्यान रखा है। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 12.2 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, वहीं हाई स्पीड रेलवे कॉरिडोर और सेमीकंडक्टर मिशन जैसे अहम प्रोजेक्ट्स को गति देने की बात कही गई है। बिट्टू चौहान ने बताया कि मध्यम वर्ग के लिए टैक्स सरलीकरण से राहत मिलेगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। स्वास्थ्य क्षेत्र में एम्स जैसे बड़े संस्थानों की घोषणा की गई है। साथ ही उड़ान योजना के तहत 120 शहरों को हवाई सेवा से जोड़ने का प्रावधान भी किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में तीन ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल,15 हजार सेकेंडरी स्कूल और 500 नए कॉलेज खोलने की घोषणा को उन्होंने ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट देश के सर्वांगीण विकास को गति देने वाला और हर वर्ग के हित में एक सराहनीय बजट है।

नवनियुक्त अध्यक्षों का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नगर मंडल एवं ग्रामीण मंडल के विभिन्न मोर्चों के नवनियुक्त अध्यक्षों का स्वागत किया गया।

विधायक दीवान सिंह बिष्ट और भाजपा के वरिष्ठ नेता इंदर सिंह रावत ने भाजपा के विभिन्न संगठनों के अध्यक्षों को नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई देते हुए भाजपा संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ कार्य करने का संदेश दिया। इस अवसर पर अनुसूचित मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष इंद्रपाल,ओबीसी मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष संजीव सैनी, रामनगर ग्रामीण मंडल के युवा मोर्चा अध्यक्ष रोहित रावत, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष दीपा पांडे, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष नंदन सिंह बोरा,अनुसूचित मोर्चा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सौरभ कुमार,अन्य पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष अनुज कश्यप,भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नगर अध्यक्ष फईम कुरैशी, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष हूर अली खान आदि का स्वागत किया गया है। इस दौरान विधायक दीवान सिंह बिष्ट, इंदर सिंह रावत, जगमोहन सिंह बिष्ट, बलदेव सिंह रावत, पूरन नैनवाल, शुभम उत्तम आदि मौजूद रहे।

जयंती पर संत रविदास को किया नमन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। समाज में एकता, समरसता और भक्ति का संदेश देने वाले महान संत शिरोमणि रविदास की जयंती के अवसर पर रविवार को जगतपुरा क्षेत्र में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के नेतृत्व में तमाम संख्या में लोगों ने संत रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान पूरा क्षेत्र संत रविदास के जयकारों से गुंजायमान रहा और उपस्थित जनसमूह ने उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का सामूहिक संकल्प लिया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि संत रविदास एक महान समाज सुधारक और आध्यात्मिक संत थे, जिन्होंने मध्यकालीन भारत में सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव के विरुद्ध आवाज बुलंद की।

ठुकराल ने कहा कि संत रविदास ने 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का कालजयी संदेश देकर यह सिद्ध किया कि ईश्वर की भक्ति के लिए हृदय की शुद्धि और निष्काम कर्म ही सर्वोपरि है। उन्होंने समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। आज के दौर में उनके विचार और भी प्रासंगिक हो गए हैं, क्योंकि वे जातिवाद और आपसी वैमनस्य को समाप्त कर प्रेम का मार्ग दिखाते हैं।

इस अवसर पर राम स्वरूप भारती, डीपी सुमन, डीपी सिंह, राहुल, सुरेश भारती, छोटे लाल, लक्ष्मी नारायण, आनन्द शर्मा, अजय नारायण, राजेश ग्रोवर, बंटी मक्कड़, केरू मण्डल और ललित बिष्ट सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

बिजली चोरी के मामले में भाजपा मंडल अध्यक्ष समेत लोगों पर मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। विजिलेंस टीम और ऊर्जा निगम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में बिजली चोरी का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस ने भाजपा के पटेलनगर मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता समेत नौ लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। छापेमारी के दौरान कई घरों में कटिया डालकर बिजली चोरी की जा रही थी, तो कहीं मीटर गायब मिले और कइयों ने मीटर से पहले ही केबल में कट लगाकर अवैध कनेक्शन ले रखे थे।

गत दिवस ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता राजीव चक्रवर्ती के नेतृत्व में निगम और विजिलेंस की टीमों ने खेड़ा, दरियानगर और ट्रांजिट कैंप के विभिन्न इलाकों में औचक छापेमारी की। इस कार्रवाई से पूरे क्षेत्र के बिजली चोरों में हड़कंप मच गया। ऊर्जा निगम की उपखंड अधिकारी अन्नू अरोरा ने बताया कि अभियान के दौरान कुल 201 स्थानों पर बिजली कनेक्शनों की सघन चेकिंग की गई। इस दौरान भारी अनियमितताएं पाई गईं, जहाँ लोग सीधे मुख्य लाइन पर कटिया डालकर बिजली का अवैध उपयोग कर रहे थे। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 41 घरों से अवैध केबल कनेक्शनों को काटकर जब्त कर लिया। कोतवाल मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि धीरेश गुप्ता के अलावा पुलिस ने राजा कॉलोनी निवासी छोटी देवी, राम दास, सतीश कुमार, अनिल कुमार तथा ट्रांजिट कैंप निवासी राधे श्याम, कनल मंडल, रमनीत कौर और कुलदीप सिंह के खिलाफ बिजली चोरी की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। ऊर्जा निगम के अधिकारियों का कहना है कि बिजली चोरी के कारण न केवल राजस्व की हानि हो रही है, बल्कि इससे स्थानीय ग्रिड पर दबाव बढ़ने से फाल्ट और लो-वोल्टेज की समस्या भी उत्पन्न हो रही है।

हिंदी एवं अंग्रेजी स्पेल बी प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। शाहजी पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों की भाषा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हिंदी एवं अंग्रेजी स्पेल बी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया।

हिंदी स्पेल बी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अनाबिया, अरशी, साबिया, अरमान, जुनेरा, अहमद, इकरा, ईशाना, शैजल, आलिया, शाजिया, आशु, जमन, मैशर वहीं अंग्रेजी स्पेल बी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अनाबिया, अलवीरा, साबिया, अरमान, अलीना, माहीन, इकरा एवं मेहशर रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य रविन्द्र मिश्रा ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के भाषा ज्ञान को बढ़ाने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होती हैं। उन्होंने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते

हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्रबंध निदेशक मोहम्मद फैज अली सिद्दीकी ने भी सभी विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में दक्षता आज के समय की आवश्यकता है।

ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में सीखने की रुचि बढ़ाती हैं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने विद्यालय परिवार को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

क्रेडिट कार्ड से साइबर ठगों ने उड़ाए सवा लाख

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। साइबर ठगों ने दुर्गा मंदिर क्षेत्र के एक निवासी को निशाना बनाते हुए दो अलग-अलग बैंकों के क्रेडिट कार्ड से सवा लाख रुपये से अधिक की रकम पार कर ली। पीड़ित की तहरीर के आधार पर रुद्रपुर कोतवाली पुलिस ने जालसाज के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब साइबर सेल की मदद से बैंक खातों और ट्रांजेक्शन की डिटेल खंगाल रही है।

पुलिस को सौंपी गई तहरीर में दुर्गा मंदिर निवासी देवेन्द्र कुकरेती पुत्र स्व. नारायन दत्त कुकरेती ने बताया कि उनके पास भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के दो क्रेडिट कार्ड थे। बीते 4 दिसंबर 2025 की शाम करीब 7:00 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके साथ धोखाधड़ी करते हुए दोनों क्रेडिट कार्डों से बड़ी रकम निकाल ली। जालसाजों ने भारतीय स्टेट बैंक के कार्ड से 56,350 रुपये और पंजाब नेशनल बैंक के कार्ड से दो किस्तों में 53,430 रुपये व 10,327 रुपये की अवैध निकासी की। इस तरह ठगों ने पीड़ित के खातों से कुल 1,20,107 रुपये साफ कर दिए।

पीड़ित देवेन्द्र कुकरेती ने बताया कि ठगी का अहसास होते ही उन्होंने तुरंत साइबर सेल रुद्रपुर को मामले की सूचना दी और संबंधित बैंकों के कस्टमर केयर पर फोन करके अपने दोनों क्रेडिट कार्ड बंद करवा दिए। हालांकि जालसाज तब तक सवा लाख रुपये की चपत लगा चुके थे। पीड़ित ने अब कोतवाली पुलिस कोर्ट लिखत तहरीर देकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सीसीटीएनएस के माध्यम से मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों को देखते हुए आम जनता को जागरूक रहने की जरूरत है और किसी भी संदिग्ध फोन कॉल या लिंक पर अपनी बैंकिंग जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए।

इस बार का बजट रहा संतुलित: गौरव

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर टैक्स बार एसोसिएशन के सचिव एडवोकेट गौरव गोला ने कहा कि इस बार का बजट संतुलित रहा है। उन्होंने कहा कि न बहुत ज्यादा राहत मिली और न ही बहुत ज्यादा बोझ।

आयकर टैक्स दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया जिसमें मिडल क्लास के लोगो में काफी उम्मीदें थी। देखा जाए तो मंहगाई के हिसाब से राहत कम मिली है। कहा कि 1 अप्रैल 2026 से नया आयकर कानून लागू होगा बताया गया जोकि पहले से अधिक सरल होगा।

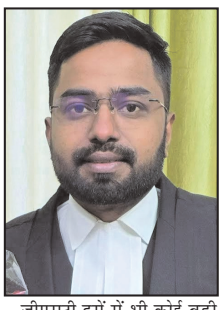

जीएसटी दरों में भी कोई बड़ी कटौती नही की गई है। लेकिन सरलीकरण पर जोर दिया गया है।

अवैध कच्ची शराब के खिलाफ महिलाओं का हंगामा

कोतवाली में नारेबा. जी कर आंदोलन की दी चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। रविवार को कनोरा गांव की दर्जनों महिलाओं ने अवैध कच्ची शराब के कारोबार को बंद कराने की मांग को लेकर कोतवाली बाजपुर पहुंचकर हंगामा किया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि गांव में महिलाएं एवं पुरुष धड़ल्ले से अवैध कच्ची शराब बेच रहे हैं। जिससे गांव का वातावरण लगातार खराब होता जा रहा है।

महिलाओं का कहना है कि शराब पीने वाले लोग आए दिन झगड़ा और गाली-गलौज करते हैं तथा नशे की हालत में अपनी पत्नियों के साथ मारपीट पर उतर आते हैं। इससे गांव की महिलाओं में भय का माहौल है और युवाओं पर भी नशे का बुरा असर पड़ रहा है। कोतवाली में पहुंची महिलाओं ने एसआई रजनी गोस्वामी से मुलाकात कर अवैध शराब का कारोबार तत्काल बंद कराने की मांग की। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई और शराब का धंधा बंद नहीं कराया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगी। आक्रोशित महिलाओं ने यह भी बताया कि इससे पहले कई बार दोराहा चौकी पुलिस को अवैध कच्ची शराब बेचने की शिकायत की जा चुकी है। लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल आश्वासन ही दिए गए। पुलिस की निष्क्रियता के चलते शराब माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और वे बेखौफ होकर अवैध शराब का कारोबार चला रहे हैं। महिलाओं ने पुलिस प्रशासन से अवैध कच्ची शराब बेचने वालों के खिलाफ जल्द से जल्द सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। ताकि गांव का माहौल सुधर सके और नशे पर अंकुश लगाया जा सके।

पूर्व भाजपा प्रदेश मंत्री ने की ग्रामीणों से मुलाकात

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल ने रामनगर के ग्राम आमपोखरा और भवानीपुर खुल्बे में ग्रामीणों से मुलाकात की, ग्रामीणों का हालचाल जाना और उनकी समस्याओं को सुना गया ।साथ ही बुजुर्गों को छड़ी,युवाओं को बॉलीबाल व नेट भेंट किया। इसके साथ ही बुजुर्गों को कम्बल वितरित किये।

राकेश नैनवाल ने कहा कि अपने ग्राम प्रधान,प्रधान प्रतिनिधि विक्रम सिंह नेगी और राजेन्द्र सिंह गुंसाई का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने अपनी ग्राम सभा में जरूरत मंद लोगों से भेंट करवाई।उन्होंने बताया कि जाटव बस्ती में भी बच्चों को फुटबॉल और जूते वितरित किए गए हैं। इस दौरान पीरुमदारा मण्डल अध्यक्ष बलदेव रावत,जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजेन्द्र सैनी, कोऑपरेटिव के चेयरमैन विजयपाल रावत, शक्ति केंद्र संयोजक शंकर सिंह रावत, अनुसूचित मोर्चा अध्यक्ष इंद्रपाल, आशीष कुमार,भावना भट्ट, गंगा राणा आदि मौजूद रहे।

बजट ने आम जनता को दी निराशा: फैजुल हक

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट फैजुल हक ने कहा कि आज पेश किए गए बजट ने जीएसटी,बेरोजगारी और महंगाइ तीनों मोर्चों पर आम जनता को गहरी निराशा दी है। सरकार बड़े आंकड़ों की बात कर रही है, लेकिन आम आदमी की जिंदगी लगातार मुश्किल होती जा रही है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू हुए सात साल से अधिक हो चुके हैं, फिर भी यह व्यवस्था आज भी सरल नहीं बन पाई है। छोटे और मध्यम व्यापारियों को साल में 20 से ज्यादा रिटर्न दाखिल करने पड़ते हैं। हर महीने औसतन घ.6ख1.7 लाख करोड़ का जीएसटी संग्रह होने के बावजूद न तो टैक्स स्लैब घटाए गए और न ही आवश्यक वस्तुओं को सस्ता किया गया।

आईटीसी रिफंड में महीनों की देरी से व्यापारियों की कार्यशील पूंजी बुरी तरह प्रभावित हो रही है।वहीं देश में बेरोजगारी दर आज भी करीब 7-8 प्रतिशत बनी हुई है। करोड़ों युवा रोजगार की तलाश में हैं, लेकिन बजट में प्रत्यक्ष रोजगार सृजन के लिए कोई ठोस योजना या समयबद्ध लक्ष्य दिखाई नहीं देता। केवल घोषणाओं से युवाओं का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। कहा कि कुल मिलाकर, यह बजट जीएसटी के जरिए अधिक वसूली, बेरोजगारी पर चुप्पी और महंगाई पर बेबसी का प्रतीक बन गया है। हम इस बजट को आम जनता, छोटे व्यापारियों और युवाओं के हितों के खिलाफ मानते हैं।

सम्बंध विच्छेद

मैंनें अपने पुत्र राहुल व पुत्रवधु मधु को इनके दुर्व्यवहारों से तंग आकर उनसे अपने व अपने परिजनों के सभी सम्बंध विच्छेद कर लिये हैं तथा पुत्र राहुल व पुत्रवधु मधु को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब मेरा या मेरे किसी भी परिवारजन का मेरे पुत्र राहुल व पुत्रवधु मधु से कोई वास्ता-सरोकार नहीं है।

होरी लाल पुत्र श्री मोतीराम
निवासी-मसूरगंज, गुडबारा, बहेड़ी, थाना बहेड़ी, जिला बरेली, उत्तर प्रदेश
हाल निवासी-इकबाल कालोनी, रामेश्वरपुर, थाना किच्छा
जिला उधमसिंह नगर

बालिकाओं को कानूनी ज्ञान और आत्मनिर्भरता का संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। बालिका इंटर कॉलेज में जिला विधिक प्राधिकरण ने जागरूकता कैंप का आयोजन किया, जिसमें छात्राओं को उनके अधिकारों और सामा. जिक बुराइयों के बारे में जानकारी दी गई। एडवोकेट मनोरमा गुप्ता ने दहेज प्रथा के खिलाफ आवाज उठाने, समाज में सही तरीके से रहने और गलत आदतों व उत्पीड़न से बचने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने, अपने अधिकारों को पहचानने और किसी भी प्रकार के अन्याय के खिलाफ बिना डर के बोलने के लिए प्रेरित किया। एडवोकेट गुप्ता ने कहा कि शिक्षा ही वह हथियार है जिससे महिलाएं अपने अधिकारों की रक्षा कर सकती हैं और समाज में सम्मान पा सकती हैं। प्रिंसिपल अर्चना पाठक ने जिला विधिक प्राधिकरण का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने भविष्य को सुरक्षित बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि हमारी छात्राएं न केवल शिक्षा में बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ें। इस मौके पर एडवोकेट मनोरमा गुप्ता, प्रिंसिपल अर्चना पाठक, मनोज कुमार, पीएलबी अनीता राणा, नीतू कुमारी आदि उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम छात्राओं के लिए बहुत ही लाभकारी रहा और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

नशे के खिलाफ युद्ध का ऐलान: कोतवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। कोतवाल सुंदरम शर्मा ने नशे के खिलाफ युद्ध का ऐलान करते हुए जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि मित्र पुलिस की भूमिका में वे जनता के साथ मिलकर नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे।

कोतवाली में आयोजित एक बैठक में कोतवाल सुंदरम शर्मा ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के जनप्रति. निधियों से सीधा संवाद किया और नशे के खिलाफ अभियान में सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि नशा एक बड़ा खतरा है और इसे खत्म करने के लिए हमें एकजुट होना होगा। जनप्रतिनिधियों ने भी नशे के खिलाफ लड़ाई में अपना सहयोग देने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नशे के खिलाफ अभियान चलाएंगे और पुलिस के साथ मिलकर काम करेंगे। कोतवाल सुंदरम शर्मा ने कहा कि पुलिस शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण और जंगल से सटे क्षेत्रों में भी नशे के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि वे जनता के साथ मिलकर नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे और इसे खत्म करेंगे। इस मौके पर स्थानीय ग्रामीण व शहरी जनप्रतिनिधि, सामाजिक नागरिक और सीएलजी सदस्य मौजूद रहे।

एक नजर

जिम संचालक मोहित चोपड़ा पर बिफरे बजरंग दल कार्यकर्ता

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। कोटद्वार में बॉडी बिल्डर दीपक के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करना रुद्रपुर के बॉडी बिल्डर और जिम संचालक मोहित चोपड़ा को भारी पड़ गया। कई संगठन के लोगों ने जिम के बाहर धरना-प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। उन्होंने ने मोहित पर टीआरपी लेने के लिए हिन्दुओं का अपमान करने का आरोप लगाया है।

बजरंग दल कार्यकर्ताओं के मुताबिक, 31 जनवरी को कोटद्वार में बजरंग दल ने दुकानों पर वास्तविक नाम प्रदर्शित करने को लेकर अभियान चलाया था। इसी दौरान एक दुकान संचालक के समर्थन में कोटद्वार निवासी बॉडी बिल्डर दीपक ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। दीपक के समर्थन में आवास विकास निवासी बॉडी बिल्डर और जिम संचालक मोहित चोपड़ा ने सोशल मीडिया के माध्यम से पोस्ट साझा की और तीन फरवरी को कोटद्वार जाने का आह्वान किया। इसकी सूचना मिलते ही रविवार दोपहर बजरंग दल से जुड़े लोग आवास विकास स्थित जिम पहुंचे और इस विषय पर आक्रोश व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि उनका उद्देश्य किसी भी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है, सिर्फ पहचान से जुड़े स्पष्टता के मुद्दे को सामने रखना है। उन्होंने इस मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ तहरीर देने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि टीआरपी लेने के लिए हिन्दुओं का अपमान किया है। घटना की सूचना पर स्थानीय स्तर पर बात. चीत के जरिए स्थिति को संभाला गया। मौके पर सचिन शर्मा, गौरव मिश्रा, सुल्तान सिंह, रमेश बिष्ट, जोगेंद्र सिंह, अंकित श्रीवास्तव, प्रिंस कोली, यश चौहान, जितेंद्र विश्वकर्मा, सचिन मलिक, विवेक कश्यप और प्रदीप ठाकुर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

माघ पूर्णिमा पर हवन कर की सुख समृद्धि की कामना

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। स्नान, दान व तप के पावन पर्व माघ पूर्णिमा के शुभ अवसर पर रविवार को नगर के मोहल्ला बांकेनगर स्थित संकटमोचन श्रीबालाजी घाटा मंदिर में हवन कर सुख समृद्धि की कामना की गई। हवन विधिवत पूजा-अर्चना के साथ पंडित अभिषेक शर्मा ने सम्पन्न कराया।

हवन के मुख्य यजमान सींगखेड़ा (रामपुर) निवासी धर्मेन्द्र मौर्य व उनकी पत्नी मुस्कान मौर्य रहे। हवन उपरान्त प्रसाद वितरित किया गया। पंडित अभिषेक शर्मा ने कहा कि धर्मशास्त्रों के अनुसार माघी पूर्णिमा पर स्नान-दान के सहस्त्रगुणित फल है। इसमें अन्न, वस्त्र, तिल, घृत एवं स्वर्णदान के विशेष महत्व है। शास्त्रीय मान्यता है कि इस दिन किया गया पुण्यकर्म जीवन में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों पुरूषार्थों की सिध्दि में सहायक होता है। मघा नक्षत्र के नाम से माघ पूर्णिमा की उत्पत्ति होती है। मान्यता है कि माघ माह में देवता पृथ्वी पर आते हैं और मनुष्य रूप धारण करके प्रयाग में स्नान, दान और जप करते हैं। इसलिए कहा जाता है कि इस दिन प्रयाग में गंगा स्नान करने से समस्त मनोक. ामनाएं पूर्ण होती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस मौके पर मंदिर के मुख्य सेवादार कुलदीप सैनी, हरी सिंह यादव, देवेश प्रताप सिंह, रवि सरना, नकुल सरना, हार्दिक सरना, माया, ऊषा, अनीता, लज्जवाती, विजय कुमार, ममता, नेहा, निधि, श्यामो सैनी, लता आदि थे।

एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। आल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.नय्यर काजमी ने कहा कि प्रदेश में मुस्लिम समुदाय को लगातार टारगेट किया जा रहा है। आए दिन समुदाय के लोगों का उत्पीड़न और मारपीट की घटनाएं सामने आ रही है। इस तरह समाज को तोड़ने वाली घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एआईएमआईएम धार्मिक पहचान के आधार पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा करती है, जो राज्य की मिली जुली संस्कृति से मेल नहीं खाता है। उन्होंने शाल विक्रेता कश्मीरी युवक एवं कोटद्वार आदि की हालिया घटनाओं का वर्णन किया। रविवार को पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक कर संगठन की एकजुटता पर चर्चा की। कार्यकर्ताओं ने उनके यहां पहुंचने पर स्वागत किया। पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बिहार विधानसभा एवं महराष्ट्रा के नगर निकाय चुनाव में इस बार पार्टी का वोट प्रतिशत बढ़ा है, प्रदेश कार्यकर्ताओं में इसे लेकर खुशी है तो वहीं अपनी किंयादत को लेकर देश के मुसलमानों में अच्छा संदेश गया है। प्रदेश के जिस हिस्सों में संगठन मजबूती से काम कर रहा है वहां पूरी मजबूती से पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपना प्रत्याशी उतारेगी। मार्च में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदेश का दौरा करेंगे। नगर अध्यक्ष शाने इलाही ने बैठक का संचालन किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष मोहम्मद सादिक, मो.कैफ, यूनुस, शाएब, आकिब, शादान आदि मौजूद रहे।

स्वाला डेंजर जोन में हाईवे बना जाम का मैदान

डीजल खत्म होने से बीच सड़क ड़ा हुआ 10 टायर ट्राला

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। चंपावत-टनकपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्वाला डेंजर जोन के समीप उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गाजियाबाद से पाइप लेकर आ रहा एक 10 टायर वाला भारी ट्राला डीजल खत्म होने के कारण मुख्य सड़क के बीचों-बीच खड़ा हो गया। अचानक खड़े हुए ट्राले से राष्ट्रीय राजमार्ग में वाहनों की आवाजाही और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्राला चालक डीजल समाप्त होने से घबरा गया और स्थिति बिगड़ने की आशंका के चलते ट्राला वहीं छोड़कर डीजल लेने चंपावत की ओर निकल गया। लोगों का कहना है कि चालक को डर था कि सड़क अवरोध के चलते नाराज यात्री उसके साथ मारपीट भी कर सकते हैं। बीच सड़क में ट्राला खड़े होने से वाहनों की आवाजाही में दिक्कतें पैदा हो गई। दोनों ओर से आ रहे छोटे-बड़े वाहनों को निकलने में भारी मशक्कत करनी पड़ी। हालात इतने गंभीर हो गए कि मैदानी क्षेत्र की ओर जा रही एंबुलेंस को भी मुश्किल से आगे बढ़ने का मौका मिला। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वाला डेंजर जोन पहले ही संवेदनशील क्षेत्र है, ऐसे में इस तरह की लापरवाही किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती थी। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि भारी वाहनों की नियमित जांच और ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में यात्रियों को इस तरह की परेशानी न झेलनी पड़े।

कथित वायरल लेटर मामले में एसएसपी ने गठित की टीम, जांच शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। बीते दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक कथित पत्र के मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया है। इस प्रकरण को लेकर रविवार को विधायक शिव अरोरा और मेयर विकास शर्मा ने एसएसपी से फोन पर वार्ता कर निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की थी।

बताया जा रहा है कि रुद्रपुर के एक स्कूल के बाहर कथित रूप से मिला यह पत्र सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। पत्र में एक छात्रा ने एक विशेष समुदाय की युवती और उसके परिजनों पर युवतियों की खरीद-फरोख्त से जुड़े कथित रैकेट के संचालन का गंभीर आरोप लगाया है। कथित पत्र में आरोप लगाया गया है कि कॉलेज और उसके आसपास पढ़ने वाली छात्राओं को बहला- फुसलाकर एक संगठित नेटवर्क के जरिये गलत गति. विधियों में धकेलने का प्रयास किया जाता है। पत्र के अनुसार, एक सहपाठी ने छात्रा से दोस्ती कर उसे झांसे में लिया और दूसरे जिले में ले जाकर संदिग्ध लोगों से मिलवाया, जहां नेटवर्क से जुड़ने के बदले मोटी रकम का लालच दिया गया। आरोप है कि इनकार करने पर छात्रा को धमकियां दी गईं और अज्ञात नंबरों से कॉल कर निजी वीडियो वायरल करने तथा नुकसान पहुंचाने की चेता. वनी दी गई।

पत्र में कुछ दुकानों और कोचिंग संस्थानों को भी इस कथित नेटवर्क के संपर्क बिंदु के रूप में उपयोग किए जाने का उल्लेख है।

मील का पत्थर साबित होगा केंद्रीय बजट: गोविंद सामंत

- **मुख्य बाजार में बड़ी स्क्रीन लगाकर आम जनता के बीच सुना गया बजट**

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 का आम बजट विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 53.5 लाख करोड़ रुपये का यह बजट वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को मजबूती प्रदान करेगा। यह बात भारतीय जनता पार्टी चंपावत के जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह सामंत ने कही।

भाजपा चंपावत द्वारा जिला मुख्यालय चंपावत के मुख्य बाजार में बड़ी स्क्रीन लगाकर बजट को आम जनता के बीच सुना गया। इस दौरान व्यापारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने बजट को विकसित भारत का बजट बताते हुए केंद्र सरकार की नीतियों का स्वागत किया। गोविंद सिंह सामंत ने कहा कि बजट में प्रत्येक जिले में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बालिका छात्रावास निर्माण का प्रावधान सरकार की बेटियों के प्रति सम्मान और सशक्तिकरण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं, जो केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का परिणाम है। उन्होंने बताया कि पर्वतीय राज्यों में आपदा संवे. दनशीलता को देखते हुए विशेष प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए जाएंगे, जिससे आपदा की स्थिति में राहत और बचाव कार्यों को मजबूती मिलेगी। यह केंद्र सरकार की उत्तराखंड के प्रति दूरदर्शी सोच को दर्शाता है। साथ ही बजट में ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन से जोड़ने, खेलो इंडिया के तहत खेलों के माध्यम से रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देने तथा प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं को प्रोत्साहित करने की बात कही गई है। इससे स्पष्ट होता है कि केंद्र सरकार महिला सशक्तिकरण को लेकर लगातार कार्य कर रही है। कृषि और पशुपालन क्षेत्र में भी केंद्र सरकार निरंतर सहयोग प्रदान कर रही है।

इस अवसर पर जगदीश जोशी, नरेंद्र लटवाल, प्रकाश तिवारी, प्रकाश पांडे, सुनील पुनेठा, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, व्यापारी संघ के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आयकर कानून से जुड़े कई अहम संशोधन करदाताओं के लिए अनुकूल: पांडे

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। टैक्स बार एसोसिएशन रामनगर के अध्यक्ष पूरन चन्द्र पांडे ने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2026 के लिए आयकर कानून से जुड़े कई अहम संशोधन लागू किए हैं, जिनका सीधा लाभ आम करदाताओं, व्यापारियों और निवेशकों को मिलेगा।

इन बदलावों का उद्देश्य टैक्स सिस्टम को सरल, पारदर्शी और करदाताओं के अनुकूल बनाना है। अब सड़क दुर्घटनाओं में मिलने वाले मुआवजे पर किसी भी प्रकार का आयकर नहीं लगाया जाएगा। विदेश यात्रा को बढ़ावा देने के लिए विदेशी टूर पैकेज पर लगने वाली टीसीएस दर घटा दी गई है। शिक्षा व चिकित्सा के लिए विदेश भेजी गई राशि पर राहत दी गई है।

विदेश में पढ़ाई और इलाज के लिए भेजी जाने वाली रकम पर टीसीएस की दर कम की गई है। उन्होंने कहा कि अब 'मैनपावर सप्लाई' को विशेष रूप से धारा 194 सी के अंतर्गत शामिल किया गया है।शेयर आय पर फॉर्म 15जी/15 एच की सुविधा दी गई है।

शेयर बाजार से होने वाली आय पर अब फार्म 15 जी/15 एच का लाभ लिया जा सकेगा। बिलेटेड रिटर्न की समय-सीमा बढ़ी कर दाताओं को राहत देते हुए बिलेटेड रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। बिजनेस एवं ट्रस्ट से जुड़े करदाताओं के लिए आईटीआर फाइल करने की अंतिम तारीख अब 31 अगस्त होगी। विदेशी संपत्ति के खुलासे के लिए 6 माह की विशेष योजना लाई गई है, जिसमें 1 करोड़ से 5 करोड़ तक की सीमा तय की गई है।

सरकार ने पेनल्टी और असेसमेंट प्रक्रिया का युक्तिकरण किया है।अब टैक्स डिमांड पर स्टे पाने के लिए 10 प्रतिशत राशि जमा करनी होगी।कुछ शर्तों के साथ गलत रिपोर्टिंग पर पेनल्टी से छूट का प्रावधान किया गया है। ये बदलाव टैक्स विवाद कम करने और ईमानदार कर दाताओं को राहत देने की दिशा में बड़ा कदम हैं।

केंद्रीय बजट 2026: उम्मीदों से दूर, शिक्षा-स्वास्थ्य-रोजगार पर सवाल: बाराकोटी

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष कुमाऊं मंडल शिक्षक एसोसिएशन, उत्तराखंड डीआर बाराकोटी (धीरज) ने रविवार को अपने विचार व्यक्त किए हैं। केंद्रीय बजट 2026 ऐसे समय में प्रस्तुत किया गया है, जब देश महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य की गिरती गुणवत्ता तथा सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है।

बजट से यह उम्मीद की जा रही थी कि वह आर्थिक आंकड़ों के साथ-साथ कमजोर वर्गों, युवाओं और किसानों के लिए ठोस दिशा प्रदान करेगा, लेकिन बजट कई अहम मुद्दों पर मौन और अस्पष्ट दिखाई देता है। शिक्षा,भाषण में प्राथमिकता, जमीन पर कमी शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की नींव कहा जाता है, लेकिन बजट 2026 में शिक्षा क्षेत्र को लेकर वही पुरानी तस्वीर सामने आई है। घोषणाएं अधिक और संसाधन सीमित। सरकारी विद्यालयों, उच्च शिक्षण संस्थानों, शोध और छात्रवृत्तियों के विस्तार को लेकर कोई स्पष्ट कार्ययोजना नजर नहीं आती। SC, ST और OBC छात्रों के लिए छात्रवृत्ति, हॉस्टल, फेलोशिप और ड्रॉपआउट रोकने की ठोस रणनीति का अभाव यह दर्शाता है कि समान अवसर की बात अभी नीतिगत स्तर तक नहीं पहुंच पाई है। स्वास्थ्य बजट,अब भी उपेक्षा मिली है। कोविड महामारी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की कमजोरियों को उजागर किया था, इसके बावजूद स्वास्थ्य बजट में अपेक्षित वृद्धि न होना चिंताजनक है।

वैश्विक स्तर पर बदलते आर्थिक समीकरणों से निपटने के उपाय बजट में दूरदर्शी नहीं दिखते। केंद्रीय बजट 2026 कुछ चुनिंदा क्षेत्रों को राहत देता दिखाई देता है, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, किसान और सामाजिक न्याय जैसे बुनियादी मुद्दों पर यह बजट अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता। यह बजट आर्थिक विकास की बात तो करता है, लेकिन मानव विकास की ठोस गारंटी नहीं देता। जरूरत ऐसे बजट की है जो आँकड़ों से आगे बढ़कर संविधान की भावना समानता, न्याय और गरिमा को केंद्र में रखे।

सड़कों पर उतरे व्यापारी, बाजार बंद व चक्काजाम की चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद के लंबगांव क्षेत्र में रविवार को शुरू हुए नगर महोत्सव मेले के आयोजन को लेकर विवाद गहरा गया है। स्थानीय व्यापारियों ने इस आयोजन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और रविवार को लंबगांव बाजार में जोरदार प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जाहिर की।

- **बाहरी दुकानदारों को प्राथमिकता देने का लगाया आरोप**
- **जिलाधिकारी को भेजा ज्ञापन, दो फरवरी तक मेला स्थगित न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी**

व्यापारियों का आरोप है कि नगर पंचायत प्रशासन ने इस आयोजन को लेकर स्थानीय व्यापार मंडल को विश्वास में नहीं लिया और मनमाने ढंग से मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिससे स्थानीय व्यापारिक हितों पर कुठाराघात हो रहा है। आक्रोशित व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि मेले को तत्काल प्रभाव से स्थगित नहीं किया गया, तो वे आगामी दो फरवरी को संपूर्ण बाजार बंद रखेंगे और चक्काजाम कर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

रविवार को व्यापार मंडल लंबगांव के अध्यक्ष राजीव पंवार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में व्यापारी बाजार में एकत्रित हुए। उन्होंने राजकीय महाविद्यालय चौंड में नगर पंचायत द्वारा शुरू किए गए सात दिवसीय नगर महोत्सव मेले का कड़ा विरोध किया। व्यापारियों ने नगर पंचायत प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबा. जी की और आरोप लगाया कि यह आयोजन स्थानीय व्यापारियों के पेट पर लात मारने जैसा है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि प्रशासन द्वारा स्थानीय व्यापारियों की उपेक्षा की जा रही है और बाहरी व्यापारियों को दुकानें आवंटित कर उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नगर पंचायत ने मेले की रूपरेखा तय करते समय व्यापार मंडल की कार्यकारिणी या स्थानीय व्यापारियों से कोई विचार-विमर्श करना उचित नहीं समझा।

उन्होंने कहा कि त्योहार और मेले स्थानीय संस्कृति और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए होते हैं, लेकिन यहां स्थिति इसके उलट है। बाहरी व्यापारियों के आने से स्थानीय दुक. ानदारों का व्यापार प्रभावित होगा, जो पहले से ही मंदी की मार झेल रहे हैं। इसी आक्रोश के चलते व्यापारियों ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को एक ज्ञापन प्रेषित किया है, जिसमें मेले को तुरंत रोकने की मांग की गई है। ज्ञापन में साफ तौर पर अल्टीमेटम दिया गया है कि यदि उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं हुई और मेला स्थगित नहीं किया गया, तो दो फरवरी को लंबगांव का पूरा बाजार बंद रहेगा और सड़कों पर चक्काजाम किया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन में टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष यशपाल सिंह राणा, व्यापार मंडल कोषाध्यक्ष अमन राणा, सचिव विजय धनाई, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष युद्धवीर राणा, चंद्रभानु बगियाल, पूर्व सभासद सौरभ रावत, रविंद्र पोखरियाल, राजपाल पंवार, बचन सिंह, नवीन सिंह, पवन राणा, जयवीर सिंह, वेदप्रकाश, चंद्रवीर सिंह, हुकम सिंह, संजीव सिंह, पप्पू सिंह और शीशपाल सिंह सहित अनेक व्यापारी शामिल रहे।

ज्ञानदीप विद्यालय ने मनाया 25 वां रजत जयंती समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। जनपद उत्तरकाशी के ब्रह्मखाल में ज्ञानदीप चिल्ड्रन्स एकैडमी विद्यालय के 25 वां रजत जयंती समारोह में नहनै बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सब का मन मोह लिया है।

रविवार को अटल उत्कृष्ठ राजकीय इण्टर कालेज गेंवला ब्रह्मखाल में आयोजित रजत जयंती व वार्षिक समारोह के बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे यमुनोत्री क्षेत्र के विधायक संजय डोभाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया है।

इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री डोभाल ने विघालय में अतिरिक्त कक्ष की मांग को पूर्ण करने का आश्वासन दिया। उन्होंने छात छात्रों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए विद्यालय के संचालक को 25 वां रजत जयंती समारोह की बधाई दी है।इस दौरान शिक्षा और कौशल विकास को नई दिशा देते हुए देहरादून से श्री सत्य साईं सेवा संगठन द्वारा एक सराहनीय और दूरदर्शी पहल की गई। संगठन की ओर से ब्रह्मखाल स्थित ज्ञानदीप विद्यालय को आधुनिक शिक्षा एवं व्यावहा. रिक प्रशिक्षण से जोड़ने के उद्देश्य से कंप्यूटर, प्रिंटर, प्लंबिंग से संबंधित सामग्री सहित विभिन्न कौशल विकास उपकरण उपलब्ध कराए गए। इस सहयोग से विद्यालय के छात्र-छात्राओं को अब पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ तकनीकी और व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हो सकेगा।वद्यालय प्रबंधक सुरेश रमोला ने सत्य साईं सेवा संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहयोग से पर्वतीय क्षेत्र के विद्यार्थियों में न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ेगी, बल्कि उन्हें रोजगारोन्मुख कौशल भी प्राप्त होंगे।

नई टिहरी के भवन स्वामियों को प्रशासन की बड़ी राहत

नई टिहरी। नई टिहरी शहर में बसे विस्थापित परिवारों और भवन स्वामियों के लिए जिला प्रशासन ने एक राहत भरी खबर दी है। भूखंडों के स्वामित्व संबंधी अधिकारों को सुरक्षित करने और सरकारी अभिलेखों में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया, जिसे तकनीकी भाषा में उत्परिवर्तन या म्यूटेशन कहा जाता है, की समय सीमा में बढ़ोतरी की गई है। पुनर्वास निदेशक और जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खण्डेलवाल ने जनहित को सर्वोपरि रखते हुए म्यूटेशन कार्यों के लिए निर्धारित समय सीमा में पंद्रह दिनों की अतिरिक्त वृद्धि करने के निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन के इस निर्णय से उन सैकड़ों नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा जो किसी न किसी कारणवश अब तक अपनी संपत्ति का नामांतरण नहीं करा पाए थे।

जनता को मिली राहत, शासन से मिली तारीफ

ललित मोहन रयाल को अनुभव पहल के लिए सराहा गया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल की कार्यप्रणाली का असर धरातल पर कुछ ऐसा दिख रहा है कि इससे प्रदेश के अन्य जिले प्रेरणा ले सकते हैं। राजस्व सम्बंधी जिले में वर्षों से लंबित मामलों के निस्तारण में बिजली की गति सी तेज़ी आई है। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के अभिनव प्रयासों की शासन ने मुक्त कंठ से सराहना की है।

जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल द्वारा जनहित में शुरू की गई इन पहलों से आम जनता को बड़ी राहत मिल रही है, साथ ही जनता को त्वरित लाभ प्राप्त हो रहा है और जनता का प्रशासन पर भरोसा और मजबूत हुआ है। निर्विवाद विरासत मामलों के शीघ्र निस्तारण की दिशा में जनपद नैनीताल ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। बीते चार माह में जिले में राजस्व कर्मियों द्वारा ग्राम स्तर पर चौपालों का आयोजन कर करीब 7070 से अधिक निर्विवाद विरासत मामलों का सफल एवं त्वरित निस्तारण किया गया। सबसे अधिक लंबित निर्विवाद विरास. तन नामांतरण प्रकरणों का निस्तारण तहसील नैनीताल अंतर्गत किया गया है जिसमें 2237 प्रकरणों का निस्तारण किया गया है। इसी प्रकार तहसील हल्द्वानी में 728, रामनगर में 1280 कालाढूंगी में 767 धारी में 695, श्री कैंचीधाम में 405 लाल को तहसील में 335, बेतालघाट में 298 व खनस्यू तहसील में 325 प्रकरणों का निस्तारण अभी तक कर दिया गया है। इसके साथ ही जनपद में स्थल स्तरीय एवं राजस्व प्रकृति के संबंधित कुल 1640 प्राप्त प्रकरणों में से 1473 प्रकरणों का निस्तारण इन चार माह में किया गया है। जिसमें मार्ग पर अवैध कब्जा व अतिक्रमण के 142 प्रकरणों में से 131 का निस्तारण कर दिया गया है इसी प्रकार सिंचाई गूल पर अतिक्रमण के 20 मामलों में से 11 का निस्तारण कर दिया गया है। विभिन्न सार्वजनिक मार्गों नहर आदि में किए गए 62 अतिक्रमण में से 54 प्रकरणों का निस्तारण कर लिया गया है। इसी प्रकार पैमाइश के 1011 प्रकरण में से 921 का, मेढ़ विवाद एवं खेत सीमाओं के विवाद के 121 मामलों में से 106 का निस्तारण कर लिया गया है। इसके अलावा कुर्रा नक्शे के प्राप्त 73 मामलों में से 53 का एवं नाम संशोधन के 84 प्रकरण में से 81 का निस्तारण करने के साथ ही राजस्व से संबंधित अन्य 127 प्रकरण में से 116 प्रकरणों का निस्तारण राजस्व की टीम द्वारा किया गया है। यह जानकारी देते हुए जिला. धिकारी ने राजस्व विभाग के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह कार्य जिले में एक अभियान के तहत लगातार जारी रखा जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग का यह कार्य अपने प्राथमिक कार्यों में से एक महत्वपूर्ण कार्य है, इसमें किसी भी प्रकार की हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला प्रशासन नैनीताल द्वारा जिले में किए गए इन ठोस प्रयासों से न केवल राजस्व एवं नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता, गति और विश्वास बढ़ा है, बल्कि आम नागरिकों को समयबद्ध न्याय और राहत भी मिली है।

माघी पूर्णिमा पर खिचड़ी वितरण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। माघी पूर्णिमा तथा संत श्री रविदास जयंती पर श्री रामलीला कमेटी ब्लॉक द्वारा सीताराम चौराहे पर खिचड़ी वितरण कार्यक्रम किया गया जिसमें सैकड़ों राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया। कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष मुकेश कुमार जोशी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है क्योंकि इसमें बिना भेदभाव के समाज के सभी लोग साथ में प्रसाद ग्रहण करते हैं। मुकेश कुमार जोशी ने कार्यक्रम की सफलता हेतु सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। कार्यक्रम से पूर्व कमेटी कार्यकर्ताओं ने श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। कार्यक्रम में आनंद बल्लभ जोशी, गो. कुलानंद जोशी, अशोक भट्ट, किरीट पांडेय, तेजेन्द्र भंडारी, नंदन सिंह मावड़ी, त्रिलोक सिंह पतलिया, भास्कर साह, छविकिशोर जोशी, महेश सिंह मटियाली, राम सिंह मेहरा, सुनील तिवारी, मुरलीधर रिखाड़ी, राकेश पंत, मोहन जोशी, पंडित कपिल पांडेय, योगेश भोज, पंकज भाकुनी, अजय डंगवाल, पवन फुलारा, जोगेन्द्र बोरा, मोहित आर्य, नीलेश जोशी, बलवंत सिंह मेर, हर्षवर्धन जोशी, नितिन, जय, उपा. सना जोशी, दिव्यांश आदि कमेटी कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया।

एक नजर...

होटल कर्मचारी और युवकों के बीच मारपीट

नैनीताल। नैनीताल के मल्लीताल स्थित स्नोव्यू क्षेत्र में एक होटल में होटल कर्मियों औ स्थानीय युवकों का विवाद हुआ तो मारपीट हो गई। रविवार को हंगामा होने पर स्थानीय लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत किया। जानकारी के अनुसार शनिवार की रात स्थानीय दो युवकों ने स्नोव्यू क्षेत्र के एक होटल में एक कमरा किराए पर लिया। रात को वहां ठहरने के दौरान होटल कर्मचारियों और युवकों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। जिसके बाद युवक अन्य युवकों के साथ दोबारा होटल पहुंच गए। देर रात किसी तरह मामला शांत हुआ लेकिन सुबह दोबारा विवाद होने पर स्थानीय सभासदों व अन्य लोगों ने बीच बचाव कर मामला शांत किया। मामले में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हेम चंद्र पंत ने बताया कि मामले में किसी पक्ष की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

तारबाड़ में फंसे घुरल को किया रेस्क्यू

नैनीताल। नगर के तल्लीताल लॉन्ग्व्यू कंपाउंड क्षेत्र में तारबाड़ में फंसे एक घुरल को वन विभाग ने रेस्क्यू किया। रेस्क्यू कर घुरल को चिड़ियाघर भेजकर उपचार दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार शनिवार देर शाम लॉन्गव्यू तल्लीताल क्षेत्र में एक घुरल आबादी क्षेत्र तक पहुंच गया। लोगों को देख घुरल जंगल को भागने की कोशिश की तो वह तारबाड़ में फंस गया। इसकी सूचना लोगों ने तत्काल वन विभाग को दी। सूचना पर पहुंची विभागीय टीम ने जाल डालकर घुरल को सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया। मामले में वन क्षेत्राधिकारी ललित कार्की ने बताया कि घुरल को चिड़ियाघर भिजवा दिया गया है। तार में फंसने के कारण उसे मामूली चोटे आई है जिसे उपचार दिया जा रहा है। रेस्क्यू टीम में नैनीताल वन प्रभाग के नगर पालिका वन रेंज के युवा वन कर्मी निमिष दानू, नारायण चंद, चंदन तथा मनीष कुमार शामिल रहे।

नैनीताल में बदला मौसम का मिजाज

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल में रविवार को रिमझिम बारिश हुई। मौसम बदलने के साथ ही ठंड में बढ़ोतरी हो गई हैं। रविवार से मौसम बदलने का पूर्वानुमान मौसम विभाग ने जताया था। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है और हल्की से मध्यम वर्षा के साथ ऊंची चोटियों में हिमपात की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। नगर में बीती रात हल्की बारिश हुई जबकि प्रातः आठ बजे से पुनः हल्की बारिश शुरू हो गई जो रुक रुक कर होते रही। इसके बाद दस बजे से 11 बजे तक रिमझिम बारिश जारी रही। इसके बाद वर्षा तो नहीं हीए लेकिन बादल पूरे दिन असमान में डेरा डाले रहे। पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में बदलाव आया है। जिसका क सर्वाधिक असर उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़ व बागेश्वर में रहा, जबकि इसके बाद आ रहे दूसरे पश्चिमी का असर मंगलवार को नैनीताल, देहरादून और चंपावत में अधिक प्रभावी रहने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। राज्य मौसम विभाग के निदेशक डा सीएस तोमर ने बताया कि यह कमजोर पश्चिमी विक्षोभ है। तीन हजार मीटर के आसपास की चोटियों में ऊपरी क्षेत्रों में हिमपात की संभावना रहेगी जबकि सीमित हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होगी। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 18 व न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

वीकेंड पर नैनीताल में घटी सैलानियों की संख्या

नैनीताल। वीकेंड पर नैनीताल में सैलानियों की आमद घटने से सुनसानी छाई रही। पर्यटन स्थलों की रौनक गायब रही। पर्यटन कारोबारी मायूस नजर आए। वीकेंड पर रहने वाली रौनक रविवार को कहीं नजर नहीं आई। नगर के चर्चित पंत पार्क में इक्का दुक्का ही सैलानी टहलते दिखे। इतना ही नहीं माल रोड भी सूनसान रही तो नौका चालक, घोड़ा चालक तथा टैक्सी चालक पर्यटकों की तकते नजर आए। स्नोव्यू, हिमालय दर्शन, वाटरफाल, चिड़ियाघर व केव गार्डन में मुश्किल से कुछ ही पर्यटक पहुंचे। नैनीताल होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने कहा कि यह वीकेंड निराश करने वाला रहा। अब आवासीय विद्यालयों का खुलना शुरू हो जाएगा तो अगले वीकेंड से सैलानियों की आमद बढ़ने की उममीद है। इस माह पर्यटन की स्थिति सामान्य रहेगी।

छात्रवृति परीक्षा के लिए सुमित, अभिषेक चयनित

नैनीताल। राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृति परीक्षा 2025-26 हेतु नैनीताल जिले के भीमताल विकास खंड में स्थित राजकीय इंटर कालेज मंगोली के दो छात्रों सुमित मेहरा और अभिषेक गोस्वामी का चयन हुआ है। विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्रशेखर जोशी ने बताया कि इन छात्रों को कक्षा 9 से कक्षा 12 तक प्रति माह 1 हजार रुपए की धनराशि छात्रवृत्ति के रूप में मिलेगी। समस्त कालेज के सभी गुरुजनों व कर्मियों व छात्रों ने दोनों मेधावी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

हिमानी आर्य बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए चयनित

नैनीताल। नगर के मोहन लाल साह बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा हिमानी आर्य का चयन 69वीं विद्यालयी राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता अंडर 19 में हुआ है, जिसका आयोजन बंगलुरु (कर्नाटक) में 5 से 9 फरवरी 2026 तक होना है। बता दें हिमानी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए रवाना हो गयी है। मेधावी छात्रा हिमानी की इस बेहतरीन कामयाबी पर विद्यालय के मैनेजर विनय साह, प्रधानाचार्या शबनम अहमद समेत रश्मि पुरोहित, पूनम दुहन, कालेज की क्रीड़ा प्रभारी पुष्पा दरमवाल समेत स्मस्त स्टाफ एवं कोच मनोज कुमार, भगवत मेर, सुनील कुमार और कमल बिष्ट ने बधाई दी है और सभी ने छात्रा के उज्वल भविष्य की कामना की है।

भाजपाइयों ने टीवी स्क्रीन पर सुना देश का बजट

केंद्रीय बजट पर नैनीताल में लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया रही

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। संसद में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट को नैनीताल के राज्य अतिथि गृह में जनप्रतिनिधियों व भाजपाईयों तथा अन्य लोगों ने सामूहिक रूप से टीवी स्क्रीन पर सुना गया।

यह कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदा. धिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा व्यापारी प्रतिनिधियों एवं प्रतिष्ठित नागरिकों ने सहभागिता की। यह कार्यक्रम जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट के दिशा निर्देश पर तथा मंडल अध्यक्ष नितिन कार्की के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नैनीताल विधान सभा की विधायक सरिता आर्या की गरिमामयी उपस्थिति रही जिससे आयोजन को विशेष महत्व प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में दर्जा राज्य मंत्री शांति मेहरा व दर्जा राज्य मंत्री दिनेश आर्या की उपस्थिति भी रही। इसके साथ ही संयोजक मोहित लाल साह तथा सह संयोजक भूपेंद्र बिष्ट, प्रभारी प्रकाश आर्य, संजय वर्मा, भारत सिंह मेहरा व महिला मोर्चा अध्यक्ष अमिता साह समेत कई भाजपाई मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय बजट को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा बजट में देश के विकास, गरीब, कल्याण, किसान, महिला, युवा एवं बुनियादी ढांचे से जुड़े प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित जनों ने बजट को विकसित भारत की दिशा में एक मजबूत और दूरदर्शी कदम बताते हुए इसकी सराहना की।

निराशाजनक बजट की हैट्रिक: खष्टी बिष्ट

नैनीताल। जिला महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष व पूर्व दर्जा राज्य मंत्री खष्टी बिष्ट ने आम बजट 2026 को बेहद निराशाजनक बताते हुए महज एक काल्पनिक सोच बताया। कहा कि पिछले बजट के हवाई किले और असफलता से भी सीख न लेते हुए वित्त मंत्री ने नया कुछ नहीं जोड़ा है बल्कि फिर से जनता को भ्रमित करके छला है। युवाओं तथा महिलाओं और किसानों के लिए सिर्फ स्कीमें ही नजर आती हैं जो धरातल से कोसों दूर हैं। अस्पतालों और इलाज में छूट देने की बात कही गई थी, इसी प्रकार इस बार कुछ दवाइयों में छूट देकर इतिश्री की है। देश में तीन नए एमस की तर्ज पर आयुर्वेद जैसे हॉस्पिटल विकसित करने की बात से साफ झलकता है कि यह योजना भी निजी हाथों में दी जाएगी। कहा कि वित्त मंत्री ने आमजन को तीसरी बार छल कर निराशाजनक बजट की हैट्रिक लगायी है।

पर्यटन को अपेक्षित वित्तीय समर्थन नहीं मिला: बिष्ट

नैनीताल। नैनीताल होटल एंड रैस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने बजट में उत्तराखंड, हिमाचल और जममू कश्मीर के लिए ट्रैकिंग व हाइकिंग ट्रेल्स की घोषणा को सकारात्मक कदम बताया लेकिन साथ ही कहा कि इन ट्रेल्स का वास्तविक स्वरूप और क्रियान्वयन आने वाला समय ही बताएगा। उन्होंने बताया कि बजट का कुल आकार 12.2 लाख करोड़ रुपये रखा गया है जो पिछले वर्ष से अधिक है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उत्तराखंड को इसमें कितना हिस्सा मिलेगा। बिष्ट ने कहा कि 2027 में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और पर्यटन ही यहां रोजगार का मुख्य साधन है बावजूद इसके इस सेक्टर को अपेक्षित वित्तीय समर्थन नहीं मिला।

कई मामलों में निराशाजनक रहा बजट: फर्त्याल

नैनीताल। युवा कांग्रेसी नेता व मल्लीताल व्यापार मंडल के महामंत्री त्रिभुवन सिंह फर्त्याल ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में प्रथम बार दिन रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा 9वीं बार पेश केंद्रीय बजट उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य के परिप्रेक्ष्य में कई मामलों में निराशाजनक रहा। आगामी वित्तीय वर्ष में उत्तराखंड राज्य में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत आम जनमानस ने बहुत अधिक उम्मीद लगा रखी थी किंतु निराशा हाथ लगी। उत्तराखंड राज्य जोकि लगभग 70 फीसदी वनाच्छादित होने के चलते पूरे उत्तर भारत का आकसीजन सिलेंडर के साथ ही साथ वर्षभर लगभग 94000 करोड़ के मूल्य की वन आधारित सेवा राष्ट्र को प्रदत्त करता है लेकिन बहुप्रतिक्षित मांग ग्रीन बोनस जोकि प्रदेश वासियों का अधिकार है, के नाम पर निराशा हाथ लगी।

मध्यम वर्ग को टैक्स में राहत नहीं मिली: संजय नागपाल

नैनीताल। नैनीताल के वरिष्ठ कारोबारी संजय नागपाल ने एमएसएमई सेक्टर पर सरकार के फोकस को रोजगार सृजन के लिहाज से सकारात्मक बताया, लेकिन मध्यम वर्ग को टैक्स में राहत न मिलने पर निराशा जताई। कहा कि सरकार का ध्यान सिर्फ चार धाम तक सीमित है जबकि नैनीताल और मसूरी जैसे ब्रिटिशकालीन पर्यटन स्थलों की अनदेखी हो रही है, पर्यटकों को नैनीताल पैक है कहकर वापस भेजना पर्यटन के लिए नुकसानदेह है, साथ ही कोई ठोस बजट पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के लिए सुविधा होनी चाहिए ताकि वह बार बार उत्तराखंड घूमने आएं और यहां की अर्थव्यवस्था को बल मिले।

ट्रांसपोर्ट को अच्छा बजट दिया: अमनदीप सिंह

नैनीताल। तल्लीताल व्यापार मंडल के महासचिव अमनदीप सिंह आनंद ने बजट को संतोषजनक बताते हुए इनकम टैक्स में छूट, कृषि क्षेत्रा और परिवहन के लिए प्रावधानों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट को अच्छा बजट दिया गया है। उत्तराखंड में अन्य राज्यों के साथ कनेटिविटी को मजबूत करना बहुत जरूरी है जिसमें कुमाऊ में रोड, रेल व एयर ट्रैवल को सुगम बनाना बेहद जरूरी है ताकि लोगों को दिक्कतों का सामना ना करना पड़े।

बजट विकासोन्मुख: पुनीत टंडन

नैनीताल। श्री मां नयना देवी व्यापार मंडल के अध्यक्ष पुनीत टंडन ने बजट को विकासोन्मुख बताया और कहा कि हॉस्पिटैलिटी, मेडिकल सेक्टर और महिलाओं को प्रोत्साहन देने के प्रावधान सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के प्रति सरकार ने प्रवाधान बनाए है इस बजट में हॉस्पिटलिटी व मेडिकल सुविधाओं पर राहत मिली है। मेडिकल सुविधाएं व महिलाओं को प्रोत्साहन देने में सरकार योगदान कर रही है और लोगों को लाभ मिल रहा है। उत्तराखंड में पर्यटकों के आने के लिए बुनियादी सुविधाएं जैसे वन्देमातरम ट्रेन की मांग कब से कि जा रही है। उन्होंने कहा कि कुछ इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए था जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।

राहत भरा कदम: रुचिर साह

नैनीताल। नैनीताल के युवा होटल व्यवसाई रूचिर साह ने आउटबाउंड टूरिज्म पर टीसीएस को घटाकर 2 प्रतिशत करने को राहत भरा कदम बताया, लेकिन घरेलू और विदेशी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ठोस नीति न होने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर बजट से उम्मीदें तो थीं लेकिन पहाड़ी पर्यटन राज्यों के लिए यह बजट अभी अधूरा सा नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि साल 2019 के बाद विदेशी पर्यटकों के आने की संख्या में कमी आई है।

टूरिज्म एवं मेडिकल टूरिज्म को बजट से फायदा मिलेगा

नैनीताल। कुमाऊं विवि शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी ने कहा कि उत्तराखंड में टूरिज्म एवं मेडिकल टूरिज्म को बजट से फायदा मिलेगा। शिक्षा में 9 प्रतिशत की वृद्धि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बेहतर उपयोग तथा स्किल विश्वविद्यालय तथा बजट में तीन नए एमस बनाने का निर्णय स्वागत योग्य है । आत्मनिर्भर भारत को 2000 करोड़ तथा नवाचार को बढ़ावा दिया गया है। इन्फास्ट्रक्चर पर सकारात्मक कदम दिखाता है जो आर्थिक विकास एवं परियोजनाओं के क्रियान्वयन को दिखाता है। दस हजार करोड़ रुपया ग्रोथ फंड से भारत आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ेगा तथा विदेश में शिक्षा तथा घूमना सस्ता होना बेहतर कदम है। बजट संतुलित तथा विकासोन्मुखी है।

युवाओं के लिए बनाया गया है: आदित्य बोहरा

नैनीताल। भाजपा युवा मोर्चा भवाली मंडल अध्यक्ष आदित्य बो. हरा ने केंद्र सरकार के केंद्रीय बजट की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह बजट खास तौर पर युवाओं के लिए बनाया गया है। इसमें आर्थिक विकास, कौशल बढ़ाने और सबका साथ सबका विकास पर जोर दिया गया है।

विकसित भारत का स्पष्ट रोडमैप: डा.मोहित रौतेला

नैनीताल। भाजपा युवा मोर्चा उत्तराखंड के प्रदेश संयोजक डा.मोहित रौतेला ने कहा कि केंद्रीय बजट केवल आय-व्यय का लेखा जोखा नहीं बल्कि विकसित भारत की दिशा में एक स्पष्ट रोडमैप है, इसमें गरीब की सुरक्षा, किसान की समृद्धि तथा युवा के रोजगार, महिला की आत्मनिर्भरता और मध्यम वर्ग की राहत सभी का संतुलित ध्यान रखा गया है। यह बजट अवसर पैदा करता है, बुनियादी ढांचा मजबूत करता है और भारत को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करता है।

अर्थशास्त्री डा. हरीश चन्द्र जोशी ने केंद्रीय बजट को बताया विकासउन्मुख

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। अर्थशास्त्री डा. हरीश चंद्र जोशी ने केंद्रीय बजट -2026 को विकासउन्मुख बजट करार दिया है। उनका मानना है कि बजट में सरकार ने लघु मध्यम और सूक्ष्म उद्योगों पर विशेष ध्यान दिया है जिससे मध्यम वर्ग को विशेष लाभ मिलेगा। गांव घरों में जो छोटे-छोटे लघु और कुटीर उद्योग हैं उनको बल मिलेगा। बढ़ावा मिलेगा जिससे ग्रामीण अंचल से पलायन कम होगा और स्वरोजगार की ओर आम जनमानस बढ़ेगा। कहा कि लखपति दीदी योजना और सिमाट योजना के माध्यम से और हर जिले में छात्राओं के लिए छात्रावास की बात कह कर इस बजट ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में नई उममीद जगाई है। उत्तराखंड के लिए पर्यटन और मेडिकल पर्यटन की बात कहकर उत्तराखंड पर्यटन को मजबूत करने की बात कही है। पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी का विशेष प्रावधान देकर कहीं ना कहीं देश के विकास को पंख लगाने की बात इस बजट में कही गई है। शिक्षा नवाचार, कौशल विकास कार्यक्रम पर बजट में विशेष बल दिया गया है जिससे उत्तराखंड के साथ-साथ संपूर्ण देश को लाभ मिलेगा।

भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला बजट: दीपांशु शर्मा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भाजपा नगर कार्यालय मंत्री दीपांशु शर्मा ने केंद्रीय बजट 2026 को भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला दूरदर्शी बजट बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट किसान, युवा और एमएसएमई को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है, जो समावेशी विकास, नवाचार और पूंजी निवेश को नई मजबूती प्रदान करता है। दीपांशु शर्मा ने कहा कि यह बजट विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर एक ठोस और निर्णायक कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट देश की उत्पादकता बढ़ाने, प्रतिस्पर्धा को सशक्त करने और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने वाला है।

कर्नाटक की संस्कृति पर दी प्रस्तुतियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पीएम श्री राजकीय बालि. का इंटर कालेज दौलिया में एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत सहयोगी राज्य कर्नाटक पर आधारित विविध शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्रधानाचार्य कल्पना जोशी ने की, जबकि विभिन्न गतिविधियां प्रवक्ताओं के मार्गदर्शन में संपन्न हुईं। इस अवसर पर प्रवक्ता अभिलाषा कीर्ति ने एक भारत श्रेष्ठ भारत विषय पर अपने विचार व्यक्त किए तथा छात्राओं से सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे।

कक्षा 11 की छात्राओं नियति एवं योग्यता द्वारा कन्नड़ भाषा में मनमो. हक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पॉलिथीन मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कक्षा 11 की छात्रा मनसा नैनवाल ने कन्नड़ भाषा में पॉलिथीन का उपयोग न करने की शपथ दिलाई। वहीं कक्षा 11 की छात्राएं उमा सैनी एवं गीतांजलि ने चार्ट के माध्यम से कर्नाटक राज्य की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक जानकारी विस्तार से प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा विषय पर नाटक, भाषण, कविता एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। प्रवक्ता प्रियंका चम्याल ने छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों की विस्तृत जानकारी दी तथा सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक किया। इस आयोजन में कंचन पाण्डेय, सहायक अध्यापिका, ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला बजट: अजय भट्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल-उधम सिंह नगर के सांसद और पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2026 के केंद्रीय बजट की सराहना की। उन्होंने इसे देश के उज्जवल भविष्य के लिए एक दूरदर्शी और कर्तव्यनिष्ठ बजट बताया। अजय भट्ट ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कर्तव्य भवन की भावना को साकार करता है और यह सरकार की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने वित्त मंत्री को उनके लगातार नौवें बजट के लिए बधाई दी और इसे नीति स्थिरता और सुशासन की निरंतरता का प्रतीक बताया। भट्ट ने इस बजट को 'यूथ ड्राइवेन' बताया, जिसमें युवाओं के नवाचारी विचारों को शामिल कर उन्हें राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, और बायोफार्मा क्षेत्र में बड़े निवेश की घोषणा की गई, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए रुपये 40,000 करोड़ और बायोफार्मा उद्योग के लिए रुपये 10,000 करोड़ का प्रावधान किया गया। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल के तहत खादी और ग्रामीण शिल्प को वैश्विक पहचान मिलेगी, जबकि पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्रों के विकास के साथ-साथ सड़क परिवहन और रक्षा क्षेत्र में निवेश से समग्र प्रगति को गति मिलेगी।

सरस्वती विहार में प्रवेश परीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नगर के दुर्गापुर क्षेत्र में स्थित प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान पार्वती प्रेमा जगाती सरस्वती विहार नैनीताल में रविवार को सत्र 2026-27 हेतु प्रवेश परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। लगातार हो रही भीषण वर्षा के बावजूद सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक परीक्षा में सहभागिता की। इस दौरान जहाँ एक ओर विद्यार्थी परीक्षा कक्षों में पूर्ण एकाग्रता के साथ प्रवेश परीक्षा दे रहे थे वहीं दूसरी ओर विद्यालय परिसर के सभागार में विद्यालय एक परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मकसद अभिभावकों को विद्यालय की शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक शिक्षा प्रणाली से अवगत कराना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. सूर्य प्रकाश ने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं होता, बल्कि यह संस्कार, अनुशासन और सर्वांगीण विकास का केंद्र होता है। उन्होंने गुरुकुल परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थी का शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक एवं नैतिक विकास एक साथ किया जाता था। कहा कि पार्वती प्रेमा जगाती सरस्वती विहार उसी गुरुकुलीय भावना को आधुनिक शिक्षा के साथ समन्वित कर आगे बढ़ा रहा है जहाँ शिक्षा के साथ.साथ संस्कारों को विशेष महत्व दिया जाता है। विद्यालय के शैक्षिक प्रभारी उमेश शर्मा ने विद्यालय की एकेडमिक प्रणाली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यहां शिक्षण कार्य पूरी तरह योजनाबद्ध ढंग से संचालित किया जाता है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन, अभ्यास, संवे. दनशीलता और अध्ययन का संतुलन स्थापित किया जाता है। उन्होंने पाठ्यक्रम, मूल्यांकन प्रणाली, सह. शैक्षिक गतिविधियों तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। वहीं माध्यमिक वर्ग के समन्वयक एवं वरिष्ठ आचार्य, हिंदी प्रवक्ता डा. माधव प्रसाद त्रिपाठी ने बोर्डिंग स्कूल से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे वहीं दूसरी ओर विद्यालय के अभिभावक श्रीमती जागृति व श्री चंदोला तथा पूर्व छात्र सोहम केतकर ने भी विचार व्यक्त किये। अंत में प्रधानाचार्य डा. सूर्य प्रकाश ने प्रवेश परीक्षा के सफल आयोजन में सहयोग के लिए पुलिस प्रशासन, रेलवे प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद नैनीताल का धन्यवाद व्यक्त किया साथ ही जानकारी दी की परीक्षाफल 4 मार्च 2026 बुधवार को वेबसाइट पर घोषित किया जाएगा। संचालन अतुल पाठक ने किया एवं इस परीक्षा के कुशल संचालन एवं व्यवस्था में तीनस, प्रियांशु जोशी, श्री विष्णु व रजत का सहयोग रहा।

गुमशुदा युवती चिमटाखाल क्षेत्र से सकुशल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। थाना भतरौजखान पुलिस की त्वरित कार्रवाई से गुमशुदा 22 वर्षीय युवती को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। जानकारी के अनुसार बीते 28 जनवरी को क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने थाना भतरौजखान में सूचना दी कि उनकी पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अवनीश कुमार के नेतृत्व में चौकी प्रभारी मोहन चन्द्रा एवं पुलिस टीम द्वारा तत्काल तलाश अभियान शुरू किया गया। संभावित स्थानों पर सुरागरसी-पतारसी के दौरान युवती को चिमटाखाल क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया गया। युवती के सुरक्षित मिलने पर परिजनों ने अल्मोड़ा पुलिस की सराहनीय कार्यवाही के लिए आभार व्यक्त किया।

सोलर प्लांटों का किया फायर रिस्क निरीक्षण

अल्मोड़ा। अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षा मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फायर स्टेशन रानीखेत द्वारा बग्वाली पोखर क्षेत्र में स्थापित सोलर प्लांटों का फायर रिस्क निरीक्षण किया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी नरेंद्र सिंह कुंवर के पर्यवेक्षण में प्रभारी अग्निशमन अधिकारी गणेश चंद्र द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान सोलर प्लांट परिसरों में उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों, सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा उनके रखरखाव की स्थिति का परीक्षण किया गया। साथ ही आवश्यक सुधार के लिए निर्देशित किया। इसके उपरांत प्लांट में कार्यरत कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा, विद्युत सावधानियों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित बचाव उपायों की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

विदर्भ ने उत्तर प्रदेश को चार विकेट से हराया

नागपुर, वार्ता। अमन मोखाड़े (83) और दानिश मालेवर (54) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत विदर्भ ने रविवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मुकाबले के चौथे दिन उत्तर प्रदेश को चार विकेट से हराया। यहां विदर्भ ने कल 91 रन पर चार विकेट से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में 173 के स्कोर पर अमन मोखाड़े के रुप में विदर्भ का पांचवां विकेट गिरा। उन्हें शिवम शर्मा ने आर्यन के हाथों कैच आउट कराया। अमन मोखाड़े ने 150 गेंदों में 10 चौके लगाते हुए 83 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। मुकाबला जीतने के बेहद करीब विदर्भ को ध्रुव जुरेल ने दानिश मालेवर को विकेटकीपर आदित्य शर्मा के हाथों कैच आउट करा दिया। इसी ओवर की दूसरी गेंद पर नचिकेत भूटे ने छक्का लगाकर विदर्भ को चार विकेट से जीत दिला दी। उत्तर प्रदेश के लिए शिवम शर्मा ने चार विकेट लिए।

देविका सिंहाग ने थाईलैंड मास्टर्स में जीता अपना पहला सुपर 300 खिताब

● देविका सिंहाग ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया और फाइनल में मलेशियाई खिलाड़ी गोह जिन वेई को हराया

बैंकॉक, वार्ता। भारत की देविका सिंहाग ने बड़े मंच पर शानदार तरीके से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, उन्होंने थाईलैंड मास्टर्स 2026 में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 खिताब जीता। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया और फाइनल में मलेशिया की गोह जिन वेई को हराया। 20 साल की देविका ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम नहीं हारा और मजबूत अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार शानदार प्रदर्शन किया। उनका सबसे यादगार पल क्वार्टर फाइनल में आया, जहां उन्होंने टॉप सीड सुपाणिडा कैथोंग को हराया, जिससे खिताब की ओर उनके शानदार सफर की शुरुआत हुई।

फाइनल में, देविका ने मलेशिया की गोह के खिलाफ पूरा कंट्रोल बनाए रखा, जो यूथ ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और दो बार की जूनियर वर्ल्ड चैंपियन हैं। भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम 21-8 से जीता, जिसमें उन्होंने अपने तेज अटैक और कोर्ट कवरेज का शानदार प्रदर्शन किया। दूसरे गेम में वह 6-3 से आगे थीं, जब गोह को रिटायर होना पड़ा, जिससे देविका ने आसानी से खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ, देविका सुपर 300 महिला सिंगल्स खिताब जीतने वाली सिर्फ तीसरी भारतीय महिला बन गई हैं, और वह पीवी सिंधु और सायना नेहवाल जैसी दिग्गज खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं।

विश्व कप के लिए पूरी टीम तैयार: सूर्या

● भारत ने कीवियों के खिलाफ सीरीज में 4-1 से शानदार जीत हासिल की, जिससे आने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए उनकी तैयारी पूरी हो गई

तिरुवनंतपुरम, वार्ता। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 4-1 से शानदार जीत हासिल की, जिससे आने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप के लिए उनकी तैयारी पूरी हो गई।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के मुताबिक, श्रीलंका के साथ टूर्नामेंट के को-होस्ट भारत, पूरी सीरीज में ब्लैक कैप्स को हर डिपार्टमेंट में हराकर वर्ल्ड कप में अपनी तरफ से मोमेंटम के साथ उतर रहा है। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव, जो पहली बार किसी आईसीसी इवेंट में टीम की कप्तानी करेंगे, ने अपने पर्सनल फॉर्म और टीम के ओवरऑल परफॉर्मेंस दोनों पर खुशी जताई, साथ ही अच्छे नतीजों के बावजूद सीखने की अहमियत पर जोर दिया।

पांचवें टी-20 में भारत की जीत में 63 रन बनाने के बाद प्लेयर ऑफ द सीरीज बने सूर्यकुमार ने कहा कि हम खुश हैं। जब आप किसी टीम की कप्तानी कर रहे हों तो रन बनाना हमेशा अच्छा होता है, आप मिसाल बनकर लीड करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एक टीम के तौर पर, चीजें बहुत अच्छी चल रही हैं। लेकिन जब हम जीतते हैं, तो हम उससे सीखने और अगले गेम या सीरीज में सुधार करने की भी कोशिश करते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि इस सीरीज ने 7 फरवरी से शुरू होने वाले ग्लोबल टूर्नामेंट से पहले कीमती तैयारी का मौका दिया। उन्होंने कहा कि ए पांच गेम टी-20 वर्ल्ड कप कैंपेन शुरू करने से पहले अच्छी तैयारी थे। लड़के और मैं बहुत उत्साहित हैं। भारत का टॉप ऑर्डर सीरीज का एक बड़ा आकर्षण था, जिसमें सूर्यकुमार के साथ ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने जबरदस्त शुरुआत दी। किशन ने 43 गेंदों पर 103 रन बनाकर सीरीज के सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक किया, जिससे भारत अपने तीसरे सबसे बड़े टी-20 टोटल तक पहुंचा। सूर्यकुमार ने कहा कि हम हमेशा जानते थे कि ईशान क्या कर सकता है। ष्हम चाहते थे कि वह उसी तरह बैटिंग करे, अपनी पहचान न बदले, चाहे वह ओपनिंग करे या नहीं।

उन्होंने आगे कहा कि टॉप पर किशन और शर्मा के आक्रामक रवैए ने मिडिल ऑर्डर और फिनिशर्स पर दबाव कम किया। टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू होने वाला है, जिसमें भारत का लक्ष्य टूर्नामेंट से पहले के अपने अच्छे फॉर्म को ग्लोबल स्टेज पर सफलता में बदलना है।

अवैध एक्शन के लिए अमेरिका की खिलाड़ी को किया सस्पेंड

काठमांडू, वार्ता। अमेरिका की सीम बॉलर इसानी वाघेला को इंटरनेशनल क्रिकेट में बॉलिंग करने से सस्पेंड कर दिया गया है, क्योंकि आईसीसी इवेंट पैनल ने पुष्टि की है कि वह अवैध बॉलिंग एक्शन का इस्तेमाल करती हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, यह फैसला मैच अधिकारियों की एक रिपोर्ट के बाद लिया गया, जब नेपाल में हो रहे आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर 2026 में आयरलैंड के खिलाफ अमेरिका के मैच के दौरान वाघेला को देखा गया था। आईसीसी के अनुसार, इवेंट पैनल ने वाघेला के अगले मैच के बॉलिंग एक्शन के मैच फुटेज की समीक्षा की और निष्कर्ष निक. ाला कि यह बॉलिंग एक्शन को नियंत्रित करने वाले नियमों का पालन नहीं करता है। नतीजतन, उन्हें आईसीसी नियमों के अनुच्छेद 6-7 के तहत तत्काल प्रभाव से इंटरनेशनल क्रिकेट में बॉलिंग करने से सस्पेंड कर दिया गया है। यह सस्पेंशन तब तक रहेगा जब तक वाघेला अपने बॉलिंग एक्शन का फिर से मूल्यांकन नहीं करवा लेतीं और उन्हें बिना किसी अवैध एक्शन के बॉलिंग करने की अनुमति नहीं मिल जाती।

नवाचार को बढ़ावा देने के लिए खेलों से संबंधित एक समर्पित पहल का प्रस्ताव

खेल क्षेत्र रोजगार के बहुत सारे साधन, कौशल और नौकरियों के अवसर प्रदान करता है

नई दिल्ली, वार्ता। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए कहा कि उच्च गुणवत्तापूर्ण, किफायती खेल सामान के लिए भारत के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरकर सामने आने की क्षमता का लाभ उठाने के लिए खेलों के सामान से संबंधित एक पहल का देश में शुभारंभ किया जाएगा।

खेलों से संबंधित सामान पर की गई घोषणा तीन कर्तव्यों के पहले कर्तव्य पर केंद्रित है, जो इस वर्ष के बजट के स्तंभों का निर्माण करती हैं, अर्थात आर्थिक वृद्धि को गति देना और उसको बनाए रखना, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बेहतर करना और उथल-पुथल वाले वैश्विक डायनेमिक्स के प्रति लचीलेपन का निर्माण करना। खेलों के सामान से संबंधित इस पहल का उद्देश्य उपकरण डिजाइन और सामग्री विज्ञान दोनों में विनिर्माण, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है। केंद्रीय बजट ने एक और महत्वपूर्ण प्रस्ताव किया है, जो देश के खेलों से संबंधित इकोसिस्टम को मजबूत करेगा। अपने बजट भाषण में श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि खेल क्षेत्र रोजगार के बहुत सारे साधन, कौशल और नौकरियों के अवसर प्रदान करता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम के द्वारा खेलों से जुड़ी प्रतिभाओं के व्यवस्थित बढ़ावा देने को और आगे ले जाने के लिए मैं खेलो इंडिया मिशन के शुभारंभ का प्रस्ताव करती हूं, जो अगले एक दशक में खेल क्षेत्र का कायाकल्प कर देगा। यह कदम बजट में रेखांकित किए गए दूसरे कर्तव्य के अनुरूप है, अर्थात देश के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और उनकी क्षमताओं को विकसित करना, ताकि वे भारत की समृद्धि के मार्ग में मजबूत भागीदार बन सकें। जैसा कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, खेलो इंडिया मिशन निम्नलिखित को सुगम बनाएगा। एक एकीकृत प्रतिभा विकास मार्ग, जो बुनियादी, इंटरमीडियट और एलीट स्तर पर प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा समर्थित होगा।

विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलेंगे तिलक

● रणजी ट्रॉफी के दौरान लगी चोट के बाद अंडकोष की सर्जरी कराने के चलते वे लगभग वे एक महीने से मैदान से बाहर थे

मुंबई, वार्ता। भारत के बल्लेबाज तिलक वर्मा को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से खेलने की मंजूरी मिल गई है और वह 2026 टी-20 विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलेंगे। जनवरी की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी के दौरान लगी चोट के बाद अंडकोष की सर्जरी कराने के चलते वे लगभग एक महीने से मैदान से बाहर थे। तिलक पहले 2 फरवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ इंडिया ए टीम की ओर से खेलेंगे और इसके बाद 4 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के अभ्यास मैच में हिस्सा लेंगे। भारत का 2026 टी-20 विश्व कप में पहला मैच 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ है। तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में नहीं खेल पाए और उनकी गैरमौजूदगी में भारत ने लगभग सभी मैचों में नंबर तीन पर इशान किशन को खिलाया। सर्जरी के बाद तिलक सीओई में रिकवरी कर रहे थे और बीसीसीआई के एक बयान में 26 जनवरी को कहा गया था कि वे अपनी रिहैबिलिटेशन में लगातार प्रगति कर रहे हैं। ऑलराउंडर सुंदर भी इस सीरीज से बाहर रहे और आने वाले दिनों में उनका फटिनेस टेस्ट होने की उम्मीद है। रियान पराग कंधे की चोट के कारण लगभग दो महीने से नहीं खेले हैं और वे भी टी-20 विश्व कप से पहले इंडिया ए के दो अभ्यास मैच खेलेंगे। इनमें से दूसरा मैच 6 फरवरी को बेंगलुरु स्थित सीओई में नामीबिया के खिलाफ होगा। भारत 2026 टी-20 विश्व कप में ग्रुप ए में है और 7 फरवरी को मुंबई में अमेरिका, 12 फरवरी को दिल्ली में नाम. ीबिया, 15 फरवरी को कोलंबो में पाक और 18 फरवरी को अहमदाबाद में नीदरलैंड्स के खिलाफ उनका मुक़ाबला है।

कृष्णा मेनन ने अपना ही शॉट पुट रिकॉर्ड तोड़ा

● कृष्णा जयशंकर मेनन ने 6.63 मी. थ्रो के साथ खिताब जीता और अपने पिछले 16.03 मी. के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो उन्होंने पिछले साल अल्बुकर्क में किया था

अमेरिका, वार्ता। भारत की कृष्णा जयशंकर मेनन ने शनिवार को न्यू मैक्सिको टीम ओपन 2026 एथलेटिक्स मीट में महिलाओं के इंडोर शॉट पुट स्पर्धा में अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर करते हुए खिताब अपने नाम किया। पूर्व भारतीय बास्केटबॉल खिलाड़ी प्रसन्ना और जयशंकर मेनन की बेटी कृष्णा ने 16.63 मीटर थ्रो के साथ खिताब जीता और अपने पिछले 16.03 मीटर के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया, जो उन्होंने पिछले साल अल्बुकर्क में ही हासिल किया था। हन्ना रिचर्डसन (15.94 मीटर) और एलेशा लेन (14.52 मीटर) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। नियमों के अनुसार, नेशनल रिकॉर्ड को एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) से मंजूरी मिलनी शेष है।

इस महीने की शुरुआत में नेवादा इंटरनेशनल जीतने के बाद इस साल अपनी दूसरी मीट में हिस्सा लेते हुए, कृष्णा ने 15.99 मीटर के प्रयास के साथ शाम का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अपने दूसरे थ्रो में हासिल किया। उन्होंने प्रतियोगिता की शुरुआत 14.45 मीटर के सामान्य थ्रो से की, जिसे उन्होंने अपने दूसरे थ्रो में सुधार कर 16-63 मीटर कर दिया। अपने तीसरे प्रयास में फाउल करने के बाद, कृष्णा ने 14.82 मीटर और 14.92 मीटर दर्ज किया और अपने आखिरी थ्रो में फिर से फाउल कर दिया। 23 साल की कृष्णा पिछले साल माउंटेन वेस्ट इंडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में 16.03 मीटर के प्रयास के साथ महिलाओं के इंडोर शॉट पुट में 16 मीटर का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं और उन्होंने पूर्णिमा राव राणे के पिछले 15.54 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ा।

पुड्डुचेरी ने राजस्थान को पांच विकेट से हराया

पुड्डुचेरी, वार्ता। जसवंत श्रीराम (57) और अजय रोहेरा (नाबाद 49) की शानदार पारियों की बदौलत पुड्डुचेरी ने रविवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले के चौथे दिन राजस्थान को पांच विकेट से हरा दिया। यहां पुड्डुचेरी ने कल के दो विकेट पर 51 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में मोि. हत चांगरा ने पुनीत दाते (25) को आउटकर राजस्थान को तीसरी सफलता दिलाई। 31वें ओवर में अजय सिंह ने जसवंत श्रीराम को आउटकर पुड्डुचेरी को चौथा झटका दिया। जसवंत श्रीराम ने 87 गेंदों में सात चौके लगाते हुए 57 रनों की पारी खेली। राममूर्ति राघवन (छह) रन बनाकर मोहित चांगरा का शिकार बने। पुड्डुचेरी ने 44-1 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। राजस्थान के लिए मोहित चांगरा ने चार विकेट लिए। अजय सिंह ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

आयरलैंड ने थाईलैंड को हराकर 2026 महिला टी-20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया

● आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 121 रन बनाए, जबकि थाईलैंड सिर्फ 59 रन पर सिमट गई

नेपाल, वार्ता। अर्लीन केली (चार विकेट), लारा मैकब्राइड (तीन विकेट) के बेहतरीन गेंदबा. जी प्रदर्शन की बदौलत आयरलैंड की महिला टीम ने रविवार को थाईलैंड पर 62 रनों से जीत दर्ज की। इसी के साथ वह 2026 महिला टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली तीसरी टीम बन गई है। जून-जुलाई में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले इस बड़े टूर्नामेंट में वह बंगलादेश और नीदरलैंड्स के साथ शामिल हो गई है। यहां क्वालिफायर के आखिरी दिन थाईलैंड के खिलाफ खेलते हुए, आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 121 रन बनाए। थाईलैंड का टूर्नामेंट में बल्ले से सबसे खराब दिन रहा और आयरलैंड के गेंदबा. जी आक्रमण के आगे उसकी पूरी टीम 16-1 ओवर में सिर्फ 59 रन पर सिमट गई। आयरलैंड को 62 रनों से जीत दर्ज की। गैबी लुईस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, आयरलैंड की टॉप तीन बल्लेबाजों एमी हंटर (15 गेंदों में 24), लुईस (30 गेंदों में 25), और ओर्ला प्रेंडरगास्ट (22 गेंदों में 24) सभी ने अच्छी शुरुआत की और दसवें ओवर के आखिर तक आयरलैंड का स्कोर 71 रन था। 12वें ओवर तक उसके तीनों अनुभवी बल्लेबाज आउट हो चुके थे। लुईस लिटिल ने 18 गेंदों में 14 रन बनाए, और जेन मैगुइरे 12 गेंदों में 15 रन बनाकर नाबाद रहीं। थाईलैंड के लिए लेगस्पिनर सुलीपोर्न लाओमी ने 24 रन देकर चार विकेट लिए। सुनीदा चतुरोंगरताना को दो विकेट मिले। इसके बाद 122 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थाईलैंड के बल्लेबाज आयरलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सके। कप्तान नारुएमोल चाईवाई ने सर्वाधिक 22 रन बनाए। उनके अलावा नन्नापत कोंचारोएनकाई 15 रन बनाकर आउट हुईं। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 26 रनों की साझेदारी हुई। शेष नौ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। आयरलैंड के लिए अर्लीन केली ने चार ओवर में सात रन देकर चार विकेट झटके, जबकि ऑफस्पिनर लारा मैकब्राइड ने छह रन देकर तीन विकेट लिए एमी मैगुइरे को दो विकेट मिले। ओरला ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

माया को मुंबई ओपन के मुख्य ड्रा के लिए वाइल्ड कार्ड

● माया राजेश्वरन ने पिछले सीजन में अपना ब्रेकआउट टूर्नामेंट खेला था, जिसमें उन्होंने अपने से कई ज्यादा रैंक वाली खिलाड़ियों को हराया था

मुंबई, वार्ता। 16 साल की सेंसेशन माया राजेश्वरन रेवती एल एंड टी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125के सीरीज में वाइल्ड कार्ड के तौर पर मेन ड्रॉ में वापसी कर रही हैं। यह टूर्नामेंट 2 से 8 फरवरी, 2026 तक मुंबई में महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन में होगा।

माया ने पिछले सीजन में अपना ब्रेकआउट टूर्नामेंट खेला था, जिसमें उन्होंने क्वालिफायर से लेकर मेन ड्रॉ सेमीफाइनल तक कई ज्यादा रैंक वाली इंटरनेशनल खिलाड़ियों को हराया था। उन्हें आखिर में चैंपियन बनी जिल टीचमैन ने बाहर कर दिया था। अपने दूसरे एडिशन में, माया मेन ड्रॉ के पहले राउंड में थाईलैंड की पांचवीं सीड लानलाना तारारुडी से भिड़ेंगी, क्योंकि वह पिछले साल टूर्नामेंट में अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहती हैं। मुंबई ओपन के 2025 एडिशन में अपने शानदार प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए माया ने कहा कि 2025 मुंबई ओपन मेरे ब्रेकआउट टूर्नामेंट में से एक था और मुझे घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का चैलेंज बहुत पसंद आया।

2025 मेरे लिए एक अच्छा साल था क्योंकि मैंने बहुत यात्रा की, कई टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और कई ज्यादा रैंक वाली खिलाड़ियों के साथ खेला, जिससे मुझे कीमती अनुभव मिला। यह पहली बार था जब मैंने लगातार टूर्नामेंट खेले, जिससे मुझे वर्कलोड मैनेजमेंट को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। पिछले एडिशन के शानदार प्रदर्शन के बाद, माया से काफी उम्मीदें हैं, लेकिन वह इससे परेशान नहीं दिखतीं।

फाइनल में हरियाणा से भिड़ेंगी दिल्ली

● दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में महाराष्ट्र केसरी को 5-4 से हराकर प्रो रेसलिंग लीग के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली

नोएडा, वार्ता। दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल 2 में महाराष्ट्र केसरी को कड़े मुकाबले में 5-4 से हराकर प्रो रेसलिंग लीग 2026 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। बाउट दर बाउट उतार-चढ़ाव से भरे इस मुकाबले में दिल्ली ने दबाव में संयम दिखाते हुए जीत दर्ज की और खिताबी मुकाबले में हरियाणा थंडर्स से टक्कर तय की। 57 किग्रा पुरुष वर्ग में शानदार वापसी जीत के लिए शुभम कौशिक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि 57 किग्रा महिला वर्ग में दबदबा दिखाने वाली मनीषा भनवाला को फाइटर ऑफ द मैच का सम्मान मिला।

62 किग्रा महिला मुकाबले में अंजली के दम पर दिल्ली ने शानदार शुरुआत की। दुदोवा बिल्याना झिवकोवा के खिलाफ संयमित और सटीक प्रदर्शन करते हुए अंजली ने टेकडाउन, पुश-आउट और पावर मिनट में निर्णायक चार अंकों की चाल के साथ 12-4 से जीत दर्ज कर दिल्ली को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके जवाब में 57 किग्रा महिला वर्ग में महाराष्ट्र की मनीषा भनवाला ने कार्ला गोडिनेज गोंजालेज पर एकतरफा दबदबा बनाते हुए लगातार टेकडाउन- टर्न संयोजनों से 15-0 की टेक्निकल सुपीरियॉरिटी से जीत दर्ज कर स्कोर बराबर कर दिया। हेवीवेट मुकाबले में महाराष्ट्र का पलड़ा भारी रहा, जहां कप्तान रॉबर्ट बारान ने अपना अपराजेय अभियान जारी रखा। शुरुआती एक्टिविटी प्वाइंट गंवाने के बाद बारान ने दूसरे पीरियड में, खासकर पावर मिनट में, टेकडाउन और एक्सपोजर के जरिए रौनक को 11-1 से हराकर महाराष्ट्र को बढ़त दिलाई। 53 किग्रा महिला वर्ग में निशु भनवाला ने सारिका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में बढ़त को और मजबूत किया। पहले पीरियड की मजबूत शुरुआत के बाद, दूसरे पीरियड में सारिका की जोरदार वापसी के बावजूद महाराष्ट्र ने 7-6 की करीबी जीत के साथ स्कोर 3-1 कर लिया। हार के दबाव में दिल्ली को 57 किग्रा पुरुष वर्ग में शुभम कौशिक के रूप में जीवनदान मिला। घुटने की तकलीफ के बावजूद शुभम ने पावर मिनट में टूर्नामेंट के यादगार पलों में से एक रचते हुए चार अंकों के एक्सपोजर और उसके बाद चार अंकों के टेकडाउन से 11-10 की नाटकीय जीत हासिल की और दिल्ली को मुकाबले में बनाए रखा। 76 किग्रा महिला मुकाबले में यूरा. ेपीय चैंपियन अनस्तासिया अल्पएएवा ने हर्षिता मोर के खिलाफ अनुभव का बेहतरीन नमूना पेश किया। शुरुआती अंक गंवाने के बाद अल्पएएवा ने तेज टेकडाउन और पुश-आउट के जरिए नियंत्रण हासिल किया और 7-5 की जीत के साथ सेमीफाइनल को 3-3 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद 86 किग्रा पुरुष वर्ग में वाफाएईपौर हादी बख्तियार ने अमित के खिलाफ कड़े मुकाबले में 11-9 से जीत दर्ज कर दिल्ली को फिर बढ़त दिलाई। पावर मिनट में लगातार दो टेकडाउन निर्णायक साबित हुए।

जूनियर पुरुष स्कीट टी2 ट्रायल्स में पंजाब का क्लीन स्वीप

नई दिल्ली, वार्ता। डा. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित शॉटगन राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स 1 एवं 2 के अंतर्गत जूनियर पुरुष स्कीट टी2 फाइनल में पंजाब के निशानेबाजों ने पोडियम पर पूरी तरह कब्जा जमाया। हरविराज सिंह, हरजीज सिंह अटवाल और गुरफतेह सिंह संधू ने क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया। वहीं सीनियर वर्ग में अनंतजीत सिंह नरूका ने 36 का परफेक्ट स्कोर कर ट्रायल 2 फाइनल जीता, जबकि महिला वर्ग में यशस्वी राठौड़ ने केवल एक निशाना चूकते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। कड़े मुकाबले वाले सीनियर पुरुष फाइनल में, क्वालिफिकेशन में 120 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहने वाले अनंतजीत सिंह नरूका ने फाइनल में 36 में से 36 निशाने साधे। ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया ने भी 34वें टारगेट तक परफेक्ट स्कोर बनाए रखा, लेकिन आखिरी से पहले वाला निशाना चूक गए और 35/36 के साथ दूसरे स्थान पर रहे। अभय सिंह सेखों ने 30 हिट्स के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में भवतेड़ा 120 के स्कोर के साथ अनंतजीत के बाद दूसरे स्थान पर रहे। ज्योतिरादित्य ने 119 के साथ तीसरा स्थान पाया।

बढ़ेड़ी राजपूतान में इंसानियत ट्रस्ट व सिटी बैंक ने लगाया 77वां रक्तदान शिविर

लुबना राव ने रक्तवीरों को सर्टिफिकेट देकर बढ़ाया हौसला

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। बढ़ेड़ी राजपूतान गांव में रक्तदान महादान इंसानियत ट्रस्ट द्वारा 77 वां रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ रुड़की ब्लॉक प्रमुख लुबना राव ने किया। इस दौरान उन्होंने शिविर संयोजक को बधाई देते रक्तवीरो को मेडल, खाद्य पदार्थ और सर्टिफिकेट भी बांटे। शिविर सफलता पूर्वक संपन्न होने संयोजक पर डॉ राहुल राणा ने डॉक्टरों की टीम का आभार व्यक्त किया।

रक्तदान महादान इंसानियत ट्रस्ट और सिटी चेरिटेबल बैंक के संयुक्त रूप से डॉक्टर राहुल राणा के सौजन्य से बढ़ेडी राजपूतान गांव में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीण युवाओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

जिसमें 45 रक्तवीरो ने रक्तदान किया। इस दौरान मौके पर पहुंची मुख्य अतिथि रुड़की ब्लॉक प्रमुख लुबना राव ने कैंप का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने रक्तदान शिविर में पहुंचे रक्तवीरो को मेडल, खाद्य पदार्थ और गिफ्ट सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने हुए कहा कि रक्त दान से बड़ा कोई दान नहीं होता है। शिविर और ब्लड बैंक की वजह से आज के समय में तीमारदारों और उनके परिजनों को आसानी से ब्लड मिल जाता है। वही इस कार्यक्रम के सयोंजक डॉक्टर राहुल राणा और अनस गाजी ने कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मददगार साबित होते हैं। उन्होंने रक्तदान करने वाले सभी लोगों को अपनी टीम की ओर से प्रमाण पत्र और धन्यवाद स्वरूप विशेष सराहना की गई। शिविर में डायरेक्टर राहुल अरोड़ा, स्वेता ध्यानी, प्रतीक कुमार, सरफराज अहमद, डॉक्टर राहुल राणा, डॉक्टर अजमद खान, रवि कुमार, अनस गाजी, राव हसव्वर,राव मनव्वर, राव रशीद समेत अन्य मौजूद रहे।

सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। कोहरे के चलते नहर पटरी मार्ग पर तांशीपुर के पास एक दर्दनाक सडक हादसे में जीजा साले की मौत हो गयी। एक मृतक उत्तर प्रदेश पुलिस में होमगार्ड है।

जानकारी के अनुसार मोटर साईकिल पर सवार होकर नहर पटरी मार्ग से जाते समय तांशीपुर के पास एक अज्ञात वाहन ने बाईक को जबरदस्त टक्कर मार दी जिससे बाईक सवार दोनों युवक दूर गिरकर गंभीर रूप से लहुलुहान हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को रूडकी सिविल अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने दोनो को मृत घोषित कर दिया। जिसमें एक की पहचान लाल सिंह निवासी बीजोरपुरा जो यूपी पुलिस में होमगार्ड है वह दूसरा उसका साला अमरीश निवासी स्मृति थाना छपार के रूप में हुई। सूचना पाकर दोनो के परिवार वाले भी मौके पर पहुंच गये लेकिन टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन का कुछ पता नहीं चला। मंगलोर कोतवाली प्रभारी ने बताया कि दोनों शवों का पीएम कराया गया। और परिजनों को हादसे की सूचना दी गयी। वही अज्ञात वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

यह बजट न तो अत्यधिक लोकलुभावन है और न ही पूरी तरह कठोर: सुरजीत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। बीएसएम पीजी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर सुरजीत सिंह ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि बजट 2026-27 यह बजट न तो अत्यधिक लोकलुभावन है और न ही पूरी तरह कठोर। यह राजकोषीय अनुशासन और विकास की निरंतरता के बीच संतुलन साधने की कोशिश करता है। सरकार ने स्थिरता को प्राथमिकता दी है, जबकि जनता की आकांक्षाएँ त्वरित राहत की ओर अधिक झुकी हुई हैं। यह बजट ऐसे समय में आया है जब देश एक ओर तेज आर्थिक वृद्धि का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर महंगाई, बेरोजगारी और मध्यम वर्ग की बढ़ती चिंताएँ भी लगातार चर्चा में हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 के बजट में बुनियादी ढांचे, पूंजीगत व्यय और औद्योगिक निवेश पर जोर देकर यह संकेत दिया है कि उसका फोकस दीर्घकालिक विकास पर बना हुआ है। सड़क, रेल, ऊर्जा और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े प्रस्ताव भविष्य में रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों को गति दे सकते हैं। खास तौर पर विनिर्माण और स्टार्ट-अप सेक्टर के लिए किए गए प्रावधानों को उद्योग जगत ने सकारात्मक रूप से देखा है। सरकार ने राजकोषीय घाटे को लगभग 4.3 प्रतिशत रखने का लक्ष्य रखा है, जो य दर्शाता है कि वित्तीय अनुशासन बनाए रखने की कोशिश जारी है। टैक्स नीतियों में प्रक्रियात्मक सुधार और कुछ राहतें दी गई हैं, जैसे विदेश यात्रा, शिक्षा और चिकित्सा भुगतान पर दरों में कमी से छोटे कर धारकों को आयकर प्रक्रिया में सुविधा मिलेगी। हालांकि सीधे तौर पर मध्यम वर्ग के लिए आय-कर दरों में बड़ी छूट नहीं दी गई, लेकिन लंबी अवधि में रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे में निवेश से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। कृषि और ग्रामीण भारत के संदर्भ में बजट में निरंतरता तो दिखाई देती है, लेकिन आय बढ़ाने और लागत घटाने के लिए अपेक्षित संरचनात्मक सुधारों पर अभी और काम बाकी लगता है। किसानों की आय, सिंचाई, भंडारण और बाजार तक सीधी पहुँच जैसे मुद्दे आज भी केंद्र में बने हुए हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए प्रावधानों को भविष्य के निवेश के रूप में देखा जा सकता है, परंतु जमीनी स्तर पर इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर ही इनकी सफलता निर्भर करेगी। बजट 2026 को केवल आंकड़ों के तराजू पर नहीं, बल्कि इस बात पर परखा जाएगा कि यह कितनी तेजी से नीतियों को परिणामों में बदल पाता है। यदि घोषित निवेश जमीन पर उतरते हैं और विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचता है, तभी यह बजट आर्थिक दस्तावेज से आगे बढ़कर जन-आस्था का आधार बन सकेगा।

उधर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष रूडकी राजेंद्र चौधरी एडवोकेट का कहना है कि बजट में युवाओं के लिए अंधेरा है सरकार आर्थिक मोर्चे पर विफल हो गयी है। डॉलर की बढती कीमत, महंगाई, सोने चांदी की आसमान छूती कीमत और शेयर बाजार का लगातार कम होना इसका स्पष्ट उदाहरण है।

पूर्व सीएम व पूर्व राज्यपाल ने किया निशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन

सेवा व समर्पण की अनूठी मिसाल बना स्वास्थ्य शिविर : कोश्यारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। समाज सेवा की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल उस समय देखने को मिली, जब बेटीगंज स्थित जैन धर्मशाला में आयोजित विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी द्वारा किया गया।

युवा भाजपा नेता द्वारा लगाए गए निशुल्क चिकित्सा शिविर में भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर न केवल जरूरतमंदों को बेहतर और सुलभ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं, बल्कि समाज में सेवा भावना, सकारात्मक सोच और आपसी सहयोग को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि "सेवा ही सच्चा संस्कार है और जब युवा आगे आकर समाज के लिए कार्य करते हैं, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः उज्ज्वल हो जाता है। भगत सिंह कोश्यारी ने केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार गरीब, कमजोर और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए लगातार कार्य कर रही है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में सरकार द्वारा कई जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका सीधा लाभ आम नागरिकों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार

का संकल्प है कि समाज का कोई भी वर्ग विकास की मुख्यधारा से पीछे न रहे। स्वास्थ्य शिविर के आयोजक युवा भाजपा नेता ध्रुव गुप्ता ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और परामर्श उपलब्ध कराना है, ताकि समय रहते बीमारियों की पहचान हो सके। शिविर में विभिन्न रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों की जांच की गई और आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क वितरित की गईं।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से ललित मोहन अग्रवाल, प्रदीप बत्रा, पूर्व पार्षद अनुराग त्यागी सहित भाजपा के कई वरिष्ठ एवं युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने इस आयोजन को समाज सेवा की दिशा में एक सराहनीय कदम बताते हुए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं।शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों लाभ उठाया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र सेवा और समाज कल्याण के संकल्प के साथ किया गया

संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती धूमधाम से मनाई गई

संत रविदास ने दिखाया सही रास्ता : शहजाद

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। तहसील क्षेत्र में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई है।

लक्सर विधायक मोहम्मद शहजाद ने बताया कि आज दुनिया में मशहूर संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई जा रही है उन्होंने कहा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने सभी को सही रास्ते पर चलना सिखाया है उन्होंने कहा जिस तरह से संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने सभी को बराबर मानते हुए प्रेरणा दी है उसी को मानते हुए सभी लोगों को दुनिया में बहुत बड़े संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती मनानी चाहिए और उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर एक दूसरे की सेवा करनी चाहिए उन्होंने यह भी कहा कि आज लक्सर विधानसभा के दर्जनों गांव में दुनिया के बड़े संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती पर जाने का मौका मिला उन्होंने कहा सभी को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के

बताए हुए रास्ते पर चलना चाहिए उनके साथ सैकड़ो बसपा के कार्यकर्ता हर जगह मौजूद रहे।

हज हाउस में नशे के प्रति जागरूकता गोष्ठी का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। हज हाउस सभागार में मेडिकल ऐसोसिएशन की ओर से नशे के खिलाफ एक गोष्ठी का आयोजन किया गया ।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे एडीसी /डीएलए गढ़वाल मंडल ओर विशिष्ट अतिथि ड्रग्स इंस्पेक्टर अनिता भारती ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी मेडिकल स्वामियों को मेडिकल संचालन करने ओर नारकोटिक दवाईयों को मेडिकल पर रखने ओर उन्हें बेचने के विषय में महत्व पूर्ण जानकारी दी है। ड्रग्स फ्री देवभूमि को लेकर शनिवार को हज हाउस के सभागार में कलियर मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ शहजाद के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मेडिकल स्वामियों को संबोधित करते हुए डॉ सुधीर कुमार एडीसी/डीएलए गढ़वाल मंडल ओर वरिष्ठ औषधि निरीक्षक अनिता भारती ने कहा कि नशा न केवल युवाओं के जीवन को बर्बाद कर रहा है वह पूरे परिवार के लिए खतरा है जहां स्वास्थ्य के लिए जानलेवा है । उन्होंने यह भी कहा है कि शिकायतें मिलती है कि जितनी भी नारकोटिक दवाइयां है उनका दुरुपयोग किया जा रहा है उन पर कैसे कैसे अंकुश लगाया जाना चाहिए और कैसे फार्मासिस्ट को अपनी दुकान का संचालन करना है। ओर कुछ मेडिकल स्वामी ऐसे थे जिन्हें यह समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें रजिस्टर कैसे बनाना है ओर नारकोटिक दवाईयों को रजिस्टर में कैसे अंकित करना है। इसी के तहत मेडिकल संचालक को रजिस्टर वितरण किए गए और कैसे रजिस्टर बनाना है ओर उसमें सभी दवाईयों को कैसे मेनटेन करना इसकी जानकारी दी गई है ।उन्होंने बताया कि रजिस्टर में सभी दवाईयों का ब्यौरा रखना है ओर नारकोटिक दवाईयों के दुरुपयोग होने से बचाना है। जो लाइसेंस है देते है उसमें सभी प्रकार की दवाइयां आप बेच सकते है लेकिन उनकी कुछ शर्तें होती है सभी मेडिकल स्वामियों के मेडिकल पर फार्मासिस्ट होना चाहिए ऐसा न हो फार्मासिस्ट के स्थान पर कोई अन्य व्यक्ति नहीं बैठा होना चाहिए यदि नारकोटिक दवाइयां बेचते है तो उसका बिल होना चाहिए उसका पूरा रिकार्ड आप के रजिस्टर में होना चाहिए बिना डाक्टर के पर्चे के दवाई नहीं देनी चाहिए क्यों कि अधूरा ज्ञान आपको किसी परेशानी में डाल सकता है इस लिय मेडिकल स्वामी को नारकोटिक दवाईयों का बिल ओर उसका रिकॉर्ड रखना अतिआवश्यक है। उन्होंने सभी को अपने मेडिकल पर सीसीटीवी करे लगाने साफ सफाई रखने सहित अन्य जानकारियों को विस्तार से समझाया है नशे के नशे के खिलाफ विभाग की ओर से कैंप लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है आगे भी जागरूकता अभियान जारी रहेगा।

कलियर में श्रद्धा व उत्साह से मनाई रविदास जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। कलियर क्षेत्र में संत शिरोमणि रविदास की जयंती रविवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न गांवों में आकर्षक झांकियां सजाकर शोभायात्राएं निकाली गईं जो गांवों की मुख्य गलियों से होकर गुजरी। शोभायात्राओं को देखने के लिए गलियों और मकानों की छतों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही।

जानकारी के अनुसार कलियर, इमलीखेड़ा, मेंहवड़ खुर्द, बाजुहेड़ी, रहमतपुर, मेहवड़ कलां, माजरी, राघड़वाला बेल्डा, हकीमपुर तुर्रा, दरियापुर, रांघड़वाला सहित अन्य गांवों में जयंती के अवसर पर भव्य आयोजन किए गए। शोभायात्राएं रविदास मंदिरों से प्रारंभ होकर गांवों की प्रमुख गलियों से निकाली गईं। रंग-बिरंगी और सुंदर झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। मेंहवड़ कलां समेत अन्य रविदास मंदिरों में भंडारों का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रमों के दौरान वक्ताओं ने संत रविदास के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने समाज से जात-पात, ऊंच-नीच और भेदभाव को मिटाने का संदेश दिया। 15 वीं सदी के महान संत और समाज सुधारक संत रविदास ने मानवता, समानता और भाईचारे की शिक्षा दी।वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास ने अपने जीवनकाल में छुआछूत जैसी कुरीतियों का विरोध किया और समाज में फैली बुराइयों के खिलाफ निरंतर आवाज उठाई। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ जब समाज अंध विश्वास, कुप्रथाओं, अन्याय और अत्याचार से ग्रस्त था। उन्होंने अपने विचारों और कर्मों से समाज को नई दिशा दी। वक्ताओं ने सभी से संत रविदास के पदचिह्नों पर चलकर समानता और सद्भाव का संदेश अपनाने का आह्वान किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष मेघ राज का शपथ ग्रहण समारोह

रुड़की। शिव प्रकाश की अध्यक्षता में डॉ बीआर अंबेडकर समाज कल्याण समिति रुड़की हरिद्वार के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ मेघ राज सिंह का एक शपथ ग्रहण समारोह पूर्व विधायक चंद्रशेखर भट्टे वाले के कार्यालय बीएसएम तिराहा रुड़की में आयोजित की गया। संचालन रमेश चंद ने किया। समिति के संरक्षक शिव प्रकाश व वेणु निर्वाचित अध्यक्ष डॉ मेघ राज सिंह को शपथ ग्रहण कराई गई। डॉ मेघ राज सिंह का माल्यार्पण कर स्वागत किया। शपथ ग्रहण समारोह में रूप सिंह दधैरा, प्रेम सिंह सेवा निवृत्त अधिशासी अभियंता, योगराज सिंह, नरेंद्र कुमार प्रधानाचार्य, नरेंद्र पाल सिंह सेवानिवृत्त सहायक अभियंता, मोतीलाल मौर्य पूर्व बैंक प्रबंधक,सत्यपाल सिंह पूर्व मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, रघुनाथ पूर्व अधिशासी अभियंता आदि ने डॉ मेघ राज सिंह जी को आशीर्वचन के रूप में समाज की उन्नति के लिए बढ़-चढ़कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

सुबोध राकेश ने कालेवाला अमानतगढ़ में किया भंडारा व शोभायात्रा का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

बुग्गावाला/ज्वालापुर। विधानसभा ज्वालापुर के कालेवाला अमानतगढ़ गांजा गांव में संत शिरोमणि रविदास जयंती के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भंडारा एवं शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जमकर नाच गाना किया। शोभायात्रा में मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता सुबोध राकेश रहें। पूर्व राज्य मंत्री सुबोध राकेश ने कहा कि हमें अपने जीवन को सफल बनाने और हर कदम पर सफलता प्राप्त करने के लिए गुरु जी के बताए मार्गों पर चलना चाहिए,सत्य, अहिंसा और सच्चाई के मार्ग पर चल कर हम गुरु जी के बताए मार्गो पर ही चल पाएंगे।इस अवसर पर समस्त ग्रामवासि मौजूद रहें।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा भारतीय स्टेट बैंक शाखा रुड़की में गुलफाम अहमद के नाम से खाता 10337835706 है जबकि मेरे आधार कार्ड व अन्य अभिलेखों में मेरा नाम गुलफाम है इसलिए भविष्य में मुझे गुलफाम के नाम से ही जाना, पहचाना, पढ़ा लिखा व दर्ज किया जाए।

गुलफाम पुत्र मजीद नि. सालियर साल्हापुर, पोस्ट-सालियर तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार।

गर्म रस के कढ़ाई में गिरने वाले मजदूर की इलाज के दौरान मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। क्षेत्र के एक गन्ना कोलहू में 22 दिन पूर्व गन्ने के रस से गुड बनाते समय गरम रस के कढ़ाहे में गिरने से 45 वर्षीय व्यक्ति की देहरादून स्थित अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार रात्रि मौत हो गई ।मौत की खबर लगते ही परिवार में कोहराम मच गया। कस्बा झबरेड़ा गुरुकुल मार्ग पर स्थित संचालित हो रहे एक गन्ना कोलहू में कस्बा निवासी 45 वर्षीय मुरसलीन गन्ने का रस पका कर गुड बनाने का काम करता था। 9 जनवरी को सुबह गन्ना कोलहू में प्रतिदिन की तरह रस पकाने का काम कर रहा था। अचानक उक्त का किसी तरह संतुलन बिगड़ने से वह गरम खोलते हुए गन्ने के रस के कढ़ाहे में गिर गया तथा गंभीर रूप से घायल हो गया। कोलहू में काम करने वाले अन्य लोगों द्वारा उक्त को रस के कड़ाहे से बाहर निकाला गया तथा इलाज के लिए डॉक्टर के यहां ले जाया गया। डॉक्टर द्वारा घायल को रुड़की सिविल अस्पताल में रेफर कर दिया गया यहां से भी डॉक्टर द्वारा घायल की हालत गंभीर देखते हुए उक्त को देहरादून डॉक्टर के यहां रेफर किया गया था ।शनिवार रात्रि इलाज के दौरान उक्त की मौत हो गई। मौत का पता लगते हैं परिवार में कोहराम मच गया।

ढंडेरा नपं चेयरमैन ने किया डॉ. भीमराव अम्बेडकर मार्ग का शुभारंभ

संविधान देने वाले अम्बेडकर देश का सम्मान : नेगी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। ढंडेरा में शनिवार को विधिवत रूप से डॉ. अम्बेडकर मार्ग का शुभारंभ हो गया। नगर पंचायत ढंडेरा अध्यक्ष सतीश नेगी ने फीता काटकर मार्ग का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत को संविधान देने वाले डॉ. भीमराव अम्बेडकर केवल एक समाज के नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए सम्मानित है। बाबा साहेब ने जिन परिस्थितियों में शिक्षा ग्रहण की और अपने आपको विश्व स्तर अस्थापित किया उससे युवा पीढ़ी और कमजोर वर्गों को प्रेरणा लेने की जरूरत है। सभासद पति सोनू पार्टी ने कहा कि वर्ष 1994 में एसडीएम बोबडे ने गांव में डॉ. भीमराव अम्बेडकर मार्ग की नींव रखी थी, जिसे अब विधिवत रूप से पहचान मिली है। पूर्व प्रमुख बसपा नेता योगेश कुमार ने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने पूरे जीवन कमजोर वर्गों के लिए संघर्ष किया। संविधान में उन्होंने सभी को समानता का अधिकार देने का काम किया है। द्वार लगवाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले सचिन सिंघवाल, जितेंद्र जगदीश व धीरज ने बताया कि वह पूरे समाज को एक साथ लाने की मुहिम में लगे हैं। संत रविदास मंदिर समिति, ढंडेरा के प्रधान मुकेश भगत ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर मार्ग की विधिवत शुरुआत होने पर खुशी जताते हुए

इस कार्य में लगे समाज के जिम्मेदार लोगों की प्रशंसा की। इस अवसर पर सभासद सोनू पार्टी, विजय सिंह पंवार, कुंवर सिंह डंगवाल, गोविंद चन्ना, विकास पाल, अभिषेक पाल, अजगर, दिनेश नेगी, कुंवर सिंह डंगवाल, मोहित कुमार, शहाबुद्दीन, विक्रांतफोर, पूर्व प्रधान यशपाल, पूर्व अनिल प्रधान, कर्म, सुनील भगत, अमन नारिया, पप्पू, विक्रांत, नदीम आदि मौजूद रहे।

अलिफ गर्ल्स स्कूल की छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रूडकी में मोहम्मदपुर में स्थित अलिफ गर्ल्स एकेडमी मैं एक एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। क्लास एक से लेकर आठ तक की छात्राओं ने आज अपनी अपनी प्रतिभाओं का लोहा मनवाया।

छात्राओं ने एग्जीबिशन में खाना काबा से लेकर मेडिकल साइंस तक बारिकियों को अपने हुनर से निखार कर दर्शाने की कोशिश की इस प्रदर्शनी कोदेखने वाले देखने वाले लोगों ने भी छात्रों की प्रतिभा की जमकर तारीफ की। इस एग्जीवेशन में स्कूली छात्राओं की तरफ से 50 स्टॉल लगाए गए वही स्कूल की प्रधानाचार्य ने छात्राओं के साथ साथ इसमे स्कूल की टीचरों का भी भरपूर सहयोग बताया उन्होंने कहा कि दोनों ने मिलकर इस एग्जीवेशन को कामयाब बनाया ।इस अवसर पर प्रधानाचार्य नेप्रदर्शनी में भाग लेने वाली छात्राओं की हौसला जाए करते हुए कहा किकी प्रतिभा की छात्राओं में कोई कमी नहीं हैबस उन्हें निकालने की जरूरत है वह आगे भी इसी तरह की प्रदर्शनी का आयोजन करते रहेंगे ताकि छात्राओं को अपना हुनर दिखाने का मौका

मिल सके। इस अवसर पर अब्दुल राजीक (टीचर) व तलत रागिब प्रधानचार्य ने भी छात्राओं का हौसला बढ़ाया।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

सोमवार, 2 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

आम आदमी खाली

रविवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में 2026-27 का बजट पेश किया। इस बजट में सभी विभागों को कुछ न कुछ देने की कोशिश की गई है, लेकिन आज की दुनिया के हालात देखते हुए विशेषकर सिंदूर ऑपरेशन से सबक लेते हुए सरकार ने अपना रक्षा बजट बढ़ाया है, जोकि स्वाभाविक भी है। अपने 85 मिनट के भाषण में वित्त मंत्री ने जहां जियो पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही, वहीं देश का रक्षा बजट 6 लाख 81 करोड़ से बढ़ाकर 7 लाख 85 हजार करोड़ रुपये करने की बात कही। इस तरह डिफेंस बजट में 15.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बजट को ध्यान से देखने पर आम आदमी के हिस्से में कुछ आता दिखाई नहीं दे रहा है। खेती और पशुपालन आय और रोजगार के मौके बढ़ाने के थोड़ा जरूर फोकस किया गया। नारियल प्रोत्साहन योजना से करीब 3 करोड़ लोगों को जोड़ा जाएगा। मछली पालन को बढ़ावा लेने के लिए 500 तालाबों और सरोवरों का विकास किया जाएगा। इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया। हां इतना जरूर है कि रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने से ज्यादा का समय देने की बात कही गई है। इस तरह अब व्यापारी 31 दिसंबर के बदले 31 मार्च तक रिवाज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं। कैंसर की 17 दवाओं से आयात शुल्क हटाया गया है, जो अभी तक 5 फीसदी लगता था। 15 हजार सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर्स लैब बनाए जाने की बात भी बजट में कही गई है। करीब 800 जिलो में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनेंगे, हर जिले में यह हॉस्टल होगा। बजट में तीन आयुर्वेदिक एम्स बनाने का भी लक्ष्य रखा गया है। सात जिलों में हाईस्पीड ट्रेन भी दौड़ेंगी। जाहिर है इससे महानगरों के बीच की दूरी घटेगी। इससे देश की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। वित्त मंत्री के अनुसार 2025-26 में राज्य कोषीय घाटा 4.4 फीसदी रहा और अगले साल 2026-27 के लिए इसे और घटाकर 4.3 फीसदी करने का लक्ष्य है। बता दें कि राजकोषीय घाटे का मतलब सरकार की कमाई और खर्च के बीच का अंतर है। 2025-26 में सरकारों की कुल कमाई 34 लाख करोड़ रही। इसमें 26.7 लाख करोड़ टैक्स से आए और कुल खर्च 49.6 लाख करोड़ रहा। 26-27 के लिए सरकार ने 36.5 लाख करोड़ की कुल कमाई का अनुमान लगाया है, जिसमें टैक्स से 28.7 लाख करोड़ आएंगे और 53.5 लाख करोड़ कुल खर्च रहने का अनुमान है। इससे साफ है कि खर्च कमाई से ज्यादा है, इसलिए सरकार ने बाजार से 11.7 लाख करोड़ उधार लेने की बात कही है। शराब, सिगरेट महंगी होंगी। जमीनी स्तर पर इस बजट का क्या प्रभाव पड़ता है, यह तो आने वाले वक्त में ही पता चलेगा, लेकिन यह बजट लुभावना बजट कतई नहीं है और सरकार वास्तविकता को स्वीकार करती दिखाई देती है। जहां तक बात विपक्ष की है वह इसे रूखा बजट बता रहा है।

पूंजीवादी सोच से प्रभावित बजट

संसद में पेश किए गए बजट में योजनाओं, परियोजनाओं और वादों के नाम भले ही बड़े हों, लेकिन असली कसौटी यह है कि उनका लाभ जमीन स्तर पर आम लोगों तक कितना पहुंचता है, सर्वसमाज के हित में केवल बातें करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें सही नीयत के साथ अमल में लाना भी उतना ही जरूरी है, केंद्र सरकार का बजट सत्ताधारी बहुजन समाज पार्टी के नजरिए से नहीं, बल्कि पूंजीवादी सोच से प्रभावित प्रतीत होता है, जिसमें बड़े उद्योगपतियों और धनाढ्य वर्ग को प्राथमिकता मिलती दिखती है, जबकि गरीब, दलित और बहुजन समाज की अपेक्षाएं पीछे छूट जाती हैं, सरकार की नीति और नीयत का आकलन इस बात से होना चाहिए कि वास्तव में गरीबों और वंचितों के जीवन में कितना सकारात्मक बदलाव आया है।

-सुश्री मायावती, अध्यक्ष, बहुजन समाज पार्टी

बजट 2026-27: लोकलुभावन वादों से दूर, राहत और मायूसी का मिश्रण

योगेश कुमार गोयल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 को एक ओर जहां सरकार के घटक दलों द्वारा विकसित भारत का बजट और बदलते भारत की राजनीतिक-आर्थिक प्राथमिकताओं तथा सरकार की दीर्घकालिक सोच का आईना बताया गया है, वहीं विपक्ष द्वारा इसे पूरी तरह दिशाहीन बजट करार दिया गया है। वैसे निर्मला सीतारमण ने लगातार नौवीं बार बजट पेश कर संसदीय इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। सवाल यह नहीं है कि बजट कितना बड़ा है या कितने नए आंकड़े पेश किए गए हैं बल्कि यह है कि क्या यह बजट महंगाई से जूझ रहे आम नागरिक के वर्तमान को कुछ राहत देता है और भविष्य के लिए भरोसेमंद आधार तैयार करता है? बजट के तमाम महत्वपूर्ण प्रावधानों का आकलन किया जाए तो यह बजट विकास, निवेश, बुनियादी ढ़ांचे, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत की स्पष्ट झलक तो दिखाता है लेकिन इसके साथ ही इसमें कई ऐसे खाली स्थान भी हैं, जो आम आदमी और विशेषकर किसान, निम्न आय वर्ग और असंगठित क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए निराशा पैदा करते हैं। सरकार ने इस बार तात्कालिक लोकलुभावन उपायों से दूरी बनाते हुए दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर जोर दिया है। यह दृष्टिकोण आर्थिक रूप से समझदारी भरा हो सकता है लेकिन लोकतंत्र में बजट का मूल्यांकन केवल भविष्य के सपनों से नहीं, वर्तमान की चुनौतियों से भी होता है।

शिक्षा और रोजगार को जोड़ने वाला 'एजुकेशन-टू-एम्प्लॉयमेंट' मॉडल सरकार की उस सोच को सामने लाता है, जो कक्षा और कार्यस्थल के बीच की खाई को पाटने का दावा करती है। पहली नौकरी पाने वाले युवाओं के लिए 15,000 रूपए का डीबीटी बोनस और एक करोड़ इंटर्नशिप की घोषणा निश्चित रूप से आकर्षक लगती है। यह कदम युवाओं को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने और उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में सकारात्मक है। लेकिन यहां भी सबसे बड़ा प्रश्न क्रियान्वयन का है। क्या यह इंटर्नशिप वास्तविक कौशल और स्थाई रोजगार की ओर ले जाएंगी या फिर यह योजना सस्ते श्रम तक सीमित रह जाएगी? भारत पहले भी कई बार योजनाओं के आकर्षक नाम और बड़े लक्ष्यों के बावजूद जमीनी स्तर पर कमजोर क्रियान्वयन का अनुभव कर चुका है। 'स्किल इंडिया 2.0' के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और मशीन लर्निंग जैसी उभरती तकनीकों को क्षेत्रीय भाषाओं में सिखाने की योजना डिजिटल डिवाइड को कम करने की दिशा में अहम कदम है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी युवाओं के लिए यह तकनीकी दुनिया में प्रवेश का द्वार खोल सकता है लेकिन प्रशिक्षकों की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता और उद्योग-सहयोग के बिना यह पहल भी सीमित असर तक सिमट सकती है। शिक्षा बजट को लगभग 1.35 लाख करोड़ रूपए तक बढ़ाने का प्रस्ताव सराहनीय है लेकिन बढ़ती छात्र संख्या, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और शोध की जरूरतों के सामने यह राशि अपर्याप्त प्रतीत होती है। मध्यम वर्ग के लिए यह बजट राहत और मायूसी का मिश्रण है। आयकर दरों में तो कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन आयकर प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में घोषणा अवश्य की गई है। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है, कर व्यवस्था को जटिल छूटों के जाल से निकालकर सरल और पारदर्शी बनाना, ताकि उपभोग बढ़े और अर्थव्यवस्था में मांग का संचार हो। यह दृष्टिकोण आर्थिक सुस्ती के दौर में उपयोगी हो सकता है।

सरकार ने कुछ चुनिंदा वस्तुओं और क्षेत्रों में कर कटौती कर राहत देने की कोशिश की है। कैंसर और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों की दवाओं का सस्ता होना निसंदेह करोड़ों परिवारों के लिए जीवनरक्षक कदम है। मोबाइल फोन, ईवी बैटरी और सौर पैनलों पर रियायतें हरित ऊर्जा और डिजिटल इंडिया को गति देने के साथ-साथ तकनीक को आम आदमी की पहुंच में लाने का प्रयास हैं। जूते, कपड़े और कुछ घरेलू उपकरणों के सस्ते होने से मध्यमवर्गीय खपत में हल्की तेजी आ सकती है लेकिन दूसरी ओर शराब, खनिज और स्क्रैप पर बढ़े शुल्क से उत्पादन लागत बढ़ने और अंततः उपभोक्ता कीमतों पर असर पड़ने की आशंका भी बनी हुई है। सबसे बड़ा झटका शेयर बाजार में देखने को मिला। फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग पर बढ़े टैक्स ने खुदरा निवेशकों की धारणा को कमजोर किया और बजट के दौरान बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। इससे यह संदेश गया कि सरकार सट्टात्मक गतिविधियों पर सख्ती चाहती है लेकिन इसके दुष्परिणाम अल्पकाल में निवेशकों और बाजार की स्थिरता पर पड़े। यह बजट महंगाई और निवेश के मोर्चे पर एक तरह का विरोधाभास प्रस्तुत करता है, एक ओर खपत बढ़ाने की कोशिश, दूसरी ओर निवेश भावना को झटका। इंफ्रास्ट्रक्चर पर रु. 12.2 लाख करोड़ का पूंजीगत व्यय सरकार की विकास रणनीति का सबसे मजबूत स्तंभ है। सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, जिनमें मुंबई- पुणे और दिल्ली-वाराणसी जैसे मार्ग शामिल हैं, भारत की कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास की तस्वीर बदल सकते हैं। बेहतर परिवहन से उद्योग, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन और रियल एस्टेट को नई गति मिल सकती है। टियर-2 और टियर-3 शहरों पर फोकस शहरीकरण के असंतुलन को सुधारने की दिशा में सही कदम है। हालांकि, बुनियादी ढ़ांचे पर खर्च का लाभ आम आदमी तक पहुंचने में समय लगता है और तात्कालिक रूप से निर्माण सामग्री की कीमतों में बढ़ोतरी महंगाई का दबाव बढ़ा सकती है। एमएसएमई और व्यापार जगत के लिए बजट में नई संजीवनी दिखाई देती है। 10,000 करोड़ रूपए का एसएमई ग्रोथ फंड छोटे उद्यमों को पूंजी की कमी से उबार सकता है। महिलाओं के लिए मुद्रा लोन की सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये करना महिला उद्यमिता को वास्तविक आर्थिक ताकत देने की दिशा में अहम कदम है। टेक्निकल टेक्सटाइल पर विशेष फोकस भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत स्थान दिला सकता है और 'मेक इन इंडिया' को व्यावहारिक आधार दे सकता है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था के संदर्भ में यह बजट ऐतिहासिक कहा जा सकता है क्योंकि पहली बार कंटेंट क्रिएटर्स और क्रिएटिव इकोनॉमी को औपचारिक मान्यता दी गई है। 'रील' और 'रियल' इकोनॉमी के बीच की दीवार लगभग गिर चुकी है। डिजिटल कंटेंट, गेमिंग, एनीमेशन और एजुकेशनल प्लेटफॉर्म को एमएसएमई जैसा दर्जा मिलने से युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर खुल सकते हैं। हालांकि बौद्धिक संपदा संरक्षण, आय की स्थिरता और नियमन जैसे सवाल भविष्य की बड़ी चुनौतियां बने रहेंगे। स्वास्थ्य और तकनीक के मोर्चे पर 'बायो-फार्मा 2।0' और सेमीकंडक्टर मिशन पर जोर भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को दर्शाता है। दवा परीक्षण और अनुसंधान के लिए 1,000 टेस्टिंग साइट्स का नेटवर्क दवाओं की लागत कम कर सकता है। सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भरता भारत को वैश्विक तकनीकी आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत बनाएगी।

रक्षा बजट में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है लेकिन नई नीतिगत घोषणाओं के अभाव में बाजार की अपेक्षाएं पूरी नहीं हो सकी। इस पूरे बजट की सबसे बड़ी कमी किसानों को लेकर किसी ठोस और नई घोषणा का न होना है। कृषि क्षेत्र अभी भी महंगाई, लागत और आय की अनिश्चितता से जूझ रहा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किए बिना समग्र विकास अधूरा रहेगा, यह सच्चाई इस बजट में अपेक्षाकृत कम झलकती है। कुल मिलाकर, बजट 2026-27 संतुलित प्रयास माना जा सकता है। यह न तो लोकलुभावन है और न ही कठोर सुधारवादी। सरकार ने भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए दिशा स्पष्ट की है लेकिन महंगाई, रोजमर्रा का खर्च और आय की सुरक्षा जैसी आम आदमी की तात्कालिक चिंताओं पर सीधी राहत सीमित है। यह बजट आम नागरिक को तुरंत सुकून देने के बजाय धैर्य रखने की सलाह देता है। आने वाले समय में इसका मूल्यांकन इस बात से होगा कि इसके वादे कितनी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ जमीन पर उतरते हैं। अब असली परीक्षा बजट भाषण की नहीं बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन की है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पक्षियों की विलुप्ति का चौंकाने वाला आंकड़ा

स्थिति को समझने में सबसे बड़ी चुनौती पक्षियों का हल्का वजन और खोखली हड्डियां हैं जिनके कारण उनके अवशेषों का जीवाश्म के रूप में भलीभांति संरक्षण नहीं होता है। इसलिए पक्षी विलुप्ति के अधिकांश विश्लेषण लिखित रिकॉर्ड के आधार पर किए गए हैं जो पिछले 500 वर्षों से ही उपलब्ध हैं।

हाल ही में नेचर कम्युनिकेशंस पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन ने पिछले 1,26,000 वर्षों में मानव गतिविधियों के कारण पक्षियों की विलुप्ति के चौंकाने वाले आंकड़े उजागर किए हैं। पूर्व में किए गए अनुमानों से आगे जाकर इस शोध ने लगभग 1500 पक्षी प्रजातियों के विलुप्त होने के पीछे मनुष्यों को दोषी पाया है। यह आंकड़ा पूर्व अनुमानित संख्या से दुगना है जो पक्षियों की जैव विविधता पर मानव गतिविधियों के गहरे प्रभाव का संकेत देता है।

सदियों से जमीनें साफ करके, शिकार और बाहरी प्रजातियों को नए इलाकों में पहुंचाने जैसे मानवीय कारकों की वजह से पक्षियों की विलुप्ति होती रही है। यह प्रभाव विशेष रूप से द्वीपों जैसे अलग-थलग पारिस्थितिक तंत्रों में विनाशकारी रहा है और पक्षियों की 90 प्रतिशत ज्ञात विलुप्तियां ऐसे ही स्थानों पर होने की संभावना है। स्थिति को समझने में सबसे बड़ी चुनौती पक्षियों का हल्का वजन और खोखली हड्डियां हैं जिनके कारण उनके अवशेषों का जीवाश्म के रूप में भलीभांति संरक्षण नहीं होता है। इसलिए पक्षी विलुप्ति के अधिकांश विश्लेषण लिखित रिकॉर्ड के आधार पर किए गए हैं जो पिछले 500 वर्षों से ही उपलब्ध हैं। इस दिक्कत से निपटने के लिए, यूके सेंटर फॉर इकॉलॉजी एंड हाइड्रोलॉजी के रॉब कुक और उनकी टीम ने 1488 द्वीपों में दस्तावेजीकृत विलुप्तियों, जीवाश्म रिकॉर्ड और अनुमानित अनदेखी विलुप्तियों के अनुमानों को जोड़कर कुल विलुप्तियों का एक व्यापक मॉडल तैयार किया। अनदेखी विलुप्तियों का अनुमान लगाने के लिए उन्होंने द्वीप के आकार, जलवायु और अलग-थलग होने की स्थिति जैसे कारकों के आधार पर प्रजातियों की समृद्धता का आकलन किया। उनका निष्कर्ष है कि मानवीय गतिविधियों के कारण प्लायस्टोसीन युग के अंतिम दौर के बाद से वैश्विक स्तर पर लगभग 12 प्रतिशत पक्षी प्रजातियां विलुप्त हुई हैं। अध्ययनकर्ताओं का मत है कि इनमें से आधे से अधिक पक्षियों को तो इंसानों ने देखा भी नहीं होगा और न ही उनके जीवाश्म बच पाए होंगे। इस विलुप्ति में विशेष रूप से प्रशांत क्षेत्र के हवाई द्वीप, मार्केसस द्वीप और न्यूजीलैंड को सबसे अधिक खामियाजा भुगतना पड़ा जहां विलुप्त पक्षियों का लगभग दो-तिहाई हिस्सा केंद्रित था। अध्ययन से पता चलता है कि महाविलुप्ति की शुरुआत लगभग 700 वर्ष पूर्व हुई जब इन द्वीपों पर मनुष्यों का आगमन हुआ। इसके नतीजे में विलुप्त होने की दर में 80 गुना वृद्धि हुई। शोध के यह परिणाम नीति निर्माताओं और संरक्षणवादियों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। कार्लस्टेड विश्व. विद्यालय के फोल्मर बोकमा के अनुसार इन नुकसानों को समझकर अधिक प्रभावी जैव विविधता लक्ष्य निर्धारित किए जा सकते हैं। एडिलेड विश्वविद्यालय के जेमी वुड का कहना है कि इस अध्ययन ने दर्शाया है कि पक्षियों की विलुप्ति के अनुमान कम लगाए गए थे और वास्तविक स्थिति शायद इस अध्ययन के आकलन से भी ज्यादा भयावह है।

-स्रोत फीचर्स

तो इन्हें सताता है देश की बदनामी का डर

तनवीर जाफरी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारतीय जनता पार्टी के नेता व समर्थक अक्सर यह आरोप लगाते रहते हैं कि वे विदेशी की धरती पर भारतीय राजनीति, संस्थानों चुनाव आयोग, न्यायपालिका या भारतीय मीडिया व सरकार की आलोचना करके देश की छवि को खराब करते रहते हैं। इतना ही नहीं बल्कि भाजपा इसे देश-विरोधी या भारत को बदनाम करने की साजिश तक बताती है। सवाल यह है कि आखिर किन बातों से देश की बदनामी होती है और बदनामी और नेकनामी का पैमाना है क्या? याद कीजिए जब राहुल गांधी ने 2023 में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी (यू के) में कहा कि भारत में विपक्ष को दबाया जा रहा है और चीन का खतरा समझा नहीं जा रहा है। इसमें राहुल ने क्या गलत कहा था ? परन्तु भाजपा ने राहुल के इस सच्चाई भरे वक्तव्य को भारत को बदनाम करना बताया था। इसी तरह जब 2023 में कोलंबिया की एक यूनिवर्सिटी में राहुल ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र पर हमला हो रहा है और कुछ बड़े व्यापारियों का अर्थव्यवस्था पर कब्जा है तब भी भाजपा ने इसे राहुल द्वारा विदेशी धरती पर भारत को बदनाम करना बताया था। अभी कुछ समय पूर्व ही जब राहुल गांधी ने बर्लिन में चुनाव आयोग पर सवाल उठाए और कहा कि हरियाणा चुनाव में धांधली हुई उस समय भी भाजपा ने इसे संस्थानों को बदनाम करने की साजिश बताया था। राहुल गांधी के ऐसे आरोपों से भाजपा इतना तिलमिला जाती है कि वह राहुल की आलोचना को एंटी-इंडिया फोर्सेज से जोड़कर कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश करने लगती है। यहां तक कि कुछ भाजपा नेता इसे चाइना की तारीफ या विदेशी हस्तक्षेप को आमंत्रित करने तक के रूप में परिभाषित कर देते हैं। भाजपाई कहते हैं कि इससे भारत की ग्लोबल इमेज खराब होती है

इस विषय पर कांग्रेस व राहुल गांधी का कहना है कि वे सिर्फ सच्चाई बोलते हैं,और आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है। लिहाजा राहुल भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए कहते हैं कि चीन जैसे मुद्दों पर तो मोदी खुद ही विदेश में भारत को बदनाम करते हैं। कुछ का मत है कि राहुल विदेश में कुछ नया नहीं कहते,वे भारत में भी यही कहते हैं। कांग्रेस के अनुसार समस्या चुनावी प्रक्रिया में है, न कि आलोचना में। कांग्रेस इसे साइलेंट करने की कोशिश बताती है और सच भी है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक नेता प्रायः विदेश में अपनी सरकार की आलोचना करते हैं और यह श्फ्री स्पीचश का हिस्सा माना जाता है। इससे देश की बदनामी नहीं होती, बल्कि इससे किसी भी देश के लोकतान्त्रिक मूल्य नजर आते हैं। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी कि ऐसे भी कोई प्रमाण नहीं है कि विदेश में की गई राहुल की बातों से भारत की अर्थव्यवस्था, निवेश या कूटनीति पर कभी कोई नकारात्मक प्रभाव पड़ा हो। सरकार खुद ही तो बताती रहती है कि भारत की जी डी पी ग्रोथ और ग्लोबल रैंकिंग मजबूत बनी हुई है?

इसी तरह राहुल गांधी व कांग्रेस के कई नेता नरेंद्र मोदी पर भी यह आरोप लगा चुके हैं कि वे विदेशी धरती पर भारत या पिछले 70 वर्षों के शासन की आलोचना कर देश को बदनाम करते हैं। नरेंद्र मोदी ने

2014 से 2023 के दौरान देश विदेश में कई बार यह दोहराया कि पिछले 70 सालों में भारत में कुछ खास नहीं हुआ, पहले लोग भारत में जन्म लेना दुर्भाग्य मानते थे, या 70 साल में विकास नहीं हुआ। इसी तरह मोदी ने 2022 में रूस में एक कार्यक्रम में भारत के पिछड़ापन, गरीबी या पिछली सरकारों की कमियों पर बात की थी। अमेरिका, यूके या अन्य देशों में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए मोदी ने अक्सर पूर्व सरकारों की कमजोर विदेश नीति, उनके घोटालों या उस दौर में विकास की कमी पर जोर दिया है। कांग्रेस भी मोदी की इन बातों को भारत की बदनामी बताती है। कांग्रेस के अनुसार, मोदी ने कम से कम 4-5 बार विदेश में ऐसा कहा कि कांग्रेस शासन में श्भारत को दुनिया ने गंभीरता से नहीं लियाश्या श्पिछले शासकों ने देश को कमजोर बनायाश आदि । कांग्रेस इसे भारत और भारतीयों खास तौर से पिछली पीढ़ियों का अपमान मानती है, क्योंकि यह कांग्रेस के शासन काल को नकारात्मक रूप से पेश करता है। राहुल गांधी ने 2023 में लंदन में कहा भी था कि मोदी खुद विदेश में भारत को बदनाम करते हैं, क्योंकि वे हर भारतीय, उनके माता-पिता और दादा-दादी का अपमान करते हैं।

ऐसे में यह समझना भी जरूरी है कि दरअसल सत्ता व विपक्ष के उपरोक्त आरा. `पों प्रत्यारोपों से ही देश की बदनामी होती है या फिर इसतरह के आरोप प्रत्यारोप ही एक दूसरे नेताओं व उनके दलों को नीचा दिखाने व उन्हें जनता में बदनाम करने जैसा एक षडङत्र मात्र है ? या फिर वास्तव में जनता को इस तरह की बहस में उलझाकर उन वास्तविक समस्याओं व विषयों पर पर्दा डालने का प्रयास है जिससे हकीकत में देश की बदनामी होती है ? क्या गलत कहते है राहुल गांधी कि चुनाव आयोग संदिग्ध है ? वे चुनाव आयोग सामने कितने सबूत पेश कर चुके जिनका कोई जवाब नहीं आया ? क्या देश के अनेक महत्वपूर्ण संस्थानों व संसाधनों पर अडानी का कब्जा नहीं होता जा रहा ? क्या सरकारी संस्थाओं का दुरूपयोग विपक्ष को परेशान करने के लिए नहीं किया जा रहा ? जब देश में मॉब लिंचिंग होती है तो क्या देश की बदनामी नहीं होती ? देश में सत्तारूढ़ दल की ओर से मंत्री व मुख्यमंत्री स्तर के लोग खुले आम साम्प्रदायिकता फैलाने वाली बातें कर ओछी राजनीति करते हैं तो क्या देश की बदनामी नहीं होती? देश की राजनीति को संविधान से अलग हटकर सांप्रदायिकता के रंग में चलाने के प्रयास क्या देश की बदनामी का कारण नहीं ? कितने लुटेरे जिनमें अधिकांश गुजराती,देश की अरबों रूपए लूटकर विदेशों में बैठे हैं क्या यह बदनामी की वजह नहीं ? देश के सर्वोच्च धर्माधिकारी शंकराचार्य जी को व उनके सहयोगियों को संगम तट पर मारा पीटा गया क्या वह देश की बदनामी की वजह नहीं ? नकली डिग्री धारक लोग सत्ता में सर्वोच्च पदों पर बैठे हों,यह बदनामी की बात नहीं ? संसद विधानसभा व मंत्रिमंडल में भ्रष्ट,बलात्कारियों व अन्य अपराधियों का शामिल होना क्या बदनामी की बात नहीं ? गांधी के हत्यारों का महिमामंडन क्या देश की बदनामी नहीं ? सत्ता द्वारा बलात्कारियों व अपराधियों को संरक्षण क्या बदनामी की वजह नहीं ? बड़ा आश्चर्य है कि देश की बदनामी इबारत लिखने वालों को ही देश की बदनामी का दर सताता रहता है?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

इटली। मिलान शहर में 2026 शीतकालीन ओलंपिक से पहले ICE विरोध प्रदर्शन में भाग लेते लोग।

ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में 36 भारतीय सहित 2000 से अधिक विदेशी नागरिक गिरफ्तार

नोम पेन्ह। कंबोडिया में ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ नवीनतम कार्रवाई के दौरान कुल 2044 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें 36 भारतीय भी शामिल हैं। यह जानकारी कंबोडियाई गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने रविवार को दी। शनिवार को दक्षिणपूर्वी स्वे रींग प्रांत के बावेत शहर में 22 इमारतों वाले एक कैसिनो पर छापेमारी के दौरान आठ अलग-अलग देशों के संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। कम्पूचिया न्यूज के अनुसार, गिरफ्तार हुए कुल 2044 विदेशी नागरिकों में 1792 चीनी, 177 वियतनामी, 179 म्यांमारी, 30 नेपाली, पांच ताइवानी, एक मलेशियाई, दो लाओसी, 36 भारतीय और एक मैक्सिकन नागरिक हैं।

बलूचिस्तान में 145 बलूच लड़ाके मारे गए

पाक के गृह मंत्री मोहसिन नकवी व सेना ने कहाः इन हमलों को भारत का समर्थन मिला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हुए एक के बाद एक बड़े आतंकी हमलों के बाद सुरक्षा बलों ने करीब 40 घंटे चले ऑपरेशन में 145 बलूच लड़ाकों को मार गिराया। यह जानकारी प्रांत के मुख्यमंत्री ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि इस हिंसा में 17 सुरक्षाकर्मी और 31 आम नागरिकों की जान गई। इससे पहले, एसोसिएटेड प्रेस ने पाकिस्तानी सेना के हवाले से बताया था कि आतंकियों ने बलूचिस्तान में आत्मघाती हमले और गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 33 लोगों की मौत हुई।

इसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए 92 लड़ाकों को मार गिराया। अधिकारियों के मुताबिक, यह बलूचिस्तान में दशकों में पहली बार हुआ है जब एक ही दिन में इतनी बड़ी संख्या में आतंकी मारे गए। इन हमलों की जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी और सेना ने कहा कि इन हमलों को भारत का समर्थन मिला है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान बार-बार ऐसे निराधार आरोप लगाकर अपने देश की अंदरूनी नाकामियों से ध्यान हटाने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि हर हिंसक घटना के बाद बिना सबूत के आरोप लगाना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान को ऐसे निरर्थक दावे दोहराने के बजाय अपने ही लोगों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं और मांगों पर ध्यान देना चाहिए, खासकर उस क्षेत्र में जहां हालात गंभीर बने हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि पाकिस्तान का दमन, क्रूरता और मानवाधिकार उल्लंघन का रिकार्ड दुनिया से छिपा नहीं है।

■ इस हिंसा में 17 सुरक्षाकर्मी व 31 आम नागरिकों की जान गई
■ आतंकियों ने बलूचिस्तान में आत्मघाती हमले और गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 33 लोगों की मौत हुई

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में 92 आतंवादियों को मार गिराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने शनिवार को देश के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में 92 आतंकवादियों को मार गिराया और 'आतंकवादियों के बुरे इरादे को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया है।' सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों ने कल पूरे प्रांत में कई आतंकवादी गतिविधियां कीं, और कहा कि हमलों का मकसद 'स्थानीय लोगों के जीवन और बलूचिस्तान के विकास में रुकावट डालना' था। सेना ने कहा कि ग्वादर और खारान जिलों में 18 निर्दोष नागरिक 15 सैनिक मारे गए। बयान में आगे कहा गया कि पिछले दो दिनों में इन सफल अभियानों के साथ, बलूचिस्तान में चल रहे अभियानों में मारे गए आतंकवादियों की कुल संख्या 133 हो गई है, और इनमें से 41 शुक्रवार को प्रांत में मारे गए। बयान में कहा गया है कि इन इलाकों में लगातार आतंक रोधी अभियान चलाए जा रहे हैं, और इन आतंकवादी कामों को अंजाम देने वालों और उन्हें मदद देने वालों को सज़ा दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में आम चुनाव के लिए मतदान शुरू

बैंकॉक। थाईलैंड में आम चुनाव के लिए पूर्व मतदान रविवार को सुबह आठ बजे शुरू हुआ। इस प्रक्रिया में 20 लाख से जयादा पात्र मतदाता हिस्सा ले रहे हैं, जो आठ फरवरी को आधिकारिक मतदान के दिन अपना वोट नहीं डाल पाएंगे। इस मतदान में हिस्सा लेने वाले मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर दो बैलेट पेपर दिए गए है जिनमें एक प्रतिनिधि सभा सदस्य को चुनने के लिए और दूसरा अपनी पसंदीदा राजनीति दल को वोट देने के लिए। मतदान आज शाम 5 बजे समाप्त होगा और आठ फरवरी के बाद सभी मतपत्रों की गिनती एक साथ की जाएगी।

आइवरी कोस्ट में सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत

अबिजान। आइवरी कोस्ट में शनिवार को एक सड़क हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। परिवहन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह हादसा सुबह करीब पांच बजे कबाडूगू इलाके में हुआ और इसमें एक ट्रक शामिल था जो अनाज ले जा रहा था और जिसमें अवैध रूप से 69 यात्री सवार थे। परिवहन मंत्री अमादौ कोन ने कबाडूगू क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों को हादसे की शुरुआती जानकारी इकट्ठा करने के लिए तुरंत मौके पर जाने का निर्देश दिया है।

अमेरिका के लुइसियाना में गोलीबारी से पांच लोग घायल

न्यूयॉर्क। अमेरिका में लुइसियाना राज्य के क्लिटन में शनिवार को 'मार्डी ग्रास इन द कंट्री' परेड के दौरान हुई गोल. ाबारी में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह घटना क्लिटन में पूर्वी फेलिसियाना पैरिश कोर्टहाउस के बाहर हुई। पूर्वी फेलिसियाना पैरिश के शेरिफ जेफ ट्रैविस ने स्थानीय समाचार आउटलेट डब्ल्यूएएफबी को बताया कि घायलों में एक छह साल का बच्चा भी शामिल है। ट्रैविस ने कहा कि तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ईरान नहीं, वेनेजुएला का तेल खरीदेगा भारत

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का दावाः भारत ने वेनेजुएला से तेल खरीदने का सौदा कर लिया, चीन को भी डील करने के लिए कहा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि भारत अब ईरान से कच्चा तेल खरीदने के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। उन्होंने दावा किया है कि भारत ने वेनेजुएला से तेल खरीदने का सौदा कर लिया है। यह बयान ट्रम्प ने वाशिंगटन डीसी से एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात. चीत के दौरान दिया। हालांकि, भारत सरकार की ओर से इस पर अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। ट्रम्प ने कहा कि हमने पहले ही एक डील कर ली है। भारत वेनेजुएला से तेल खरीदेगा, ईरान से नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के साथ इस सौदे का कांसेप्ट तय हो चुका है।

ट्रम्प के मुताबिक, चीन भी अगर चाहे तो वेनेजुएला से तेल खरीद सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 जनवरी को वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज से टेलीफोन पर बातचीत की थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर सहमति जताई थी। मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया था कि दोनों देशों ने साझेदारी को और गहरा करने और आने वाले वर्षों में संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के साझा विजन के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है। अमे. रिका ने 2019 में वेनेजुएला पर बहुत कड़े आर्थिक प्रतिबंध (सेंक्शंस) लगा दिए थे, अमेरिका ने सेकेंडरी सेंक्शंस भी लगा दिए, यानी जो भी देश या कंपनी वेनेजुएला से तेल खरीदती है, उसे अमेरिकी बाजार में व्यापार करने या बैंकिंग सुविधाओं से रोक दिया जा सकता था। इस वजह से कई देशों ने वेनेजुएला का तेल खरीदना बंद कर दिया। भारत भी वेनेजुएला से बहुत ज्यादा तेल खरीदता था। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि तब भारत अपने कुल तेल आयात का लगभग 6 प्रतिशत वेनेजुएला से लेता था। वेनेजुएला पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपीईसी) का सदस्य है। उसके पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, लेकिन वह वैश्विक सप्लाई का करीब 1 प्रतिशत ही देता है। अमेरिका ने कुछ समय के लिए (2023-2024 में) वेनेजुएला पर आंशिक रूप से सेंक्शंस ढीले किए, जिससे भारत ने फिर से वेनेजुएला से तेल खरीदा। 2024 में भारत का आयात औसतन 63000 से 1 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया। इसके बाद 2025 में वेनेजुएला से भारत का तेल आयात बढ़कर करीब 1.41 अरब डालर तक पहुंच गया, लेकिन मई 2025 में अमेरिका ने एक बार फिर से वेनेजुएला के तेल पर सख्ती बढ़ा दी। इसके बाद 2026 की शुरुआत में वेनेजुएला से भारत का क्रूड आयात सिर्फ 0. 3 प्रतिशत रह गया। रायटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक भारत की बड़ी निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वेनेजुएला से फिर से कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका से मंजूरी लेने की कोशिश शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि पश्चिमी देश भारत पर रूस से तेल आयात कम करने का दबाव बना रहे हैं और रिलायंस अपने लिए वैकल्पिक तेल सप्लाई सुरक्षित करना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक रिलायंस के प्रतिनिधि इस मंजूरी के लिए अमेरिका के यूएस स्टेट डिपार्टमेंट और यूएस ट्रेजरी डिपार्टमेंट से बातचीत कर रहे हैं। इस पूरे मामले पर रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रायटर्स की ओर से भेजे गए ईमेल का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। रिलायंस ने पहले भी अमेरिका से लाइसेंस लेकर वेनेजुएला से तेल खरीदा था। कंपनी के पास दुनिया का सबसे बड़ा रिफाइनरी काम्प्लेक्स है। यह गुजरात में स्थित है और इसकी कुल क्षमता लगभग 14 लाख बैरल प्रतिदिन है। 2025 के पहले चार महीनों में वेनेजुएला की कंपनी च्चटै। ने रिलायंस को चार जहाजों से तेल भेजा था, जो रोजाना करीब 63000 बैरल के बराबर था, लेकिन मार्च-अप्रैल 2025 में अमेरिका ने ज्यादातर लाइसेंस सस्पेंड कर दिए और वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ की धमकी दी, जिसके बाद मई 2025 में रिलायंस का आखिरी वेनेजुएलन तेल का जहाज भारत पहुंचा था।

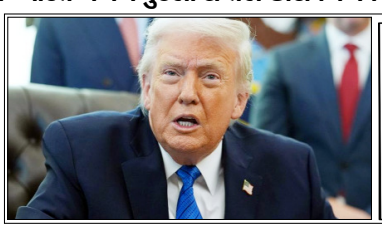

■ ट्रम्प ने कहा: हमने पहले ही एक डील कर ली है, भारत वेनेजुएला से तेल खरीदेगा, ईरान से नहीं
■ अमेरिका ने 2019 में वेनेजुएला पर बहुत कड़े आर्थिक प्रतिबंध (सेंक्शंस) लगा दिए थे

ईरान अमेरिका के साथ कर रहा है बातचीतः ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है। ट्रम्प ने शनिवार को फॉक्स न्यूज़ से कहा कि योजना यह है कि (ईरान) हमसे बात कर रहा है, और हम देखेंगे कि क्या हम कुछ कर सकते हैं। नहीं तो, हम देखेंगे कि क्या होता है। उन्होंने आगे कहा कि पिछली बार जब उन्होंने बातचीत की थी, तो हमें उनके परमाणु हथियार हटाने पड़े थे। यह काम नहीं आया, आप जानते हैं। फिर हमने इसे एक अलग तरीके से हटाया, और हम देखेंगे कि क्या होता है। ट्रम्प ने कहा कि हमारा एक बड़ा बेड़ा वहां जा रहा है, जो वेनेजुएला में हमारे बेड़े से भी बड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ बातचीत करते समय अमेरिका खाड़ी के साथियों के साथ सैन्य योजना साझा नहीं कर सकता। ट्रम्प ने एक सवाल के जवाब में कहा कि हम उन्हें योजना नहीं बता सकते। अगर मैंने उन्हें योजना बताई, तो यह लगभग उतना ही बुरा होगा जितना आपको योजना बताना असल में, यह और भी बुरा हो सकता है।

अमेरिका में मूल निवासियों के शोषण के इतिहास को मिटाने की कोशिश

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के एरिजोना राज्य में स्थित ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क से ऐतिहा. सिक प्रदर्शनी के उन हिस्सों को हटा दिया गया है, जिनमें बताया गया था कि कैसे इस पार्क को बनाने के लिए 'आदिवासी समुदायों को उनकी जमीनों से बेदखल किया गया था।' अमे. रिका अखबार वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, यह एक सुनियोजित अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत अमेरिका के पश्चिमी हिस्से के कम से कम 18 राष्ट्रीय उद्यान प्रभावित हैं।

इनमें मोंटाना, टेक्सास, कोलोराडो, यूटा और व्योमिग के स्थल शामिल हैं। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में बताया गया है कि सरकारी दस्तावेजों से पता चलता है कि पार्क के कर्मचारियों ने उन संदर्भों को भी हटा दिया, जिसमें 'अमेरिका के मूल निवासियों के दुख, कष्ट और नुकसान' का उल्लेख किया गया था। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मार्च 2025 में एक कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसमें एजेंसियों को उस सामग्री को खत्म करने का निर्देश दिया गया था जो 'अनुचित रूप से अमे. रिकियों को नीचा दिखाती है'। आदेश में इसके बजाय 'अमेरिकी लोगों की उपलब्धियों और प्रगति की महानता' पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया था। अमेरिकी इतिहासकारों के दो प्रमुख संगठनों अमेरिकन हिस्टोरिकल एसोसिएशन और ऑर्गनाइजेशन ऑफ अमेरिकन हिस्टोरियंस ने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर होने के बाद एक संयुक्त बयान जारी कर प्रशासन की नीतियों को 'ऐतिहासिक रिकॉर्ड के महत्वपूर्ण हिस्सों को विकृत करने, हेरफेर करने और मिटाने का एक व्यवस्थित अभियान' बताया था। बयान में कहा गया था कि हालिया निर्देश ऐतिहासिक अनुसंधान, ऐतिहासिक सटीकता और अमेरिकियों के वास्तविक अनुभवों के बजाय संकीर्ण विच. रधारा को कपटपूर्ण तरीके से प्राथमिकता देते हैं। एक गैर-लाभकारी समूह नेशनल पार्क्स कंजर्वेशन एसोसिएशन के अनुसार, धन की कटौती ने देश भर में 200 से अधिक 'ट्राइबल हिस्टोरिक प्रिजर्वेशन' अधिका. रियों के काम को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। ये अधिकारी जनजातियों को उनके विरासत स्थलों की रक्षा करने और उनके इतिहास के सटीक चित्रण को सुनिश्चित करने में मदद करते हैं।

■ सरकारी दस्तावेजों से पता चलता है कि पार्क के कर्मचारियों ने उन संदर्भों को भी हटा दिया

सत्ता सरकारों के हाथ से निजी तकनीकी कंपनियों के हाथों में जा रही हैः गुटेरेस

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच शांति, न्याय और सतत विकास के लिए नये प्रयासों का आह्वान किया है। गुटेरेस ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि दुनिया 'शायद हमारे समय के सबसे बड़े सत्ता हस्तांतरण' से गुजर रही है।

सत्ता सरकारों से निजी तकनीकी कंपनियों के हाथों में जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी, जब व्यवहार, चुनाव, बाजार और यहां तक कि संघर्षों को आकार देने वाली तकनीकें बिना किसी सुरक्षा घेरे के काम करती हैं, तो प्रतिक्रिया नवाचार नहीं, बल्कि अस्थिरता होती है। महासचिव ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष यानि 2026 की प्राथमिकताओं की रूपरेखा पेश करते हुए कहा कि 2026 अभी से निरंतर आश्चर्य और उथल-पुथल वाले वर्ष के रूप में आकार ले रहा है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक बदलाव के समय में वह उन सिद्धांतों की ओर लौटते हैं, जो बताते हैं कि ताकतें कैसे काम करती हैं। इसमें न्यूटन का तीसरा नियम भी है, जो कहता है कि हर क्रिया की एक समान और विप. रीत प्रतिक्रिया होती है। गुटरेस ने कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में, हम ऐसी कार्रवाइयों को चुनने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं जो ठोस और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करें। हमारे संकटपूर्ण समय में शांति, न्याय, जिम्मेदारी और प्रगति की प्रतिक्रियाएं।

■ 2026 अभी से निरंतर आश्चर्य और उथल-पुथल वाले वर्ष के रूप में आकार ले रहा

तुर्की के अंताल्या में बस दुर्घटना में 8 लोगों की मौत, 26 घायल

अंकारा। तुर्की के अंताल्या शहर में एक बस पलटने से आठ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। टीआरटी हैबर टीवी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यात्री बस टेकिरदाग से अंताल्या जा रही थी, तभी आज सुबह एक तीव्र मोड़ पर बस चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस खाई में पलट गई। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि बस अंताल्या-इस्पार्टा राजमार्ग पर ग्रीन. विच मीन टाइम के अनुसार लगभग साढ़े सात बजे पलटी और खाई में जा गिरी। कई लोगों की मौत और घायल होने की खबरें हैं। टीआरटी हैबर की रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना के समय लोग बस के अंदर और नीचे फंसे हुए थे। चिकित्सा दल और आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर काम कर रही है।

चीनी जेट बेचकर कर्जा चुका रहा पाकिस्तान

जेएफ-17 फाइटर जेट्स की सऊदी अरब, लीबिया जैसे देशों से डीलिंग की, हर साल 50 जेट बन रहे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अपना कर्जा चुकाने के लिए चीन के फाइटर जेट्स की अन्य देशों के साथ डीलिंग कर रहा है। उसने नाइजीरिया, अजरबैजान, लीबिया, सऊदी अरब, मोरक्को, इंडोनेशिया, इथियोपिया और सूडान जैसे देशों को ये जेट्स बेचे हैं।

जिन देशों को जेट्स दिए गए हैं उनमें से 8 मुस्लिम देश हैं। इस्लामाबाद के कामरा में चीन सरकार का चेंडु एयरक्राफ्ट कार्पोरेशन और पाकिस्तान एयरोनाटिकल काम्पलेक्स जाइंट वेंचर प्रोडक्शन कर रहे हैं। ये प्रोडक्शन यूनिट पूरी तरह से चीन ही आपरेट कर रहा है। चीन के लगभग 500 एयरोनाटिकल इंजी. नियर यहां पर नियुक्त हैं। कामरा यूनिट से हर साल लगभग 50 जे सीरीज फाइटर जेट का प्रोडक्शन किया जा रहा है। पाकिस्तान ने सऊदी अरब को चीन के जेट बेच कर 18 हजार करोड़ रुपये का कर्ज भी चुका दिया। इससे बार्टर डील कहा जा रहा है। पाक पर सऊदी का लगभग 70 हजार करोड़ रुपये का कर्ज है। चीन के फाइटर जेट बेचने को आलवेज ब्रदर डील का नाम दिया गया है। लगभग 200 करोड़ रुपये के एक जे सीरीज के फाइटर जेट को बेचने का लगभग 80 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा चीन के हिस्से में जाता है। वर्ल्ड आर्म्स मार्केट में बैटल रेडी ब्रांडिंग बेहद जरूरी होती है। चीन ने 47 साल से किसी देश के साथ युद्ध नहीं लड़ा है। ऐसे में पाक चीन के हथियारों की बैटल रेडीनेस खरीदारों को बता रहा है। पाक इसके लिए भारत और अफगानिस्तान के खिलाफ इन हथियारों के इस्तेमाल को पेश करता है। पाक ने चीन के अलावा तुर्किये के साथ भी हथियार बनाने के प्लान पर काम शुरू कर दिया है। तुर्किये के कामीकाजी (आत्मघाती) ड्रोन की संयुक्त यूनिट अगले साल लाहौर के पास लगाने का समझौता हुआ है। पाकिस्तान ने हर साल लगभग 200 ड्रोन प्रोडक्शन का लक्ष्य रखा है। ये एक्सपोर्ट भी किए जाएंगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज ने विदेशी कर्ज पर देश की बढ़ती निर्भरता को लेकर नाराजगी जताई है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, शहबाज ने शुक्रवार को माना कि देश की बदहाल आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें बार-बार विदेशी दौरों पर जाकर कर्ज मांगना पड़ा। शहबाज ने कहा: कर्ज लेना हमारे आत्मसम्मान पर बहुत बड़ा बोझ है। कई बार हमें काम्प्रोमाइज करना पड़ता है। कई बार हम उनकी शर्तों को 'ना' भी नहीं कह पाते।

■ नाइजीरिया अजरबैजान, लीबिया सऊदी अरब मोरक्को, इंडोनेशिया इथियोपिया और सूडान जैसे देशों को ये जेट्स बेचे हैं

रूसी लड़कियों से संबध नहीं बनाएः बिल गेट्स

यौन बीमारी के दावे को गलत बताया, कहाः एपस्टीन फाइल्स में लगे आरोप पूरी तरह झूठे

वाशिंगटन। माइक्रोसाफ्ट के को-फाउंडर और अरबपति बिल गेट्स ने रूसी लड़कियों से संबंध बनाने और यौन बीमारी होने के आरोपों को खारिज कर दिया है। यौन अपराधी जेफी एपस्टीन से जुड़ी फाइलों में दावा किया गया है कि बिल गेट्स के रूसी लड़कियों के साथ यौन संबंध थे और इसके बाद उन्हें यौन रोग (एसटीडी) हुआ। गेट्स के प्रवक्ता ने इन आरोपों को पूरी तरह बेतुका और झूठा बताया। उन्होंने कहा कि ये दावे गेट्स को फंसाने और बदनाम करने की कोशिश हैं।

प्रवक्ता के मुताबिक, इन दस्तावेजों से सिर्फ इतना पता चलता है कि जेफी एपस्टीन इस बात से नाराज था कि बिल गेट्स ने उससे दूरी बना ली थी। इसी वजह से वह गेट्स की छवि खराब करने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी न्याय विभाग ने 30 जनवरी को जेफी एपस्टीन जांच से जुड़े करीब 30 लाख पन्नों के दस्तावेज, 2000 वीडियो और 1.8 लाख तस्वीरें सार्वजनिक की हैं। नई फाइल्स में जेफी एपस्टीन (बाएं) और बिल गेट्स (दाएं) की एक मुलाकात की एक नई तस्वीर सामने आई। हालांकि यह साफ नहीं है कि यह कब ली गई थी। रिलीज हुई फाइल्स में एपस्टीन ने एक मेल में दावा किया कि यौन रोग होने के बाद बिल गेट्स ने उससे एंटीबायोटिक दवाएं मांगी थी, ताकि वह ये दवाएं चुपचाप अपनी पूर्व पत्नी मेलिंडा गेट्स को दे सकें। एपस्टीन ने एक ईमेल में गेट्स पर आरोप लगाया था कि उन्होंने अपनी छवि बचाने के लिए छह साल पुरानी दोस्ती को तोड़ दिया। साल 2021 में बिल गेट्स ने सीएनएन से कहा था कि एपस्टीन से मिलना उनकी बहुत बड़ी गलती थी। उन्होंने बताया था कि वे एपस्टीन से इसलिए मिले थे, ताकि वह गेट्स फाउंडेशन को दान दे सकें। बिल गेट्स और एपस्टीन की दोस्ती को उनकी पूर्व पत्नी मेलिंडा फ्रेंच गेट्स से तलाक की एक बड़ी वजह भी माना जाता है। बिल गेट्स पहले कह चुके हैं कि उन्हें एपस्टीन के साथ अपने संबंधों पर पछतावा है। हालांकि उन्होंने किसी भी तरह की गलत गतिविधियों से इनकार किया है। 2019 में उन्होंने कहा था कि उनका एपस्टीन के साथ कोई कारोबारी या व्यक्तिगत संबंध नहीं था और वे कभी किसी पार्टी या निजी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। न्यूयार्क टाइम्स और वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि गेट्स ने 2011 से 2013 के बीच एपस्टीन से कई बार मुलाकात की। इनमें न्यूयार्क स्थित उसके घर पर देर रात तक रुकना और निजी विमान से यात्रा करना भी शामिल रहा। बिल और मेलिंडा गेट्स की शादी 1994 में हुई थी। दोनों का 2021 में तलाक हो गया था। मेलिंडा ने बाद में कहा था कि गेट्स के अफेयर्स और एपस्टीन से संबंध उनके तलाक की बड़ी वजह बने।

■ अमेरिकी न्याय विभाग ने 30 जनवरी को जेफी एपस्टीन जांच से जुड़े करीब 30 लाख पन्नों के दस्तावेज, 2000 वीडियो और 1.8 लाख तस्वीरें सार्वजनिक की हैं